■ वर्ष-24 ■ अंक-205
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)

■ शुक्रवार ■ 11 सितंबर 2026

भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

राज्यपाल ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति को दिलाई शपथ

न्यायमूर्ति श्री कोगजे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के बने 30वें मुख्य न्यायाधिपति

समय जगत, भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति श्री अल्पेश यशवंत कोगजे ने मध्य प्रदेश के 30 वें मुख्य न्यायाधीपति की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गुरूवार को लोकभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शपथ ग्रहण के बाद नव नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति श्री कोगजे को पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री अल्पेश यशवंत कोगजे को नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। समारोह का प्रारंभ और समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् तथा राष्ट्र गान जन-गण-मन के गायन के साथ हुआ।

शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उप मुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ल, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, न्यायमूर्ति श्री जी.एस. अहलूवालिया, न्यायमूर्ति श्री सुबोध अभ्यंकर, न्यायमूर्ति संदीप एन. भट्ट, न्यायमूर्ति श्री विनय सराफ, न्यायमूर्ति श्री रमेश फड़के, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल श्री धरमिंदर सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. शिवशेखर शुक्ला और संजय शुक्ल, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, विधायक, सांसद मध्यप्रदेश, गुजरात और उत्तरप्रदेश राज्य के उच्च न्यायालयों के न्यायमूर्तिगण, वरिष्ठ प्रशासनिक, न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता और आयोगों के पदाधिकारी मौजूद थे।

इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगी समिट

सीएम आज करेंगे दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट का शुभारंभ

समय जगत, भोपाल। मध्यप्रदेश में सार्वजनिक यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में राज्य सरकार एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 का शुभारंभ करेंगे। इस समिट में निजी बस ऑपरेटरों, नीति-निर्माताओं, परिवहन विशेषज्ञों, देशभर के राज्य परिवहन उपक्रमों, आईटी कंपनियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एक मंच पर जुटेंगे और मध्यप्रदेश की यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए रणनीति और सुझाव साझा करेंगे। समिट का प्रमुख केंद्र 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' होगी। 'नई सोच, नई राह, नया मध्यप्रदेश' विजन के साथ आयोजित इस समिट का उद्देश्य मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के माध्यम से जन-निजी भागीदारी मॉडल, आधुनिक आईटी प्रणालियों और हरित ऊर्जा आधारित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को गति देना है। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल भी समिट में शामिल होंगे।

समिट में ईकेए मोबिलिटी, टाटा मोटर्स, ग्रीनसेल मोबिलिटी, वोल्वो-आयशर प्राइवेट लिमिटेड, स्विच मोबिलिटी (हिंदुजा ग्रुप), एयरो ईगल ऑटोमोबाइल, यश टेक्नोलॉजीज, रैपिडो, चलो मोबिलिटी, एमनेक्स इन्फोटेक्नोलॉजीज, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एसबीआई, थिंक गैस जैसी प्रमुख कंपनियां सहभागिता करेंगी। इसके अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों, थिंक टैंक एवं कंसल्टेंसी एजेंसियों के परिवहन विशेषज्ञ भी समिट में अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे। प्रथम सत्र में मध्य प्रदेश के विशाल भौगोलिक विस्तार और तेजी से बढ़ते शहरी केंद्रों के अनुरूप बस संचालन व आईटीएमएस में पीपीपी मॉडल लागू करके सेवा की गुणवत्ता सुधारने पर मंथन किया जाएगा। द्वितीय सत्र बस टर्मिनलों, मल्टीमॉडल हब, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तथा इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम जैसी आधुनिक परिवहन संपत्तियों में पीपीपी के माध्यम से निवेश आकर्षित करने, अभिनव वित्तपोषण मॉडल, नीतिगत सहयोग और जोखिम-साझाकरण व्यवस्था पर केंद्रित होगा। तृतीय सत्र में केवल किराए पर निर्भरता घटाने, व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण, गैर-किराया राजस्व (विज्ञापन, खुदरा, लॉजिस्टिक्स व नामकरण अधिकार) तथा प्रदर्शन-आधारित अनुबंधों पर विचार किया जाएगा। चतुर्थ सत्र में पीएम मुद्रा योजना, पीएमईजीपी, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, पीएम कौशल विकास योजना, पीएम ई-ड्राइव, पीएम ई-बस सेवा और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के जरिए ट्रांसपोर्टरों, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और कुशल पेशेवरों को सशक्त बनाने पर चर्चा होगी। इसी तरह 8 सत्र आयोजित होंगे।

समिट की स्मारिका का किया जाएगा विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समिट के दौरान इंडस्ट्री एक्सपो का उद्घाटन करेंगे। एक्सपो में बस निर्माताओं, आईटी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े अन्य उद्योगों के साथ प्रदेश के विभिन्न शासकीय निगमों द्वारा अपनी गतिविधियों, तकनीकी समाधानों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे परिवहन क्षेत्र में निवेश, तकनीक और नई साझेदारियों की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा। समिट में ईलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा संकलित समिट की स्मारिका का विमोचन किया जाएगा। समिट में देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निजी बस ऑपरेटर, पूरे देश के राज्य परिवहन उपक्रमों, आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे और प्रदेश की सार्वजनिक यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सरल, सुगम, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की रणनीति बनाएंगे। साथ ही अपने सुझाव भी देंगे। परिवहन समिट में 8 सत्र होंगे। इन सत्रों के माध्यम से यात्री परिवहन को सुगम, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रदूषणमुक्त बनाने, रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने, वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बस संचालन, यात्री सुरक्षा, ग्रीन मोबिलिटी, स्वच्छ ईंधन, एकीकृत टिकटिंग, स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली विषयों पर चर्चा होगी।

अल नीनो की वजह से हाई हेल्थ रिस्क पर भारत

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं। इसी बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आकलन में भारत को उन देशों में शामिल किया गया है जहां सेहत से जुड़े बड़े या बहुत बड़े जोखिम हैं और इसका कारण एल नीनो है क्योंकि इसके असर से पूरे दक्षिण एशिया में मौसम का मिजाज बदल रहा है। एल नीनो मध्य और पूर्वी ट्रॉपिकल प्रशांत महासागर में सतह के पानी का समय-समय पर गर्म होना है, जो दुनिया भर में मौसम के पैटर्न को बिगाड़ सकता है और प्रशांत क्षेत्र से बहुत दूर बारिश और तापमान को प्रभावित कर सकता है। स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल पब्लिक हेल्थ सिचुएशन एनालिसिस अल नीनो 2026 रिपोर्ट 5 सितंबर को जारी हुई। इसमें भारत को ज्यादा या बहुत ज्यादा जोखिम वाले देशों में रखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त-अक्टूबर के दौरान दक्षिण एशिया के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश और सामान्य से ज्यादा गर्मी होने की आशंका है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब देश के कुछ हिस्सों में पहले से ही वेक्टर-जनित (कीड़ों-मकोड़ों से फैलने वाली) बीमारियां बढ़ रही हैं। दिल्ली में अगस्त में डेंगू के 90 मामले सामने आए, जो इस साल किसी एक महीने में सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही 29 अगस्त तक कुल मामलों की संख्या 311 हो गई।

दक्षिण एशिया में अल नीनो से बदल रहा है मौसम का मिजाज

सिनेमा की शूटिंग की तरह चला रहे हैं सरकार: एमके स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों सियासी गर्माहट तेज है। वजह है कि बीते दिनों विधानसभा में इमरजेंसी के दौर के कानून मीसा को लेकर हुई बयानबाजी और मुख्यमंत्री विजय का डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन की ओर इशारा करना, जिसके चलते राज्य में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर है। ऐसे में अब तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सीएम विजय पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विजय को विधानसभा में बिना मतलब के विवादों पर बात नहीं करनी चाहिए। बता दें कि इस मामले की शुरुआत तब हुई, जब सोमवार को विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने मीसा का जिक्र करते हुए एक इशारा किया था, जिसमें उन्होंने अपना हाथ अपने जबड़े के पास रखा था।

राजनीतिक गलियारों में इस इशारे को सीधे तौर पर 1976 में आपातकाल के दौरान स्टालिन की हिरासत और कथित जबड़े की चोट से जोड़कर देखा गया। हालांकि, दो दिन पहले ही विजय ने सफाई दी थी कि उनका वह हाथ का इशारा किसी भी तरह से जानबूझकर नहीं किया गया था। जारी वीडियो में विजय पर सीधा हमला बोलते हुए स्टालिन ने कहा कि आपने तो विधानसभा को ही रील्स बनाने की जगह बना दी है।

हमारे बनाए पुल पर खड़े होकर फोटोशूट करवाते हैं और सरकार को ऐसे चला रहे हैं जैसे कोई फिल्म की शूटिंग चल रही हो। पूर्व सीएम ने कहा कि अपनी नाकाम और ढीली-ढाली प्रशासनिक व्यवस्था को छिपाने के लिए आप इस तरह की रील्स पोस्ट कर रहे हैं और पूरी एक पीढ़ी को धोखा दे रहे हैं। अपने संघर्ष को याद करते हुए स्टालिन ने 1976 के उस दौर को ताजा किया जब देश में आपातकाल लगा था। उन्होंने बताया कि डीएमके ने इमरजेंसी और मीसा के विरोध में मरीना बीच पर एक बहुत बड़ी रैली की थी। स्टालिन ने बताया कि कैसे 31 जनवरी 1976 को केंद्र सरकार ने डीएमके की सरकार को बर्खास्त कर दिया था। सरकार गिरते ही पुलिस गोपालपुरम स्थित एम. करुणानिधि के घर स्टालिन को गिरफ्तार करने पहुंच गई थी, लेकिन उस समय स्टालिन चुनाव प्रचार के सिलसिले में बाहर थे।

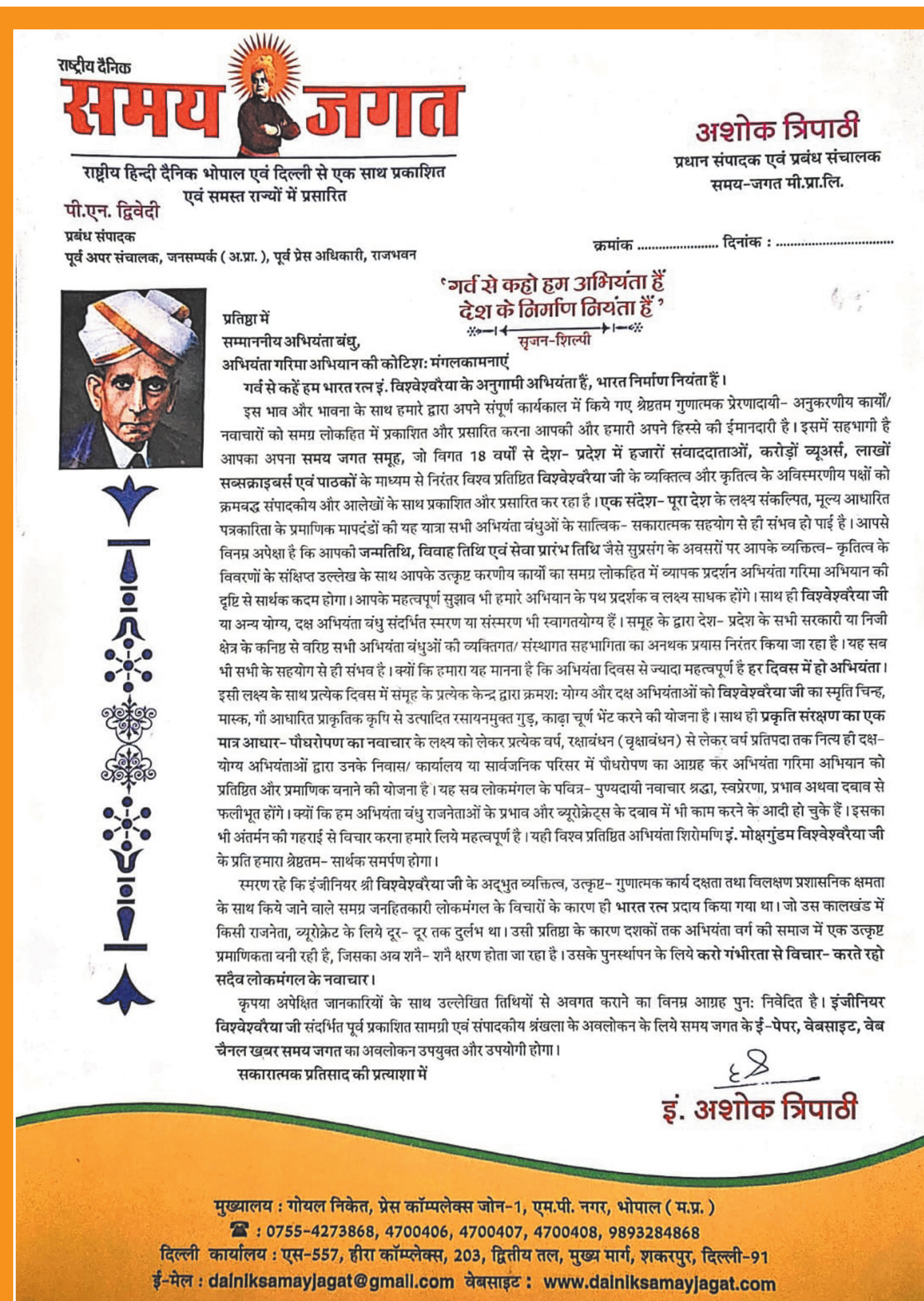

राष्ट्रीय दैनिक
समय जगत
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक भोपाल एवं दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
एवं समस्त राज्यों में प्रसारित

पी.एन. द्विवेदी
प्रबंध संपादक
पूर्व अपर संचालक, जनसम्पर्क (अ.प्रा.), पूर्व प्रेस अधिकारी, राजभवन

अशोक त्रिपाठी
प्रधान संपादक एवं प्रबंध संचालक
समय-जगत मी.प्रा.लि.

क्रमांक .... दिनांक : ....

'गर्व से कहो हम अभियंता हैं
देश के निर्माण नियंता हैं'
सृजन-शिल्पी

प्रतिष्ठा में
सम्माननीय अभियंता बंधु,
अभियंता गरिमा अभियान की कोटिशः मंगलकामनाएं

गर्व से कहें हम भारत रत्न इं. विश्वेश्वरैया के अनुगामी अभियंता हैं, भारत निर्माण नियंता हैं।

इस भाव और भावना के साथ हमारे द्वारा अपने संपूर्ण कार्यकाल में किये गए श्रेष्ठतम गुणात्मक प्रेरणादायी- अनुकरणीय कार्यों/ नवाचारों को समग्र लोकहित में प्रकाशित और प्रसारित करना आपकी और हमारी अपने हिस्से की ईमानदारी है। इसमें सहभागी है आपका अपना समय जगत समूह, जो विगत 18 वर्षों से देश- प्रदेश में हजारों संवाददाताओं, करोड़ों व्यूअर्स, लाखों सब्सक्राइबर्स एवं पाठकों के माध्यम से निरंतर विश्व प्रतिष्ठित विश्वेश्वरैया जी के व्यक्तित्व और कृतित्व के अविस्मरणीय पक्षों को क्रमबद्ध संपादकीय और आलेखों के साथ प्रकाशित और प्रसारित कर रहा है। एक संदेश- पूरा देश के लक्ष्य संकल्पित, मूल्य आधारित पत्रकारिता के प्रमाणिक मापदंडों की यह यात्रा सभी अभियंता वंधुओं के सात्विक- सकारात्मक सहयोग से ही संभव हो पाई है। आपसे विनम्र अपेक्षा है कि आपकी जन्मतिथि, विवाह तिथि एवं सेवा प्रारंभ तिथि जैसे सुप्रसंग के अवसरों पर आपके व्यक्तित्व- कृतित्व के विवरणों के संक्षिप्त उल्लेख के साथ आपके उत्कृष्ट करणीय कार्यों का समग्र लोकहित में व्यापक प्रदर्शन अभियंता गरिमा अभियान की दृष्टि से सार्थक कदम होगा। आपके महत्वपूर्ण सुझाव भी हमारे अभियान के पथ प्रदर्शक व लक्ष्य साधक होंगे। साथ ही विश्वेश्वरैया जी या अन्य योग्य, दक्ष अभियंता वंधु संदर्भित स्मरण या संस्मरण भी स्वागतयोग्य हैं। समूह के द्वारा देश- प्रदेश के सभी सरकारी या निजी क्षेत्र के कनिष्ठ से वरिष्ठ सभी अभियंता वंधुओं की व्यक्तिगत/ संस्थागत सहभागिता का अनथक प्रयास निरंतर किया जा रहा है। यह सव भी सभी के सहयोग से ही संभव है। क्यों कि हमारा यह मानना है कि अभियंता दिवस से ज्यादा महत्वपूर्ण है हर दिवस में हो अभियंता। इसी लक्ष्य के साथ प्रत्येक दिवस में समूह के प्रत्येक केन्द्र द्वारा क्रमशः योग्य और दक्ष अभियंताओं को विश्वेश्वरैया जी का स्मृति चिन्ह, मास्क, गौ आधारित प्राकृतिक कृषि से उत्पादित रसायनमुक्त गुड़, काढ़ा चूर्ण भेंट करने की योजना है। साथ ही प्रकृति संरक्षण का एक मात्र आधार- पौधरोपण का नवाचार के लक्ष्य को लेकर प्रत्येक वर्ष, रक्षाबंधन (वृक्षाबंधन) से लेकर वर्ष प्रतिपदा तक नित्य ही दक्ष- योग्य अभियंताओं द्वारा उनके निवास/ कार्यालय या सार्वजनिक परिसर में पौधरोपण का आग्रह कर अभियंता गरिमा अभियान को प्रतिष्ठित और प्रमाणिक वनाने की योजना है। यह सब लोकमंगल के पवित्र- पुण्यदायी नवाचार श्रद्धा, स्वप्रेरणा, प्रभाव अथवा दबाव से फलीभूत होंगे। क्यों कि हम अभियंता वंधु राजनेताओं के प्रभाव और ब्यूरोक्रेट्स के दवाव में भी काम करने के आदी हो चुके हैं। इसका भी अंतर्मन की गहराई से विचार करना हमारे लिये महत्वपूर्ण है। यही विश्व प्रतिष्ठित अभियंता शिरोमणि इं. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी के प्रति हमारा श्रेष्ठतम- सार्थक समर्पण होगा।

स्मरण रहे कि इंजीनियर श्री विश्वेश्वरैया जी के अद्भुत व्यक्तित्व, उत्कृष्ट- गुणात्मक कार्य दक्षता तथा विलक्षण प्रशासनिक क्षमता के साथ किये जाने वाले समग्र जनहितकारी लोकमंगल के विचारों के कारण ही भारत रत्न प्रदाय किया गया था। जो उस कालखंड में किसी राजनेता, व्यूरोक्रेट के लिये दूर- दूर तक दुर्लभ था। उसी प्रतिष्ठा के कारण दशकों तक अभियंता वर्ग की समाज में एक उत्कृष्ट प्रमाणिकता वनी रही है, जिसका अब शनै- शनै क्षरण होता जा रहा है। उसके पुनर्स्थापन के लिये करो गंभीरता से विचार- करते रहो सदैव लोकमंगल के नवाचार।

कृपया अपेक्षित जानकारियों के साथ उल्लेखित तिथियों से अवगत कराने का विनम्र आग्रह पुनः निवेदित है। इंजीनियर विश्वेश्वरैया जी संदर्भित पूर्व प्रकाशित सामग्री एवं संपादकीय श्रंखला के अवलोकन के लिये समय जगत के ई-पेपर, वेबसाइट, वेब चैनल खबर समय जगत का अवलोकन उपयुक्त और उपयोगी होगा।

सकारात्मक प्रतिसाद की प्रत्याशा में

इं. अशोक त्रिपाठी

मुख्यालय : गोयल निकेत, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.)
☎ : 0755-4273868, 4700406, 4700407, 4700408, 9893284868
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्प्लेक्स, 203, द्वितीय तल, मुख्य मार्ग, शकरपुर, दिल्ली-91
ई-मेल : dainiksamayjagat@gmail.com वेबसाइट : www.dainiksamayjagat.com

वित्त मंत्रालय का अफसर बनकर ठगी करने वाला हुआ गिरफ्तार

ठाणे। क्रिप्टोकरंसी के नाम पर निवेशकों से 113 करोड़ रुपये की भारी-भरकम ठगी करने वाले एक बड़े आरोपी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान अमित लखनपाल के रूप में हुई है, जो खुद को वित्त मंत्रालय का अधिकारी बताकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। ठाणे पुलिस के अनुरोध पर जारी किए गए रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर यूएई प्रशासन ने यह बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन निदेशालय ने अमित लखनपाल के छुपने की पुख्ता जानकारी संबंधित अधिकारियों के साथ साझा की थी। इसके बाद 1 सितंबर को उसे यूएई में धर दबोचा गया।

गिरफ्तारी के बाद, भारत सरकार ने उसे वापस भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही जांच एजेंसियों को मामले से जुड़े सभी दस्तावेज व डिटेल तैयार रखने को कहा है। ठाणे पुलिस इस पूरे घोटाले की मुख्य जांच कर रही है, जबकि ईडी मनी लॉन्ड्रिंग (धोखाधड़ी के पैसों को ठिकाने लगाने) के एंगल से इसकी जांच में जुटी है।

जनपद में भव्यता से आयोजित होगा सेवा संकल्प अभियानः मुख्य विकास अधिकारी

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक नगर निकायों एंव गांव-गांव होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

समय जगत,झांसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाना तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने पर प्रशासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाने जा रही है। ग्राम और न्याय पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक एक महीने चलने वाले अभियान में जनसेवा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण से जुड़े व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आज मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने विकास भवन सभागार में अभियान को सरकारी आयोजनों तक सीमित रखने के बजाय इसमें व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उन्होंने आयोजित होने वाले प्रतिदिन के कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी बनाते हुए उन्हें सफल आयोजन की जिम्मेदारी दी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ ने कहा कि सरकार की मंशा 'सेवा संकल्प अभियान' के जरिए मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा से नागरिकों को परिचित कराने के साथ उन्हें 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने की है। इसके लिए कार्यक्रमों को जिला मुख्यालयों तक सीमित न रखकर न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत और नगरीय क्षेत्रों तक आयोजन की तैयारी है।

उन्होंने कहा कि जनपद में मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के साथ अभियान की शुरुआत होगी। ग्राम पंचायतों से लेकर शहरों तक जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। अभियान के दौरान 'करोड़ों बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'घर-घर से राष्ट्र तक रंगोली', 'इनोवेशन चौलेंज' और 'जनसेवा महाकुंभ' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में सीडीओ ने माह भर चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान श्सेवा मेरा योगदान' के तहत प्रशासन द्वारा जनपद में स्वच्छता और वृक्षारोपण के साथ घाटों, पार्कों और गोशालाओं की सफाई एवं सौंदर्यीकरण के कार्यक्रम आयोजित करेगी। रक्तदान शिविर भी लगाए जाएंगे। वहीं 'आरोग्य मेलों' के जरिए लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाओं के वितरण की व्यवस्था की जाएगी। बच्चों, युवाओं और नवाचार से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। 'नमो सेवा गाथा' के जरिए प्रधानमंत्री मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, जनकल्याणकारी योजनाओं और इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में आए बदलाव को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि अभियान के महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में 07 अक्टूबर को जनपद में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' निकाली जाएगी। इसके माध्यम से नागरिकों को विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। विभिन्न स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर मा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संबोधन का प्रसारण भी किया जाएगा।

अभियान को जनपदव्यापी स्वरूप देने के लिए तैयारियां तेज करने की सलाह देते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की, इसमें विभागवार जिम्मेदारियां तय करने के साथ कार्यक्रमों के प्रभावी और व्यापक आयोजन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि महीनेभर चलने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' केवल आयोजनों की श्रृंखला न बनकर जनसेवा, सामाजिक सहभागिता और विकसित भारत के संकल्प को प्रदेश के गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाने का माध्यम बने।

मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने आयोजित होने वाली प्रतिदिन के कार्यक्रमों को व्यापकता प्रदान करने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर बीडीओ बबीना श्री आयुष सैनी, आईएएस, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती पल्लवी मिश्रा, अपर नगर आयुक्त राहुल कुमार यादव, डीडीओ राजेश कुमार, डीआईओएस श्रीमती रती वर्मा, बीएसए जितेन्द्र कुमार गौड़, डीएसटीओ डॉ0 अर्चना सिंह, डीएसओ, सुश्री सौम्या अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा के साथ सामाजिक ज्ञान का होना आवश्यक : डॉ अशोक यादव

समय जगत, गुरसरांय। छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा उन्नयन गोष्ठी का आयोजन नगर के डॉ राम मनोहर लोहिया पी जी महिला महाविद्यालय में किया गया,जिसमें शिक्षा के साथ साथ विभिन्न कार्यक्रमों के ज्ञान हेतु प्रेरित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गोष्ठी को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो डॉ अशोक यादव ने कहा कि छात्राओं को सबसे उच्च शिक्षा मिले तथा उनका सर्वांगीण विकास हो इसके लिए अन्य गतिविधियां विद्यालय में सम्पन्न कराई जाती रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि सामाजिक ज्ञान प्राप्त करने एवं जीवन जीने के लिए संस्कारों की आवश्यकता है।उंसके लिए खेल,सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय के संस्थापक पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव की सोच थी कि हमारी बेटियां दूर दराज शिक्षा के लिए ना भटकें ,इसलिए उन्होंने महिला विद्यालय की स्थापना कर बेटियों के लिए यह विद्यालय वरदान के रूप में स्थापित किया।हमारा सभी का धर्म है कि इसे हरा भरा रखकर सिंचित करते रहें।विद्यालय की प्राचार्या डॉ पिंकी सिंह ने कहा कि विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं चल रहीं है।इसमें सभी अभिभावकों एवं नगरवासियों के सहयोग की जरूरत है तभी हमारा शिक्षा का अभियान पूर्ण होगा।

संचालन गुलाबराय शर्मा ने किया।अंत मे उप प्राचार्य डॉ धीरज दीक्षित ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर डॉ वीरेंद्र सिंह ,लालू यादव ,डॉक्टर अजय गौड़ ,राम राजपूत, नीलेश यादव, आरपी निरंजन ,पूजा सोनी, प्रीति अर्जरिया, शारदा सिंह चौहान ,रामलला यादव, दीपक यादव, अरविंद नामदेव ,बृजेंद्र कुमार प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

विकासखंड के ग्राम खड़ौरा में एक दर्जन मकान हुए धराशायी

समय जगत, गुरसरांय। विकासखंड गुरसरांय के अंतर्गत ग्राम खड़ौरा में राम रतन पांचाल का शौचालय वरसात होने से गिर गया है ,जिससे घर मे रह रहे दोनों वृद्ध दंपत्ति को शौचालय जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।इसके पूर्व पंकज नीरज तिवारी एवं कुलदीप मिश्रा सहित एक दर्जन लोगों के मकान गिर गए है।

ग्राम प्रधान मनोज यादव एवं पूर्व प्रधान राम प्रिया शरण मिश्रा ,रामसुमिरन मिश्रा ने पीड़ित लोगों को मुआवजा दिलाये जाने की मांग की है।

नियुक्ति पत्र पाकर सहायिकाओं के चेहरे खिले

समय जगत, गुरसराय । विकासखंड सभागार में बाल विकास परियोजना के द्वारा 14 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण किया गये।

नियुक्ति पत्र पाकर आंगनबाड़ी सहायिकाओं के चेहरे खिल गए। इसी क्रम में आंगनवाड़ी विभाग में सराहनीय कार्य करने के लिए कुछ आशा कार्यक?त्रियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में की गई वृद्धि को लेकर मुख्यमंत्री की भूरि भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गुरसराय प्रतिनिधि टीकाराम पटेल, ब्लॉक प्रमुख बामोर चंद्रभान सिंह, खंड विकास अधिकारी गौरव कुमार सीडीपीओ बबीना रानी पालीवाल, बड़ागांव मीनेश राय, गुरसराय वर्षा द्विवेदी, बामोर निकिता वर्मा, सुपरवाइजर सुचिता वर्मा, प्रीति अहिरवार, निशा गुप्ता, मोहिनी यादव सहित बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं ब्लॉक स्टाफउपस्थित रहा।

अहंकार का त्याग कर विनम्रता धारण करें : विशाश्री माताजी

समय जगत, झांसी। अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में चल रहे 48 दिवसीय 1008 भक्तामर महा मण्डल आराधना विधान के उन्तालीसवें दिन गुरुवार को गणिनी आर्यिका 105 विशाश्री माताजी ने मंगल? देशना देते हुए कहा कि राजा के सिंहासन पर तो केवल एक छत्र होता है पर जो भगवान तीन? लोक के शिखर पर विराजमान हैं, उनके सिंहासन के ऊपर तीन तीन छत्र लगे हैं। भगवान के साथ उनका सिंहासन, उसके ऊपर लगे छत्र ,चंवर आदि जो सभी निर्जीव वस्तुएं होते हुए भी पूज्य हैं पर मानव देह का पर्याय प्राप्त करने वाला जीव अपने जीवन काल तक अपने कर्मों के विरूद्ध युद्ध करता रहता है पर अपने भीतर, सहजता सरलता और विनम्रता प्रकट नहीं कर पाता है। उन्होंने कहा कि जिसके भीतर विनम्रता होती है वहीं झुकता है और जो झुकता है वहीं ऊपर उठता जाता है। उन्होंने कहा कि अहंकार जिसमें होता है उसमें अकड़ होती है, अंतरू अहंकार का त्याग कर सहजता सरलता और विनम्रता के गुण धारण करो। यही गुण पूज्य हैं जो भगवान बनने की राह खोलते हैं।

इससे पूर्व गुरुवार के पुण्यार्जक श्रीमती निशा नीरज जैन, श्रीमती सोनम सुनील जैन,अभिनव, अध्यान,जौनी एवं समस्त सिंघई परिवार टहरौली रहे, जिन्होंने शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त किया, माताजी को शास्त्र भेंटकर पाद प्रक्षालन कर पं दीपक जैन करैरा के मार्गदर्शन में समस्त धार्मिक क्रियायें सम्पन्न कराते हुए अर्घ समर्पित किये।

तदुपरांत पुण्यार्जक परिवारों का माला एवं पगड़ी पहनाकर दिगम्बर जैन पंचायत समिति के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया।संचालन पंचायत समिति के महामंत्री कमल जैन लोकपथ एवं करगुवांजी मंत्री एड.शिरोमणी जैन ने संयुक्त रूप से किया।अंत में विधि सलाहकार अशोक जैन ने सभी का आभार व्यकत किया।

नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में भाजपा के चार विपक्ष का एक व निर्दलीय एक सदस्य जीता

- भाजपा खेमे में सन्नाटा -

समय जगत, झांसी। नगर निगम के महारानी लक्ष्मीबाई सभागार में कार्यकारिणी चुनाव निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में संपन्न कराया गया। जिसमें नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई इस प्रक्रिया में 6 सदस्यों को कार्यकारिणी में लेना था लेकिन चुनावी प्रक्रिया के दौरान विपक्ष की रणनीति एवं राजनीति मजबूत नजर आई। विपक्ष का एक सदस्य कार्यकारिणी में जाना था लेकिन विपक्ष ने सत्ताधारी पार्टी में अपनी सेध लगा डाली नामांकन प्रक्रिया को लेकर जहां 6 सदस्यों के लिए नामांकन होना था वहां पर 7 लोगों ने नामांकन प्रक्रिया संपूर्ण कर दी।

इस प्रक्रिया में भारतीय जनता पार्टी के पांच सदस्य कार्यकारिणी में आना थे लेकिन भाजपा के एक महिला पार्षद ने नामांकन दाखिल कर दिया जिस कारण हड़कम्प मच गया और चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई। इस प्रक्रिया में विपक्ष की भूमिका काफी तेज रही और महिला प्रत्याशी को जीत हासिल हुई। भाजपा की एक महिला प्रत्याशी को हर का सामना करना पड़ा जिसमें भारतीय जनता पार्टी के चार सदस्य कार्यकारिणी में पहुंच पाए। वहीं बगावत करके आई महिला पार्षद में जीत हासिल कर ली। नगर निगम के कार्यकारिणी चुनाव को लेकर काफी समय से चर्चाएं चल रही थी लेकिन आखिरकार चुनाव की तिथि तय हुई 10 सितंबर को नगर निगम का चुनाव संपन्न हुआ और चुनावी प्रक्रिया में महेश गौतम को 11 वोट मिले, सुनील नेनवानी 9 वोट मिले, राम जी यादव को 9 वोट, राखी सिंह 9 बोट, श्रीमती नीता विकास यादव 10 वोट, राजकुमारी 9 बोट व रितिका तिवारी को 6 वोट मिले। इस प्रकार चुनावी प्रक्रिया में जहां वोट डालने की प्रक्रिया 66 सदस्यों की थी वहीं 63 वोट डाले गए। इस प्रक्रिया में वोट डालने के लिए सांसद अनुराग शर्मा, विधायक रवि शर्मा, एमएलसी रामा निरंजन, एमएलसी बाबूलाल तिवारी ने भी वोट डाले। कार्यकारिणी चुनाव में इस बार अहम भूमिका निभाने के लिए दोनों दलों में एक-एक नायक अपना काम कर रहा था। जिसमें विपक्ष की ओर से नेता सदन कांग्रेस सुलेमान मंसूरी ने अपनी अहम भूमिका निभाते हुए विपक्ष को इतना मजबूत कर दिया कि आखिरकार भारतीय जनता पार्टी के खेमे से भी एक महिला पार्षद को जीत हासिल कर दी। आखिरकार विपक्ष की जीत पर खुशियां मनाई गई और मिठाइयां बांटी गई। वहीं भारतीय जनता पार्टी के खेमे में विरोधाभास की स्थिति नजर आई भारतीय जनता पार्टी से श्रीमती रितिका तिवारी ने कहा कि मेरे साथ धोखा किया गया है और इस बात से मैं सहमत हूं कि मैंने जो विश्वास पार्टी पर किया था लेकिन किसी ने मेरे द्वारा बनाई गई लिस्ट को सम्मिलित नहीं किया जिस कारण मेरी हार हुई है वहीं जीत हासिल करने वाले प्रत्याशी भी इस असमंजस में रहे कि आखिरकार यह कैसे हो गया इस प्रकार कार्यकारिणी सदस्यों में भारतीय जनता पार्टी के 10 सदस्य जहां आप उनकी संख्या नौ हो गई है विपक्ष के जहां दो सदस्य आज विपक्ष मजबूत नजर आ रहा है फिलहाल कार्यकारिणी चुनाव 2026 में पहली बार चुनावी भीम विधिवत तरीके से संपन्न हुई और जीते हुए कार्यकारिणी सदस्यों को सभी ने बधाई दी और मिठाइयां बांटी इस मौके पर चुनावी प्रक्रिया में दिनेश प्रताप सिंह बंटी राजा महेश गौतम विकास खत्री संजीव गुप्ता कप्तान राय विष्णु यादव आशीष रायकवार, आशीष तिवारी आशीष चौकसे रिंकू वंशकार भरत सेन उमेश जोशी शहद तमाम पार्षद मौजूद रहे वहीं चुनाव संपन्न होने के बाद नगर आयुक्त आकांक्षा राणा महापौर बिहारी लाल द्वारा जीते गए सभी कार्यकारिणी सदस्यों को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।

सुभाष गंज में नाले का गंदा पानी सड़क पर, हजारों लोग परेशान, डॉ संदीप ने उठाई स्थायी समाधान की मांग

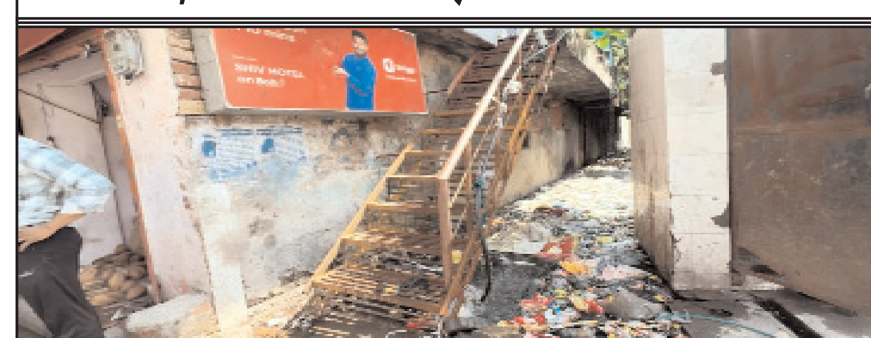

समय जगत, झांसी। शहर के प्रमुख बाजार मानिक चौक में बरसात के दिनों में नाले के ओवरफ्लो होने से स्थानीय नागरिकों और राहगीरों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो रही है। रानी महल से गंज की ओर जाने वाले मार्ग पर नाले का गंदा पानी सड़क पर भर जाने के कारण लोगों को उसी गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

यह मार्ग झांसी के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में व्यापारी, खरीददार, छात्र-छात्राएं और मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालु आवागमन करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दौरान नाले के ओवरफ्लो होने की समस्या लगातार बनी रहती है, जिससे आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ गंदगी और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

इस जनसमस्या को लेकर डॉ. संदीप सरावगी ने भी चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल प्रभाव से समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

इस विषय परडॉ. संदीप सरावगी ने कहा यह झांसी के प्रमुख बाजार और हजारों लोगों से जुड़ी जनसमस्या है। बरसात के दिनों में लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। प्रशासन को मौके का निरीक्षण कर नाले की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों, छात्र-छात्राओं और श्रद्धालुओं को राहत मिल सके।÷

स्थानीय लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग मानिक चौक पहुंचकर नाले की स्थिति का तत्काल निरीक्षण करे और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराए। लोगों का कहना है कि समस्या का केवल अस्थायी समाधान करने के बजाय नाले की क्षमता, सफाई और जल निकासी व्यवस्था की तकनीकी जांच कर स्थायी समाधान किया जाना चाहिए। अब देखना यह है कि शासन-प्रशासन इस गंभीर जनसमस्या पर कब तक प्रभावी कार्रवाई करता है।

सक्षम प्रशिक्षण से शिक्षक पढ़ाने और प्रबंधन में और सक्षम होगा : दीपक श्रीवास्तव

समय जगत, ललितपुर । आज जिला शिक्षा एवम प्रशिक्षण संस्थान ललितपुर में आज से सक्षम मॉड्यूल का हस्त पुस्तिका का प्रशिक्षण शुरु हुआ जिसकी औपचारिक शुरुआत करते हुए डाइट प्राचार्य श्री दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि शासन की मंशा है कि हमारे सभी शिक्षक अपने अपने काम में पूर्ण निपुण व निष्ठावान बने तथा अपने सभी दायित्व चाहे वो शिक्षण के हों या प्रबंधन के सही से निर्वहन करें सक्षम प्रशिक्षण से सभी प्रधानाध्यापक और सक्षम बनेंगे प्रशिक्षण सत्र में बोलते हुए।

प्रशिक्षण प्रभारी श्री संतोष वर्मा ने कहा कि सभी प्रशिक्षणों हेतु डाइट ललितपुर में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण है सभी संदर्भदाता पूर्ण प्रशिक्षित व योग्य हैं सभी भौतिक व्यवस्थायें भी उच्च स्तरीय हैं आप सभी लोग मन से प्रशिक्षण लेकर अपने अपने विद्यालय जाकर उसी के अनुसार शिक्षण कार्य करें जिससे सभी बच्चे निपुण लक्ष्य हासिल कर सकें इसके बाद प्रशिक्षण शुरु हुआ ।

प्रशिक्षण में तालबेहट खण्ड शिक्षा अधिकारी समर सिंह भी रहे जिसमें संदर्भदाता श्री प्रफुल्ल जैन श्री कल्याण सिंह ठाकुर श्री मनीष खरे व श्री शक्ति सिंह ने सभी सत्रों में नई शिक्षा नीति निपुण लक्ष्य सक्षम मॉड्यूल हस्त पुस्तिका पर प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक एवम महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराते हुए शिक्षण व प्रबंधन को और उन्नत बनाने के बारे में जाग्रत किया प्रशिक्षण में जिले से देवेश शर्मा अमरेश राय महेंद्र बिलगईयां रोशनी परमार संतोष सिद्दीकी अरुण कुमार अनिल गुप्ता संतोष रजक सौरभ गुप्ता राजरानी प्रजापति भावना सिंघल नीरज द्विवेदी रतीराम पाल सहित लगभग एक सौ प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे संचालन कल्याण सिंह ठाकुर ने व आभार मनीष जैन ने व्यक्त किया ।

आम सूचना

मैंने अपना नाम LALIT KUMAR से बदलकर LALIT KUMAR AGARWAL कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए ।

LALIT KUMAR AGARWAL
S/0 JAWAHAR LAL AGARWAL, 400 SADAR BAZAR JHANSI

हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा, स्किल, इनोवेशन और निवेश के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएंः मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में भारत में ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर श्री फिलिप ग्रीन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, इनोवेशन, कृषि, ग्रीन एनर्जी, खेल, टूरिज्म, निवेश तथा युवाओं को वैश्विक अवसर उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत और व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, तकनीक, इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट और लोगों के बीच संपर्क लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में हरियाणा के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ राज्य स्तर पर सहयोग को और मजबूत करने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत होते संबंधों का लाभ हरियाणा के युवाओं, विद्यार्थियों, किसानों, उद्यमियों और उद्योगों तक पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा, स्किल, रिसर्च, इनोवेशन और नई तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग से हरियाणा के विकास को नई गति दी जा सकती है। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री अजय कुमार, विदेश सहयोग विभाग में मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री पवन चौधरी, विदेश सहयोग विभाग की संयुक्त निदेशक श्रीमती हिना बिंदलिश सहित ऑस्ट्रेलिया-इंडिया बिजनेस काउंसिल से जुड़े प्रतिनिधि एवं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने तथा दोनों पक्षों के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस सहयोग को और अधिक मजबूत करने के संबंध में भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में हरियाणा की यूनिवर्सिटीज और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं रिसर्च संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, कृषि, इंजीनियरिंग, क्लीन एनर्जी और पब्लिक पॉलिसी जैसे क्षेत्रों में संयुक्त रिसर्च, स्टूडेंट और फैकल्टी एक्सचेंज तथा संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों और रिसर्च संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ लेकर

हरियाणा में इनोवेशन, रिसर्च और इंडस्ट्री-एकेडमिया पार्टनरशिप को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने हरियाणा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, रिसर्च एवं इनोवेशन हब तथा नई तकनीकों से जुड़े प्रशिक्षण केंद्र विकसित करने में ऑस्ट्रेलिया के सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

बैठक में हरियाणा के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्किल प्रदान करने और उन्हें वैश्विक रोजगार के अवसरों से जोड़ने पर भी विशेष चर्चा हुई। ऑस्ट्रेलिया के तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों तथा हरियाणा के आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्किल यूनिवर्सिटीज के बीच सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया गया। दोनों पक्षों ने उद्योग की जरूरतों के अनुरूप स्किल ट्रेनिंग, आधुनिक पाठ्यक्रम, अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण, प्रमाणन और रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल द्वारा हरियाणा के युवाओं के लिए ऑस्ट्रेलिया में हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स और आईटी जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों के अनुरूप प्रशिक्षण एवं स्किल डेवलपमेंट में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में कृषि के क्षेत्र में हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया की विशेषज्ञता को जोड़ने पर भी चर्चा हुई। प्रिसिजन एग्रीकल्चर, पानी की बचत वाली खेती, क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर, मिट्टी की सेहत, फार्म मैकेनाइजेशन, डेयरी टेक्नोलॉजी, फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन और एग्री इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर एनर्जी, बैटरी स्टोरेज, रिन्यूएबल एनर्जी, वेस्ट-टू-एनर्जी और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

24 से 30 तक संचालित होंगी डी.एल.एड. परीक्षाएं

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाई जा रही डी.एल.एड. प्रथम व द्वितीय वर्ष (नियमित/रि-अपीयर) परीक्षा अक्तूबर-2026 के छात्र-अध्यापकों की बाह्य व आंतरिक प्रायोगिक परीक्षा 24 सितंबर से 30 सितंबर, 2026 तक संचालित करवाई जाएगी। इस आशय की जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष श्री शंकर लाल धूपड़ ने बताया कि डी.एल.एड. प्रथम व द्वितीय वर्ष (नियमित/रि-अपीयर) परीक्षा अक्तूबर-2026 के छात्र-अध्यापकों की बाह्य व आंतरिक प्रायोगिक परीक्षाएं 24 सितंबर से 30 सितंबर, 2026 तक प्रातः 9ः00 बजे से सायं 3ः00 बजे तक संबंधित शिक्षण संस्थानों में संचालित करवाई जाएंगी। बाह्य प्रायोगिक परीक्षाओं हेतु बोर्ड कार्यालय द्वारा परीक्षकों तथा आंतरिक प्रायोगिक परीक्षाओं के निरीक्षण कार्य हेतु ऑब्जर्वर्स की नियुक्तियां की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित शिक्षण संस्थान डी.एल.एड. प्रथम व द्वितीय वर्ष (नियमित/रि-अपीयर) छात्र-अध्यापकों की बाह्य व आंतरिक प्रायोगिक परीक्षाओं को निर्धारित शेड्यूल में संचालित करवाएं। सभी शिक्षण संस्थान ऑनलाइन अंक भरने, ड्यूटी चार्ट तथा दिशा-निर्देश पत्र हेतु बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करें।

सार-समाचार

आईटीईपी की दूसरे, चौथे एवं छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 14 सितंबर से

चंडीगढ़, समय जगत। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक में इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के दूसरे, चौथे एवं छठे सेमेस्टर की सितम्बर–2026 की थ्योरी परीक्षाएं 14 सितंबर, 2026 से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इन परीक्षाओं की विस्तृत डेटशीट विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

विधिक अधिकारों के लिए किया गया जागरुक

गुरुग्राम। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए), गुरुग्राम ने विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। इसका उद्देश्य लोगों को शिक्षा के महत्व और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। इसदौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट–सह–सचिव, डीएलएसए गुरुग्राम निशा ने आमजन को बताया गया कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने तक सीमित नहीं है। यह व्यक्ति को अपने अधिकारों, कर्तव्यों और उपलब्ध सरकारी व कानूनी सहायता के साधनों को समझने में सक्षम बनाती है। प्रतिभागियों को निशुल्क कानूनी सहायता, लोक अदालत और मध्यस्थता जैसी विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी दी गई।

अग्निशमन विभाग खरीदेगा 90 और 104 मीटर की एरियल लेडर प्लेटफॉर्म

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा सरकार का अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा निदेशालय राज्य में आपातकालीन सेवाओं को और अधिक आधुनिक तथा मजबूत बनाने के उद्देश्य से 90 मीटर के दो और 104 मीटर के दो एरियल लेडर प्लेटफॉर्म की खरीद करने जा रहा है। इस प्रस्तावित खरीद के संबंध में तकनीकी मापदंडों, पात्रता मानदंड, वारंटी, डिलीवरी शेड्यूल और व्यावसायिक प्रावधानों पर भारतीय व विदेशी निर्माताओं, अधिकृत प्रतिनिधियों एवं हितधारकों से सुझाव प्राप्त करने के लिए निदेशालय एक प्री–एनआईटी और मार्केट कंसल्टेशन बैठक आयोजित करने जा रहा है। यह परामर्श बैठक 11 सितंबर, 2026 को दोपहर 12ः30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसमें भाग लेने के लिए इच्छुक हितधारकों को 10 सितंबर, 2026 को शाम 05ः30 बजे तक अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण और अपने सुझाव प्रस्तुत करने के लिए आवेदक संस्था के नाम, प्रतिनिधि का नाम व पद, ईमेल आईडी और संपर्क नंबर के साथ तकनीकी ईमेल पर संपर्क कर सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह बैठक केवल आगामी टेंडर दस्तावेज को अंतिम रूप देने तथा उद्योग से सुझाव और जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से की जा रही है। यह स्वयं में कोई टेंडर, ईओआई या चयन प्रक्रिया नहीं है और न ही इसमें भाग लेने वाले किसी भी हितधारक को भविष्य की खरीद प्रक्रिया में कोई विशेष अधिकार प्रदान किया जाएगा।

आईटीआई की एससीवीटी ट्रेड्स में ऑन द स्पॉट दाखिले की तिथि 19 सितंबर तक बढ़ी

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने राज्य के सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026–27 के लिए एससीवीटी के अंतर्गत रिक्त सीटों पर 'ऑन द स्पॉट' दाखिला प्रक्रिया की अंतिम तिथि 19 सितंबर, 2026 तक बढ़ा दी है। यह दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह से संस्थान स्तर पर आयोजित की जाएगी, जिसके लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर नए ऑनलाइन आवेदन पत्र भी आमंत्रित किए जा रहे हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान स्तर पर होने वाली यह दाखिला प्रक्रिया नए और पुराने आवेदनों की संयुक्त मेरिट के आधार पर होगी तथा इसमें कोई आरक्षण लागू नहीं होगा। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थियों को 19 सितंबर, 2026 को दोपहर 12ः00 बजे तक अपना मेरिट कार्ड संबंधित संस्थान में जमा करवाना होगा। इसके पश्चात अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ संस्थान में स्वयं उपस्थित होना होगा और मौके पर ही दाखिला फीस ऑनलाइन जमा करानी होगी। अभ्यर्थी दाखिला पोर्टल से अपना मेरिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं और संस्थानवार रिक्त सीटों की संख्या भी पोर्टल पर देख सकते हैं। विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि इस एससीवीटी दाखिले के आधार पर पूर्व में एनसीवीटी में लिया गया दाखिला रद्द नहीं किया जाएगा। सत्र 2026–27 की विवरण पुस्तिका में वर्णित अन्य सभी नियम व शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

पंचकूला में आरआईएमसी देहरादून के अगले सत्र के लिए भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न : राव नरवीर सिंह

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों का ऋण कोई भी समाज या राष्ट्र कभी नहीं चुका सकता। सरकार केवल उनके और उनके परिवारों के कल्याण तथा हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं में भारतीय सेनाओं में शामिल होने का गजब का जज्बा है, चाहे वह अन्य रैंक हो या अधिकारी स्तर। श्री राव नरबीर सिंह ने बताया कि हाल ही में पंचकूला में राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय (आरआईएमसी), देहरादून के लिए भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह परीक्षा जनवरी 2027 में शुरू होने वाले सत्र के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1922 में आजादी से पहले हुई थी। स्थापना के बाद से ही यह संस्थान सैन्य नेतृत्व की नर्सरी के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बड़ी संख्या में विद्यार्थी आगे चलकर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) और भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पहुंचे हैं। राव नरबीर सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2016 में सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का गठन किया था। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2026-27 के बजट में सैनिकों के पुनर्वास और आजीविका संवर्धन के लिए हरियाणा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण निगम स्थापित करने की घोषणा की है। इसकी प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के बजट में 58.93 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 178.14 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह सरकार की सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक शहीद सैनिकों के 423 आश्रितों को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। इसके साथ ही सशस्त्र पुलिस बलों और अग्नि वीरों को दी जाने वाली एकमुश्त वीरता पुरस्कार राशि में भी वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है।

एबीवीपी–एनडीटीएफ का पीजी सुरक्षा को लेकर जागरुकता अभियान जारी

दिवंगत छात्रों को दी गई श्रद्धांजलि

दिल्ली। सत्य निकेतन हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और एनडीटीएफ की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। एबीवीपी दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

छात्र पढ़ाई के लिए घर से दूर आते हैं, ऐसे में उनके लिए सुरक्षित आवास की व्यवस्था बेहद जरूरी है। शर्मा ने कहा कि पीजी संपर्क अभियान के दौरान सामने आने वाली समस्याओं और कमियों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से उठाकर कार्रवाई कराई जाएगी। विद्यार्थियों को वेबसाइट और क्यूआर कोड के जरिए पीजी सुरक्षा सेल्फ ऑडिट के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। सभा में राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री गोविंद नायक, प्रो. गीता भट्ट, डीयू डिप्टी प्रॉक्टर प्रो. सौरभ समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

तालकटोरा स्टेडियम में बुधवार को आम आदमी पार्टी की छात्र विंग एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने सत्य निकेतन पीजी हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि दी। प्रार्थना सभा में आप प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक, पार्षद, छात्र और आम लोग शामिल हुए। दिवंगत छात्रों की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की गई। एसैप के पंकज कुमार ने केंद्र से छात्रों के लिए जल्द हॉस्टल की जमीन आवंटित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हॉस्टल बनने तक पीजी और फ्लैट में रहने वाले छात्रों का किराया सरकार वहन करे। सत्य निकेतन हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों के लिए एनएसयूआई ने डीयू के नॉर्थ कैंपस में जवाबदेही मार्च निकाला। संगठन ने छात्रों के लिए सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराने तथा हादसे के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। एनएसयूआई ने पर्याप्त व बेहतर सुविधाओं वाले हॉस्टल उपलब्ध कराने, छात्र आवास को किफायती बनाने के लिए किराया नियंत्रण कानून लागू करने और पीड़ितों व उनके परिवारों को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की। राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि यह महज हादसा नहीं, बल्कि छात्रों की सुरक्षा और शासन व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल पैठणी से सजेगी शाम

14 से 20 सितंबर तक हर शाम मराठी कला संस्कृति से रूबरू होंगे गुरुग्राम के लोग

गुरुग्राम। आगामी 14 से 20 सितंबर तक गणपति महोत्सव का आयोजन होगा। इस दौरान शहर के विभिन्न पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। लोग मराठी नाटक, गीत, व्यंजन, लोक नृत्य और शास्त्रीय नृत्य का आनंद ले सकेंगे। सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति सेक्टर-14 के कम्युनिटी सेंटर में पंडाल लगाएगी। यहां 14 सितंबर को संदीप दलाल और मिलिंद दलाल अभंग वाणी प्रस्तुत करेंगे। 15 सितंबर को महिलाओं के लिए खेल पैठणी कार्यक्रम होगा। 16 सितंबर को हिंदी नाटक राजा छत्रपति का मंचन किया जाएगा। 17 सितंबर को हास्य कवि सम्मेलन में शंभू शिखर, भुवन मोहिनी, हिमांशु बवंडर, भूपेंद्र राठौड़ और अतुल ज्वाला हिस्सा लेंगे। 18 सितंबर को मराठी नाटक दोस्ती लुटायची नाय प्रस्तुत होगा, जिसमें वागले की दुनिया के कलाकार सुमित राघवन, चिन्मयी सुमित, शुभंकर एकबोटे और अमृत विकास शामिल होंगे। 19 सितंबर को बाल उत्सव और आर्केस्ट्रा होगा, जबकि 20 सितंबर को शोभा यात्रा निकलेगी। सेक्टर-9ए स्थित गौरी शंकर मंदिर में लोकमान्य गणेशोत्सव समिति भी पंडाल लगा रही है। यहां 14 सितंबर को झांकियां और भजन संध्या होगी। 15 सितंबर को कला संगम और 16 सितंबर को बच्चों के लिए नृत्य दर्पण कार्यक्रम आयोजित होगा। 17 सितंबर को महिला सम्मेलन और 18 सितंबर को मराठी व्यंजनों का आनंद मेला लगेगा। अग्रवाल धर्मशाला में तेलुगू वेलफेयर एसोसिएशन 14 सितंबर को बीरेन डांग का गायन, 17 सितंबर को सत्या साई भजन संध्या और 18 सितंबर को भरत नाट्यम नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेगी।

सीएम मीटिंग के फैसलों के क्रियान्वयन पर हरियाणा सरकार का है खास फोकस

मुख्य सचिव द्वारा दिए गए आवश्यक निर्देश

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठकों में लिए गए निर्णयों एवं दिए गए निर्देशों का समयबद्ध और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है। इसके तहत हर निर्णय को स्पष्ट एक्शन प्वाइंट में परिवर्तित कर उसके लिए जिम्मेदार विभाग/अधिकारी, समय-सीमा और अपेक्षित परिणाम निर्धारित किए जाएंगे तथा अनुपालन की नियमित निगरानी की जाएगी। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एसओपी के अनुसार, मुख्यमंत्री की बैठकों की मिनट्स ऑफ मीटिंग (एमओएम) केवल चर्चा का विवरण न होकर निर्णय एवं कार्यवाही केंद्रित दस्तावेज होंगी। हर निर्णय को स्पष्ट, संक्षिप्त और मापनीय रूप में दर्ज किया जाएगा। जहां एक से अधिक विभागों की भूमिका होगी, वहां लीड डिपार्टमेंट/एजेंसी तथा संबंधित विभागों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाएंगी। बैठक की कार्यवाही का प्रारूप तीन कार्य दिवसों के भीतर तैयार किया जाएगा। अनुमोदित एमओएम जारी होने के बाद उसमें दर्ज सभी एक्शन प्वाइंट को दो कार्य दिवसों के भीतर सीएम मीटिंग मॉनिटरिंग पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। पोर्टल पर संबंधित विभाग, जिम्मेदार अधिकारी, समय-सीमा, लक्ष्य/माइलस्टोन, वर्तमान स्थिति, एटीआर तथा आवश्यक सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट/एविडेंस उपलब्ध करवाए जाएंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक एक्शन प्वाइंट की स्थिति को केवल सामान्य शब्दों में बताने के बजाय वस्तुनिष्ठ रूप से दर्ज किया जाएगा। इसके लिए कम्प्लीटेड (पूर्ण), इन प्रोग्रेस (प्रक्रियाधीन), ओवरड्यू (समय-सीमा से लंबित), नॉट स्टार्टेड (अभी प्रारंभ नहीं) तथा नॉट फिजिबल/इश्यू रिक्वायरिंग डिसीजन (व्यवहार्य नहीं/निर्णय अपेक्षित) जैसी श्रेणियों में स्थिति अपडेट की जाएगी। किसी कार्य को पूर्ण दर्शाने से पहले, जहां संभव हो, संबंधित आदेश, स्वीकृति, प्रगति रिपोर्ट, पोर्टल रिपोर्ट, फोटो, सांख्यिकीय आंकड़े अथवा अन्य प्रमाण भी उपलब्ध करवाने होंगे। अनुपालन की प्राथमिक एटीआर एमओएम के प्रसारण के बाद एक माह के भीतर प्रस्तुत की जाएगी। जिन कार्यों को निर्धारित अवधि में पूरा नहीं किया जा सकेगा, उनके संबंध में प्रत्येक माह अपडेटेड एटीआर प्रस्तुत करनी होगी।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई राज्य खेल प्रशासनिक समिति की हुई पहली बैठक

डिजिटल पोर्टल और टैलेंट-पाथवे से मिलेगी हरियाणा के खेल तंत्र को मजबूती

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा में खेलों को अधिक संगठित और परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। प्रदेश के पूरे खेल तंत्र को एकीकृत डिजिटल मंच से जोड़ने के लिए राज्य खेल पोर्टल स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेशभर की खेल अवसंरचना की व्यापक मैपिंग, साझा राज्य खेल कैलेंडर और जमीनी स्तर से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए टैलेंट-पाथवे फ्रेमवर्क विकसित किया जाएगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में यहां हुई राज्य खेल प्रशासनिक समिति की पहली बैठक में ये निर्णय लिए गए। बैठक में मौजूदा खेल सुविधाओं के अधिकतम उपयोग पर भी खास जोर दिया गया। स्कूल-कॉलेजों, पंचायतों और शहरी निकायों में उपलब्ध खेल सुविधाओं को साझा उपयोग व्यवस्था के तहत लाकर संस्थागत समय के बाद मान्यता प्राप्त खिलाड़ियों और खेल क्लबों को इनके उपयोग का अवसर दिया जाएगा। खेल विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी. कुमार ने बताया कि प्रस्तावित राज्य खेल पोर्टल प्रदेश के खेल तंत्र का एकीकृत डिजिटल मंच होगा। इस पर खेल सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों, प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षण शिविरों, प्रशिक्षकों, खेल उपकरणों, खिलाड़ियों तथा उनकी उपलब्धियों से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। खेल

अवसंरचना से जुड़े सभी विभाग, बोर्ड और निगम नोडल अधिकारी नामित करेंगे, जो पोर्टल पर सूचना को नियमित रूप से अपडेट रखेंगे। प्रदेशभर में खेल विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, विश्वविद्यालयों और अन्य एजेंसियों के अधीन उपलब्ध खेल सुविधाओं की व्यापक मैपिंग कर एक आधारभूत डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इससे खेल सुविधाओं में मौजूद कमियों की पहचान करने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और भविष्य की खेल अवसंरचना के विकास के लिए अधिक वैज्ञानिक योजना बनाने में मदद मिलेगी। विभिन्न विभागों एवं संस्थानों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं, टूर्नामेंटों, प्रशिक्षण शिविरों और अन्य खेल गतिविधियों को शामिल करते हुए समेकित राज्य खेल कैलेंडर तैयार किया जाएगा। इससे प्रतियोगिताओं की तिथियों में अनावश्यक टकराव से बचने, खेल सुविधाओं और संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा खिलाड़ियों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। खेल प्रतिभाओं की पहचान और उनके व्यवस्थित विकास के लिए टैलेंट-पाथवे फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा। स्कूल और पंचायत स्तर पर प्रतियोगिताओं एवं प्रतिभा पहचान से इसकी शुरुआत होगी। इसके बाद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिला और राज्य स्तर के केंद्रों के माध्यम से आगे बढ़ाते हुए आवश्यक प्रशिक्षण और सहयोग उपलब्ध करवाया जाएगा, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हो सकें। खेल विभाग के निदेशक श्री पार्थ गुप्ता ने बताया कि खिलाड़ियों को उपलब्ध करवाए जा रहे प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, पुरस्कार, खेल उपकरण, आहार तथा परिवहन एवं अन्य सहायता की अधिक समन्वित निगरानी राज्य खेल पोर्टल के माध्यम से की जा सकेगी। साथ ही, खेल अवसंरचना में सुरक्षा और मानकों के अनुपालन को भी मजबूत किया जाएगा। खेल मैदानों, स्टेडियमों, स्विमिंग पूल, जिम्नेजियम, फ्लड-लाइटिंग व्यवस्था, दर्शक दीर्घाओं और खेल उपकरणों की सुरक्षा जांच कम से कम हर छह माह में सुनिश्चित की जाएगी तथा इसकी निगरानी पोर्टल से जोड़ी जाएगी। राज्य सरकार खेलों को अधिक समावेशी और व्यापक बनाने पर भी विशेष ध्यान देगी।

संपादकीय

इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं की स्थापना से सुरक्षित होगा पर्यावरण

देश में गणेशोत्सव का दौर शुरू होने वाला है। गणेशोत्सव भगवान गणेश की आराधना का पर्व होने के साथ यह हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी उत्सव है। हर वर्ष गणेश चतुर्थी के साथ देशभर में लाखों घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ भगवान गणेश का पूजन करते हैं और उत्सव के समापन पर प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इस धार्मिक परंपरा के सामने पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हुई है। यही कारण है कि अब गणेशोत्सव को ऐसी दिशा देने की जरूरत है, जिसमें आस्था भी बनी रहे और प्रकृति की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो । गणेशोत्सव का आगाज होने वाला है और ऐसे समय में पूरे देश को एक ऐसा संकल्प लेने की जरूरत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। यह संकल्प मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना का होना चाहिए। यदि घर-घर और सार्वजनिक आयोजनों में मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दी जाए तो धार्मिक आस्था के साथ जल, मिट्टी और जलीय जीवों की रक्षा का संदेश भी मजबूत होगा। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है और आज सबसे बड़ा विघ्न प्रदूषण का बढ़ता संकट है। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा की स्थापना वास्तव में प्रकृति की रक्षा की दिशा में एक सार्थक धार्मिक पहल बन सकती है। हाल ही में धरमपुर में आयोजित इको फ्रेंडली गणेश मेकिंग वर्कशॉप ने इसी सोच को जमीन पर उतारने का सुंदर प्रयास किया। लेडी विल्सन म्यूजियम और धरमपुर नगर पालिका संचालित एसएमएसएन बाल लाइब्रेरी के संयुक्त आयोजन में बच्चों और नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाई। करीब 85 प्रतिभागियों की भागीदारी यह बताती है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और यदि बच्चों तथा नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जाए तो वे परंपरा और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकते हैं। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं देखने में आकर्षक और आसानी से तैयार होने वाली हो सकती हैं, लेकिन उनके विसर्जन के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीओपी पानी में आसानी से प्राकृतिक रूप से नहीं घुलता। इसके साथ ही कई प्रतिमाओं पर इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में मिट्टी की इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं की स्थापना से पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण का मार्ग प्रशस्त होगा।

पंजाब में पायलट साधेंगे कांग्रेस का चुनावी समीकरण

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस हाईकमान ने एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट को भूपेश बघेल की जगह पंजाब का प्रभारी बनाकर भेजा है। भूपेश बघेल को असम की जिम्मेदारी दी गई है। पंजाब में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस के पास अंदरूनी कलह सुलझाने के लिए बहुत अधिक समय नहीं है। राजस्थान में एक समय बगावत का रायता फैलाने वाले सचिन पायलट आखिर पंजाब कांग्रेस को एकजुट कैसे रख पाएंगे? यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की खुली जंग का खामियाजा कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में उठाना पड़ा था। विडंबना देखिए, उस समय पंजाब के वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी थे। अब भूमिकाएं बदल चुकी हैं। सचिन पायलट पंजाब कांग्रेस के प्रभारी बन गए हैं और रंधावा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं तथा चन्नी गुट के साथ खड़े हैं। ऐसे में पायलट के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो नेता अपने गृह प्रदेश में गुटबाजी की आग को नहीं बुझा पाया, वह पंजाब में बिखरी कांग्रेस को कैसे एकजुट करेगा? हम आपको बता दें कि कांग्रेस हाईकमान ने एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट को भूपेश बघेल की जगह पंजाब का प्रभारी बनाकर भेजा है। भूपेश बघेल को असम की जिम्मेदारी दी गई है। पंजाब में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस के पास अंदरूनी कलह सुलझाने के लिए बहुत अधिक समय नहीं है। ऐसे में 49 वर्षीय सचिन पायलट की नियुक्ति को कांग्रेस की ओर से एक बड़े राजनीतिक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन सवाल उठता है कि राजस्थान का कभी का 'बागी' क्या अब पंजाब में 'शांतिदूत' की भूमिका निभा पाएगा? देखा जाये तो सचिन पायलट का अपना राजनीतिक इतिहास इस जिम्मेदारी को और दिलचस्प बनाता है। 2014 में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने संगठन को खड़ा किया और 2018 में पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सत्ता मिलते ही अशोक गहलोत और पायलट के बीच नेतृत्व, संगठन और राजनीतिक भविष्य को लेकर संघर्ष शुरू हो गया। जुलाई 2020 में यह संघर्ष खुली बगावत में बदल गया। पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ अलग हो गए, राज्य सरकार संकट में आई और उन्हें उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। सचिन पायलट ने तब भाजपा में जाने से साफ इंकार किया था और कहा था कि उनकी लड़ाई कांग्रेस से नहीं, बल्कि गहलोत से है। वह कांग्रेस में रहे, लेकिन गहलोत-पायलट की प्रतिद्वंद्विता वर्षों तक पार्टी के लिए सिरदर्द बनी रही। बाद में सार्वजनिक तौर पर रिश्तों में नरमी दिखाई गई। 2025 में गहलोत ने यहां तक कहा कि हम कब अलग थे? लेकिन राजनीतिक इतिहास इतनी आसानी से मिटता नहीं। पायलट और गहलोत के बीच मतभेद खत्म होने के दावे के बावजूद समय-समय पर दोनों खेमों की दूरियां सामने आती रही हैं। यही नहीं, 2028 में होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले गहलोत-पायलट की प्रतिस्पर्धा फिर तेज हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जिस नेता ने अपने ही प्रदेश में मजबूत राजनीतिक गुट खड़ा किया और गुटबाजी को हवा दी, वह दूसरे प्रदेश में गुटबाजी खत्म करने का कौन-सा सफल फार्मूला अपनाएगा? हालांकि पंजाब में पायलट के अनुभव का दूसरा पहलू भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वयं देखा है कि अनसुलझी नेतृत्व की लड़ाई किसी राज्य इकाई को कितना नुकसान पहुंचा सकती है। शायद इसी अनुभव के कारण हाईकमान उन्हें एक 'ऑर्गेनाइजेशनल फिक्सर' के तौर पर आजमा रहा है। उधर, पंजाब कांग्रेस में संकट गंभीर है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व वाला एक गुट राजा वारिंग को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग करता रहा है। हाईकमान ने जुलाई में वारिंग को पद पर बनाए रखा और चन्नी को चुनाव अभियान समिति की कमान दी, लेकिन इससे असंतोष खत्म नहीं हुआ। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं बताए जाते। सुखजिंदर सिंह रंधावा और विजय इंदर सिंगला जैसे नेता भी वारिंग विरोधी खेमे में रहे हैं। भूपेश बघेल इस खींचतान को खत्म नहीं कर पाए। उन पर वारिंग के ज्यादा करीब होने और निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने के आरोप लगे। उनके खिलाफ पंजाब के कुछ इलाकों में पोस्टर तक लगाए गए। अब पायलट की नियुक्ति को वारिंग विरोधी नेताओं को संतुष्ट करने की कोशिश माना जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि वारिंग, चन्नी और रंधावा, सभी ने पायलट की नियुक्ति का स्वागत किया है। लेकिन असली परीक्षा स्वागत संदेशों से नहीं होगी। सवाल यह है कि क्या चन्नी वारिंग को हटाने की मांग छोड़ेंगे? क्या बाजवा, रंधावा और अन्य वरिष्ठ नेता एक मंच पर वास्तविक रूप से साथ आएंगे? इसके साथ ही राहुल गांधी का प्रस्तावित पंजाब बस दौरा, सचिन पायलट की पहली बड़ी परीक्षा हो सकता है। पायलट को केवल नेताओं की बैठकें नहीं करानी होंगी। उन्हें गुटों के बीच भरोसा पैदा करना होगा, टिकट वितरण को नए संघर्ष का कारण बनने से रोकना होगा और महत्वाकांक्षी नेताओं को समझाना होगा कि एक-दूसरे को कमजोर करने से अधिक नुकसान कांग्रेस का होगा।

जीडीपी के आंकड़ों को समझने की है जरूरत

नजरिया

नई 2022-23 नेशनल अकाउंट्स सीरीज केवल कीमतों की नई सूची नहीं है। यह पूरी सांख्यिकीय प्रणाली का नवीनीकरण है। इसमें नए एंटरप्राइज सर्वे और जीएसटी डेटा, कंपनियों तथा सरकार के अधिक संपूर्ण खाते, बदली हुई वर्गीकरण प्रणाली, ज्यादा व्यापक कवरेज, नए इनपुट रेशियो, दोहरी गिनती हटाने के सुधार और तिमाहियों के बीच गतिविधि के बेहतर बंटवारे को शामिल किया गया है। असंगठित क्षेत्र के कुछ हिस्सों के लिए वार्षिक एएसयूएसई और पीएलएफएस डेटा का अधिक उपयोग किया गया है। एक से अधिक गतिविधियां करने वाली कंपनियों के आकलन, निर्माण क्षेत्र के रेशियो और वित्तीय क्षेत्र की कवरेज को भी सुधारा गया है। इसके साथ नए आइआइपी, प्रोड्यूसर प्राइस और बैंकिंग सर्विसेज इंडेक्स जोड़े गए हैं। इन बदलावों से मौजूदा कीमतों पर भी वैल्यू एडेड का अनुमान बदल सकता है। आसान शब्दों में, वैल्यू एडेड वह मूल्य है, जो उत्पादन में इस्तेमाल हुई वस्तुओं और सेवाओं की लागत घटाने के बाद बचता है।

प्रो. गौरव वल्लभ

पिछले कुछ दिनों से भारत के ताजा जीडीपी आंकड़ों को लेकर एक अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है। 2011-12 सीरीज के तहत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही का नॉमिनल जीडीपी पहले 86.05 लाख करोड़ रुपए बताया गया था। नई 2022-23 सीरीज में उसी तिमाही का अनुमान 80.00 लाख करोड़ रुपए है। सवाल उठाया गया कि 6.05 लाख करोड़ रुपए आखिर गए कहां? इसके बाद नई सीरीज में वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के 88.27 लाख करोड़ रुपए की तुलना पुरानी सीरीज के 86.05 लाख करोड़ रुपए से करके नॉमिनल वृद्धि केवल 2.6 प्रतिशत बताई गई, जबकि सही नॉमिनल जीडीपी वृद्धि 10.3 प्रतिशत है। यह दावा सुनने में चौंकाने वाला जरूर है, पर सांख्यिकी और अर्थशास्त्र के सिद्धान्तों के अनुसार गलत है, क्योंकि इसमें दो अलग माप प्रणालियों को मिला दिया गया है। दो अलग पैमानों से निकले आंकड़ों को सीधे जोड़कर सही वृद्धि दर नहीं निकाली जा सकती। यहां पहला वाजिब सवाल है कि क्या बेस ईयर को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने पर नॉमिनल जीडीपी बदल सकती है? उत्तर हां, लेकिन केवल इसलिए नहीं कि सांख्यिकीविदें ने कीमतों का एक सेट हटाकर दूसरा लगा दिया है। नॉमिनल जीडीपी यानी मौजूदा कीमतों पर जीडीपी में उत्पादन का मूल्य उसी तिमाही में चल रही कीमतों पर लगाया जाता है। बेस ईयर की कीमतें सीधे रियल जीडीपी में काम आती हैं, जहां कीमतों को स्थिर रखकर यह देखा जाता है कि वस्तुओं और सेवाओं के वास्तविक उत्पादन में कितना बदलाव आया। नई 2022-23 नेशनल अकाउंट्स सीरीज केवल कीमतों की नई सूची नहीं है। यह पूरी सांख्यिकीय प्रणाली का नवीनीकरण है। इसमें नए एंटरप्राइज सर्वे और जीएसटी डेटा, कंपनियों तथा सरकार के अधिक संपूर्ण खाते, बदली हुई वर्गीकरण प्रणाली, ज्यादा व्यापक कवरेज, नए इनपुट रेशियो, दोहरी गिनती हटाने के सुधार और तिमाहियों के बीच गतिविधि के बेहतर बंटवारे को शामिल किया गया है। असंगठित क्षेत्र के कुछ हिस्सों के लिए वार्षिक एएसयूएसई और पीएलएफएस डेटा का अधिक उपयोग किया गया है।

एक से अधिक गतिविधियां करने वाली कंपनियों के आकलन, निर्माण क्षेत्र के रेशियो और वित्तीय क्षेत्र की कवरेज को भी सुधारा गया है। इसके साथ नए आइआइपी, प्रोड्यूसर प्राइस और बैंकिंग सर्विसेज इंडेक्स जोड़े गए हैं। इन बदलावों से मौजूदा कीमतों पर भी वैल्यू एडेड का अनुमान बदल सकता है। आसान शब्दों में, वैल्यू एडेड वह मूल्य है, जो उत्पादन में इस्तेमाल हुई वस्तुओं और सेवाओं की लागत घटाने के बाद बचता है। इसलिए यह कहना गलत है कि नई बेस ईयर सीरीज आने पर नॉमिनल जीडीपी बदल ही नहीं सकता। केवल बेस ईयर की कीमत बदलने से मौजूदा कीमतों पर जीडीपी नहीं बदलता, लेकिन डेटा के स्रोत, कवरेज और गणना के तरीके बदलने से वह अवश्य बदल सकता है। एक आसान उदाहरण से इसे समझें। मान लीजिए कि किसी पहली तिमाही का नॉमिनल जीडीपी पहले एक हजार करोड़ रुपए आंका गया। नए जीएसटी रिकॉर्ड और सर्वे से छोटे कारोबारों का वैल्यू एडेड 15 करोड़ रुपए कम निकला। पूरी कंपनी फाइलिंग मिलने पर 10 करोड़ और अंतिम सरकारी खातों के आधार पर 5 करोड़ रुपए और घटे। दूसरी ओर, व्यापक कवरेज से पहले दर्ज न हुई आर्थिक गतिविधि के 20 करोड़ रुपए जुड़ गए। दोहरी गिनती हटाने से 25 करोड़ रुपए घटे। नए इनपुट रेशियो से पता चला कि उत्पादन में बीच की वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग पहले से 20 करोड़ रुपए अधिक था, इसलिए इतना ही वैल्यू एडेड घटा। बेहतर तिमाही बेंचमार्किंग से 15 करोड़ रुपए की गतिविधि बाद की तिमाहियों में चली गई। इस तरह नया अनुमान 930 करोड़ रुपए रह गया। यानी 70 करोड़ रुपए या सात प्रतिशत की कमी। अर्थव्यवस्था से कुछ भी गायब नहीं हुआ। उसी तिमाही को अधिक संपूर्ण रिकॉर्ड, व्यापक कवरेज और बेहतर तरीके से फिर से मापा गया। यह उदाहरण केवल प्रक्रिया समझाता है। यह भारत के वास्तविक 6.05 लाख करोड़ रुपए के संशोधन का मदवार ब्यौरा नहीं है।

आधिकारिक क्रम स्पष्ट है। पुरानी सीरीज में अगस्त 2025 में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही का नॉमिनल जीडीपी 86.05 लाख करोड़ रुपए आंका गया था। नई सीरीज ने फरवरी 2026 में इसे 80.32 लाख करोड़, जून 2026 में 80.44 लाख करोड़ और नवीनतम आइआइपी, प्रोड्यूसर प्राइस तथा प्रशासनिक डेटा जोडने के बाद अगस्त 2026 में 80.00 लाख करोड़ रुपए आंका। इस बदलाव का अधिकांश हिस्सा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के आंकड़े जारी होने से कई महीने पहले हो चुका था। ये अलग-अलग समय पर उपलब्ध बेहतर डेटा पर आधारित क्रमिक सांख्यिकीय अनुमान हैं, गायब हुई कोई रकम नहीं।

86.05 लाख करोड़ रुपए से 80.00 लाख करोड़ रुपए पर आने का अर्थ 7.03 प्रतिशत का नीचे की ओर संशोधन है। क्या इतना बड़ा बदलाव पहले कभी नहीं हुआ, या फिर यह मामूली और नियमित प्रक्रिया है? सही उत्तर इन दोनों के बीच है। यह सामान्य तिमाही संशोधन नहीं है, लेकिन जब भारत में व्यापक नई जीडीपी सीरीज लागू हुई हैं, तब इससे मिलते जुलते या इससे भी बड़े बदलाव पहले हो चुके हैं। जब 1993-94 सीरीज ने 1980-81 सीरीज की जगह ली, तब 1993-94 के लिए फैक्टर कॉस्ट पर जीडीपी 7,32,874 करोड़ रुपए से बढ़कर 7,99,077 करोड़ रुपए हो गया। यह 9.03 प्रतिशत की वृद्धि थी, जिसका बड़ा कारण निजी उपभोग की बेहतर कवरेज था। फैक्टर कॉस्ट की यह अवधारणा आज के बाजार मूल्य पर मुख्य जीडीपी आंकड़े से अलग है, लेकिन माप से जुड़ा सबक साफ है। जब 2004-05 सीरीज ने 1999-2000 सीरीज की जगह ली, तब वित्त वर्ष 2008-09 की पहली तिमाही का बाजार मूल्य पर नॉमिनल जीडीपी करीब 12.35 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 13.33 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह 7.94 प्रतिशत का संशोधन था, जो आज के 7.03 प्रतिशत बदलाव के करीब है, हालांकि तब संशोधन ऊपर की ओर हुआ था। लेकिन संशोधन हमेशा जीडीपी को बढ़ाते नहीं हैं। 2011-12 सीरीज लागू होने के समय 2011-12 का नॉमिनल जीडीपी 90.10 लाख करोड़ रुपए से घटकर 87.36 लाख करोड़ रुपए रह गया था, यानी लगभग तीन प्रतिशत की कमी। नई सीरीज अनुमान को ऊपर या नीचे, किसी भी दिशा में ले जा सकती है। नतीजा उपलब्ध डेटा, कवरेज और गणना की पद्धति पर निर्भर करता है। अब इस दावे को अर्थव्यवस्था की जमीनी तस्वीर से भी परखना चाहिए। क्या व्यापक अर्थव्यवस्था उस लगभग ठहराव जैसी दिखती है, जिसका संकेत 2.6 प्रतिशत की गलत गणना देती है? नहीं। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सीमेंट उत्पादन 8.9 प्रतिशत बढ़ा। बुनियादी ढांचा और निर्माण वस्तुओं का आईआईपी 7.2 प्रतिशत, बिजली आईआईपी 9.3 प्रतिशत तथा कैपिटल गुड्स उत्पादन 15.2 प्रतिशत बढ़ा। कमर्शियल वाहनों की बिक्री 18.3 प्रतिशत, माल ढुलाई वाले वाहनों का रजिस्ट्रेशन 20.1 प्रतिशत, तैयार इस्पात की खपत 8.3 प्रतिशत और प्रमुख बंदरगाहों पर कार्गो 6.2 प्रतिशत बढ़ा। ये लगभग शून्य रियल ग्रोथ के संकेत नहीं हैं। इनमें से कई इंडिकेटर तिमाही जीडीपी की गणना में भी इस्तेमाल होते हैं, इसलिए इन्हें पूरी तरह स्वतंत्र प्रमाण नहीं कहा जा सकता। फिर भी समग्र तस्वीर ठहराव की नहीं, विस्तार की है।अंत में तीन बातों को अलग रखना जरूरी है- अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन, माप की गुणवत्ता और गणना का तर्क। रोजगार की गुणवत्ता, वेतन, निवेश और अलग अलग क्षेत्रों में असमान वृद्धि पर सवाल उठाना पूरी तरह उचित और आवश्यक है। लेकिन दो असंगत सीरीज को मिलाकर वृद्धि दर नहीं निकाली जा सकती। नवीनतम और समान सीरीज के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में नॉमिनल जीडीपी वृद्धि 10.3 प्रतिशत और रियल जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही।

नई पीढ़ी को सक्षम बनाने की है दरकार

जीएन वाजपेयी

नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर युवा आंदोलनकारियों के धरना-प्रदर्शन और शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार ने जेन-जी को ध्यान में रखते हुए एक के बाद एक कई निर्णय लिए हैं। अगर इन फैसलों पर सही से अमल हो सका तो इस पीढ़ी की तमाम चिंताएं दूर हो सकती हैं। इस दिशा में तत्परता से काम भी शुरू हो चुका है। इसी के साथ इस विरोध-प्रदर्शन में निहित संदेश को समझने के लिए यह पड़ताल करना भी उतना ही आवश्यक है कि किसी प्रायोजक या सुनियोजित एवं संगठित समर्थन के बिना इतनी भारी भीड़ आखिर स्वतः स्फूर्त ढंग से क्यों उमड़ पड़ी? जेन-जी न केवल देश की एक बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है, बल्कि यह पीढ़ी देश की नई आकांक्षाओं का प्रतीक भी है। जेन-जी का बचपन और जवानी इंटरनेट, स्मार्टफोन और इंटरनेट मीडिया के साए में गुजरी है। इनके लिए आभासी और वास्तविक दुनिया के बीच की दीवार बनावटी और बेमानी है। सूचनाओं तक तात्कालिक पहुंच के बल पर यह पीढ़ी दुनिया भर में संबंध जोड़ सकती है, ज्ञान हासिल कर सकती है, स्टार्टअप शुरू कर सकती है और मुख्यधारा के मीडिया या पारंपरिक तंत्र की के बिना भी अपनी बात को राष्ट्रीय मंच पर रख सकती है। जंतर-मंतर का वह जमावड़ा इसी ताकत का प्रत्यक्ष प्रमाण रहा। इन पहलुओं ने एक ऐसी पीढ़ी को आकार दिया है, जो व्यक्तिगत पहचान, प्रामाणिकता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समावेशिता को सर्वोपरि मानती है।

जेन-जी पीढ़ी किसी सत्ता या व्यवस्था को महज इसलिए स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि वह पारंपरिक रूप से चली आ रही है। वह सीधे सवाल करती है कि पुरानी व्यवस्थाएं बदस्तूर क्यों बनी रहें, क्या स्थापित संस्थाएं उनकी आवाज सुन भी रही हैं और क्या मौजूदा तंत्र उन्हें न्यायसंगत एवं समान अवसर उपलब्ध करा पा रहा है? इनकी आकांक्षाएं पिछली पीढ़ियों की तुलना में बुनियादी रूप से भिन्न हैं, जिनके लिए एक सुरक्षित और स्थिर करियर ही जीवन का वास्तविक एवं अंतिम ध्येय हुआ करता था। पुरानी पीढ़ी की तुलना में वे कोई अर्थपूर्ण अथवा रुचि का काम चाहते हैं। ऐसा काम, जिसमें न केवल आर्थिक आजादी, बल्कि अपनी शर्तों पर काम की सहूलियत के साथ ही कुछ नया रचने की छूट और आत्मविकास की गुंजाइश हो। स्टार्टअप, फ्रीलांसिंग, डिजिटल प्लेटफार्म, कंटेंट क्रिएशन और आधुनिक तकनीकी पेशों ने रोजगार को लेकर उनके सोच के क्षितिज को और व्यापक स्वरूप प्रदान किया है। हालांकि इस सिक्के का दूसरा पहलू उतना ही स्याह है और वह यह कि उत्कृष्ट शिक्षा और ढंग की नौकरियों के लिए आज भी इन्हें बेहद कड़े संघर्ष और प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। शैक्षिक डिग्रियों और आर्थिक अवसरों के बीच बढ़ता अंतर युवाओं में भारी हताशा पैदा कर सकता है। जेन-जी युवा संभवतः सरकारी नौकरियों के अभाव को स्वीकार कर भी ले, किंतु वह पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, योग्यता-आधारित चयन, भरोसेमंद बुनियादी ढांचा और ऐसे संस्थान अवश्य चाहता है, जो नागरिकों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करें। वस्तुतः, उनकी सबसे मूल आकांक्षा आत्मसम्मान और गरिमा से जुड़ी है। यदि पुरानी पीढ़ी ने इंटरनेट के नए सबक सीखे तो जेन-जी एआइ के दौर में पलने वाली पहली पीढ़ी है। एआइ इनके पठन-पाठन, सृजन, संवाद और सवालों के हल का सबसे बड़ा जरिया बनेगी। एक ऐसे डिजिटल मार्गदर्शक के बूते यह पीढ़ी नई भाषाएं और कला-कौशल सीखेगी। दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर एक-दूसरे के साथ सहजता से मिलकर काम कर सकेगी। संभावनाओं के इस अपार संसार में उन पर एक भारी नैतिक दायित्व भी होगा। स्पष्ट है कि भविष्य में में मशीनी दक्षता से कहीं ज्यादा अहमियत मानवीय फैसलों, संवेदना, सृजनशीलता, नैतिक मूल्यों, नेतृत्व-कौशल और सच तथा गढ़े गए झूठ के बारीक फर्क को पकड़ने वाली क्षमताओं की होगी।

भारत की युवा आबादी देश की ताकत तभी बन सकती है, जब इस पीढ़ी को हुनर, रोजगार, आत्मसम्मान, अपनी बात कहने का मंच और एक बेहतर भविष्य का भरोसा मिले। इसके लिए शिक्षा को रटने की परिपाटी से मुक्त कर रचनात्मक विवेक, प्रयोगधर्मिता और समस्याओं के व्यावहारिक समाधान की ओर मोड़ना होगा। साथ ही तकनीकी एवं व्यावसायिक पठन-पाठन का उद्योगों से सीधा तालमेल बैठाना, युवाओं को बाजार की मांग के अनुरूप तैयार करना और स्टार्टअप एवं नए अनुसंधानों के दरवाजे हर तबके के लिए खोलना अपरिहार्य होगा। भारत को एआइ से लैस ऐसे कुशल कार्यबल को तैयार करना होगा जो मशीनों से महज प्रतिस्पर्धा के बजाय उनके साथ मिलकर उत्पादकता और सृजनशीलता से काम करने की सामर्थ्य विकसित कर सके। इसके साथ ही, युवाओं में मानसिक दृढ़ता, शारीरिक तंदुरुस्ती, खेलकूद, सांस्कृतिक अभिरुचि और जीवंत एवं गतिशील सामुदायिक जीवन को बढ़ावा देने पर भी पहले से कहीं अधिक बल देना होगा। सबसे अहम बात यह है कि सरकार को इन युवाओं की आवाज को संवेदनशीलता से सुनना होगा और समयानुकूल समुचित कदम उठाने होंगे। डिजिटल कनेक्टिविटी के इस दौर में सुस्त और अपारदर्शी लालफीताशाही वाली प्रक्रियाओं के प्रति इस पीढ़ी का असंतोष एवं असहिष्णुता और तीखा होता जाएगा। अतः नागरिक विमर्श और विधायी संस्थाओं में उनकी सार्थक और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना निरंतर रूप से आवश्यक होगा। भले ही पीएम मोदी ने सांसदों-विधायकों को नई पीढ़ी से जुड़ने की एक कवायद सौंप दी हो, लेकिन महज बातों पर सुनवाई उनके मनोभावों और आकांक्षाओं की पूर्ति नहीं कर सकती। समय आ गया है कि संसद और विधानसभाओं में नौजवानों को अपनी बात रखने की असली जगह मिलनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि पुराने नेतृत्व को एकाएक दरकिनार कर दिया जाए। शासन-प्रशासन में अनुभव, समझ और संयम का महत्व तो सदैव रहेगा, मगर भारत के भविष्य को गढ़ने में भावी पीढ़ी की भूमिका तय होनी ही चाहिए।

देशों के आपसी सहयोग का आधार बनेगा सम्मेलन

अजय मल्होत्रा

नई दिल्ली में 12 से 13 सितंबर के बीच ब्रिक्स का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। इस साल अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मना रहे इस संगठन की यह शिखर बैठक उस कसौटी को निर्धारित करेगी कि तमाम भिन्नताओं के बावजूद यह मंच सदस्य देशों के बीच जमीनी सहयोग और व्यावहारिक समन्वय का माध्यम बन पाया है या नहीं? न्यूयार्क में 20 सितंबर, 2006 को संयुक्त राष्ट्र की बैठकों के बीच स्थापना के दौरान भले ही इसे लेकर बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं थीं, लेकिन एक नई शुरुआत का रोमांच साफ महसूस हो रहा था। तब से लेकर अब तक इस संगठन का निरंतर विस्तारित हो रहा दायरा वास्तव में चकित करने वाला है। विश्व की लगभग आधी-आबादी और जीडीपी में करीब 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ ब्रिक्स एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन बन चुका है। हालांकि, इसके सदस्य देशों के बीच न तो कोई साझा भू-राजनीतिक एजेंडा है और न ही मौद्रिक या सुरक्षा से जुड़ा कोई एकीकृत दृष्टिकोण। यहां भारत और चीन की प्रतिद्वंद्विता के बीच उनका सहयोग भी जारी है। जबकि ईरान, सऊदी अरब और यूएई भी अपनी गहरी क्षेत्रीय रंजिशों के बावजूद ब्रिक्स के मंच पर साथ आते हैं। यह आंतरिक विविधता ब्रिक्स को किसी अड़ियल संगठन बनने से रोकने के साथ ही उसे एक लचीले मंच के रूप में और अधिक मजबूती भी प्रदान करती है। ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत ने देश के 30 शहरों में 35 अलग-अलग मुद्दों पर 350 से अधिक बैठकें आयोजित कीं। इस क्रम में संपूर्ण भारत के साझा संकल्प की झलक दिखाई दी, जिसमें केंद्र से लेकर राज्यों की सरकारें, उद्योग, शोध संस्थान और समाज का हर वर्ग साथ खड़ा दिखा। इनमें कागजी घोषणाओं पर जोर के बजाय ठोस नतीजों को प्राथमिकता दी गई। बैठकों का यह व्यापक दायरा यही दर्शाता है कि भारत ने नए सदस्यों से लैस ब्रिक्स को कहीं अधिक एकजुट, कार्यकुशल और असरदार बनाने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

भारत की अध्यक्षता का मूल मंत्र सक्षमता, नवाचार, परस्पर तालमेल और टिकाऊ भविष्य पर केंद्रित है। यह प्रधानमंत्री मोदी के मानवता सर्वोपरि की जन-केंद्रित सोच का ही प्रतिबिंब है। इस दौरान भारत ने लाजिस्टिक्स नेटवर्क, बैट्री एवं ऊर्जा स्टोरेज, नए उद्यमों के लिए पूंजी, छोटे उद्योगों की वैश्विक पहुंच, आसान कस्टम प्रक्रिया और जलवायु संकट से निपटने के उपायों पर कार्य को आगे बढ़ाया है। साथ ही, आयुष एवं पारंपरिक चिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य को ब्रिक्स के विमर्श में शामिल कर भारत ने इस मंच को पारंपरिक आर्थिक सहयोग के एजेंडे से इतर नया आयाम प्रदान किया है। इस शिखर सम्मेलन के दौरान स्वाभाविक रूप से सबका ध्यान डालर से इतर विकल्पों पर जाएगा। यह चर्चा किसी मुद्रा के वर्चस्व को समाप्त या सीमित करने से अधिक उस पर निर्भरता घटाने की अधिक है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ के अनुसार विश्व के विदेशी मुद्रा भंडार में डालर का हिस्सा 1999 के 72 प्रतिशत से घटकर 2026 की शुरुआत में 57.1 प्रतिशत रह गया है। इसके बावजूद डालर के रुतबे पर संदेह नहीं, क्योंकि उसकी जैसी साख, बाजार विस्तार और बेहिसाब नकदी किसी और मुद्रा के पास नहीं है। चीनी युआन पर अब भी बंदिशें हैं और ब्रिक्स की साझा मुद्रा बनाने के लिए जिस आर्थिक सहमति और संप्रभुता के समझौते की जरूरत है, उसके लिए कोई देश तैयार नहीं। इसलिए व्यावहारिक रास्ता यही निकाला जा रहा है कि चुनिंदा द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं का उपयोग हो, डिजिटल पेमेंट सिस्टम आपस में जुड़ें और स्थानीय स्तर पर कर्ज एवं वित्तीय संसाधन जुटाए जाएं। टैरिफ के जरिये व्यापारिक प्रतिबंधों के विरोध में भी ब्रिक्स देश एकमत हैं। असल में टैरिफ को लेकर मनमानेपन के बीच प्रभावित देश अपने व्यापार, भुगतान प्रणाली और आपूर्ति श्रृंखलाओं को किसी एक बाजार पर निर्भर बनाए रखने के बजाय उसके विविधीकरण पर अधिक ध्यान देते हैं।

गंगा की सहायक नदियों में होगी फ्लड प्लेन जोनिंग

सक्रिय बाढ़ क्षेत्र, नियामक क्षेत्र और चेतावनी क्षेत्र का किया जाएगा सीमांकन

प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला आज

समय जगत , ललितपुर। गंगा नदी एवं उसकी सहायक नदियों के किनारे बाढ़ से बचाव और नदी तंत्र के संरक्षण को लेकर फ्लड प्लेन जोनिंग की प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसके तहत सक्रिय बाढ़ क्षेत्र, नियामक क्षेत्र एवं चेतावनी क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से सीमांकन किया जाएगा। यह जानकारी जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला गंगा समिति, पर्यावरण समिति, वृक्षारोपण समिति एवं जिला आर्द्रभूमि समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। बैठक का संचालन डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य ने किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में गंगा नदी एवं उसकी सहायक नदियों के किनारे फ्लड प्लेन जोनिंग लागू करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसके अंतर्गत बाढ़ संभावित क्षेत्रों को वैज्ञानिक आधार पर चिन्हित किया जाएगा। सक्रिय बाढ़ क्षेत्र, नियामक क्षेत्र और चेतावनी क्षेत्र का निर्धारण नदी के बाढ़ व्यवहार, बाढ़ की आवृत्ति तथा उपलब्ध वैज्ञानिक एवं हाइड्रोलॉजिकल आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा। इससे बाढ़ संभावित क्षेत्रों में नियोजन एवं निर्माण गतिविधियों को व्यवस्थित करने तथा बाढ़ के जोखिम को कम करने में मदद मिलेगी। बैठक में जनपद में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि 11 सितंबर को जिला गंगा समिति के तत्वावधान में कृषि विभाग के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व एवं इसके लाभों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही जल एवं पर्यावरण संरक्षण में प्राकृतिक खेती की भूमिका के प्रति किसानों को जागरूक किया जाएगा। जिला आर्द्रभूमि समिति की बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर स्थित आर्द्रभूमियों एवं तालाबों के संरक्षण को लेकर भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायतों में गठित ग्राम आर्द्रभूमि समितियों द्वारा संबंधित ग्राम पंचायतों में स्थित आर्द्रभूमियों एवं तालाबों के संरक्षण के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। इस कार्ययोजना को ग्राम पंचायत विकास योजना में सम्मिलित किया जाए, ताकि जलस्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया जा सके। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, गंगा एवं उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, जलस्रोतों के संरक्षण तथा संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त श्रम रोजगार रमेश यादव, डीपीआरओ कुंवर सिंह, सीएमओ डा.वीरेंद्र सिंह, डीआईओएस ओम प्रकाश, ईओ नगर पालिका दिनेश विश्वकर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग मुकेश कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) संजीव मौर्य, उप कृषि निदेशक अख्तर हुसैन, बुंदेलखंड सेवा संस्थान के सचिव बासुदेव सिंह, परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे, जेआरएफविवेक कुशवाहा, अजय पाखरे सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नवागत कमिश्नर ने पदभार किया ग्रहण

समय जगत, सागर । नवागत कमिश्नर सागर संभाग श्री दिलीप कुमार ने कमिश्नर कार्यालय में पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पहले श्री कुमार आयुक्त उद्योग मध्यप्रदेश भोपाल तथा प्रबंध संचालक लघु उद्योग निगम मध्य प्रदेश भोपाल, (अतिरिक्त प्रभार) की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पूर्व कमिश्नर श्री अनिल सुचारी ने अपना पदभार नवागत कमिश्नर श्री कुमार को सौंप दिया है कमिश्नर श्री कुमार ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात कार्यालय में अधिकारियों से भेंट की और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा है कि किसी भी व्यक्ति को शासन की योजनाओं से संबंधित कोई समस्या हो तो प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार को कार्यालयीन समय में संपर्क सकते हैं।

श्रीमती सपना सेन ने किया जिला आपूर्ति अधिकारी का पदभार ग्रहण

समय जगत, निवाड़ी । सहायक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सपना सेन ने आज निवाड़ी जिले के जिला आपूर्ति अधिकारी के रूप में आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। कार्यालय पहुँचने पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, नवनियुक्त जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सपना सेन द्वारा स्पष्ट किया गया कि सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाना है एवं राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निवारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री अमित अहिरवार, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, शुभम गिरी, सहायक वर्ग 03, महेश प्रजापति, सीमा मांझी एवं जितेंद्र अहिरवार सहित संबंधित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जाए : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की वर्चुअल सहभागिता

समय जगत, निवाड़ी । बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर निवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने किसानों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कृषि विकास, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने किसानों से संवाद कर उनकी बात सुनी और कृषि से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है तथा किसानों को उन्नत तकनीक, बेहतर सुविधाएं और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे दुग्ध उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फील्ड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी किसान इस बलराम कृषि महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से पूरे वर्ष किसानों के हित में निरंतर कार्य किया जाए। किसानों की आय बढ़ाना और खेती को अधिक लाभकारी बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र और वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग बढ़ाने से किसानों को उत्पादन एवं आय में वृद्धि का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन तकनीकों और बेहतर कृषि उत्पादन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीजों के साथ-साथ आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि खेती की लागत कम हो और उत्पादन में वृद्धि हो।

उन्होंने कहा कि सरकार परंपरागत कृषि पद्धतियों के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर किसान कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर सकते हैं। सरकार का प्रयास है कि कृषि को केवल जीविकोपार्जन का साधन न मानकर इसे किसानों के लिए लाभ का व्यवसाय बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को सिंचाई और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ कृषि क्षेत्र में आवश्यक अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी है और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है।डॉ. यादव ने युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों को आगे बढ़ाने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के साथ-साथ पशुपालन, पर्यटन और अन्य रोजगारपरक गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। गौशाला एवं पशुपालन से संबंधित योजनाओं के माध्यम से भी ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की कि वे कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तथा प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज और आधुनिक कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और किसानों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों के हित में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण की सुविधा दी जा रही है। खरीफएवं रबी फसलों के लिए ऋण चुकाने की अवधि 6-6 माह निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब एक वर्ष कर दिया गया है। अब किसान जिस दिन ऋण लेगा, उस दिनांक से एक वर्ष की अवधि में ऋण चुका सकेगा। इससे किसानों को बार-बार बैंक की लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हितों के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में ढाई करोड़ किसानों को सब्सिडी पर बीज उपलब्ध कराया गया है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जाए।

कार्यक्रम में अध्यक्ष अपेक्स बैंक भोपाल श्री महेंद्र सिंह यादव, प्रदेश प्रभारी बलराम कृषि महोत्सव श्री कपिल दार्दे और विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन, सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश पटेरिया, कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, पुलिस अधीक्षक डॉ राय सिंह नरवरिया द्वारा अन्य अतिथियों की उपस्थिति में देवेन्द्रपुरा निवासी कृषक श्री उदयभान कुशवाहा को संरक्षित खेती, पठाराम के कृषक श्री सतीश बंशकार को औषधिय खेती, तरीचर कलां के कृषक श्री सुरेश कुमार साहू को निजी कस्टम हायरिंग केंद्र, मड़िया खास के श्री कुलदीप सिंह दांगी को ई कृषि यंत्र अनुदान, टीला के कृषक श्री अरविंद घोष को डेयरी प्लस, सुजानपुरा के कृषक श्री सुरेन्द्र कुमार यादव को गौ-मैत्री योजना, चचावली के कृषक श्री लालाराम सूत्रकार को प्राकृतिक खेती एवं थौना निवासी श्री कैलाश नारायण केवट को मत्स्य बीज उत्पादन के लिये सम्मानित किया गया। साथ ही शासकीय कन्या उ. मा. वि निवाड़ी की छात्रा कु. शिवानी कुशवाहा ने कक्षा 10वीं परीक्षा में प्रदेश की प्रवीण सूची में 9वां स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया एवं जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री नंदकिशोर नापित, श्री पुष्पेंद्र प्रजापति एवं अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री रोहन सक्सेना, एसडीएम श्री अशोक कुमार सेन, उपसंचालक कृषि विभाग श्री हरीश मालवीय, श्री भरत राजवंशी एवं संबंधित अधिकारी तथा बड़ी संख्या कृषक उपस्थित रहे।

सड़क, नाली, पानी और स्ट्रीट लाइट की समस्याओं से जूझ रहे लोग

नई बस्ती स्टेशन रोड की खुली नाली बनी हादसे का खतरा

नागरिकों ने डीएम से स्थायी समाधान की मांग की

समय जगत, ललितपुर। नगर क्षेत्र के सदनशाह वार्ड नंबर 11 एवं नई बस्ती स्टेशन रोड के नागरिकों ने क्षेत्र में व्याप्त मूलभूत नागरिक समस्याओं के समाधान को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। आइडियल यूथ ऑर्गनाइजेशन के जिलाध्यक्ष वसीम असर के नेतृत्व में दिए गए प्रार्थना पत्र में स्थानीय लोगों ने सड़क, नाली, जल निकासी, सफाई, स्ट्रीट लाइट और पेयजल से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

नागरिकों ने बताया कि वार्ड की कई आंतरिक सड़कें जर्जर स्थिति में हैं, जबकि नालियों की समुचित सफाई और मरम्मत नहीं होने के कारण जल निकासी की समस्या बनी रहती है। बारिश के दौरान जलभराव से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों ने नालियों की नियमित सफाई कराने के साथ ही प्रतिदिन कूड़ा उठाने की व्यवस्था सुचारू कराने की मांग की है। ज्ञापन में क्षेत्र की खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने और आवश्यकता वाले स्थानों पर नई लाइटें लगवाने की मांग भी उठाई गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से रात के समय गलियों और मुख्य मार्गों पर परेशानी होती है।

इसके साथ ही नागरिकों ने क्षेत्र में स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने का भी आग्रह किया। नई बस्ती स्टेशन रोड के नागरिकों ने एक अलग प्रार्थना पत्र देकर आकाश होटल से स्टेशन के बीच स्थित खुली नाली को तत्काल बंद कराने की मांग की। लोगों ने बताया कि नाली की सफाई के लिए उसे पूरी तरह खोल दिया गया था, लेकिन सफाई कार्य के बाद भी इसे बंद नहीं कराया गया। लंबे समय से नाली खुली होने के कारण आए दिन मवेशियों के उसमें गिरने की घटनाएं हो रही हैं। नागरिकों ने आशंका जताई कि खुली नाली के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विशेष रूप से रात के समय लोगों के नाली में गिरने का खतरा बना रहता है। इसे लेकर मोहल्लेवासियों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नाली को सुरक्षित तरीके से ढकवाकर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए। ज्ञापन सौंपने वाले नागरिकों ने जिलाधिकारी से मांग की कि क्षेत्र की सभी समस्याओं का संबंधित विभागों से स्थलीय निरीक्षण कराकर निश्चित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान कराया जाए।

लोगों ने कहा कि सड़क, नाली, सफाई, प्रकाश और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं सीधे तौर पर आम नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए इन समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस दौरान आइडियल यूथ ऑर्गनाइजेशन के जिलाध्यक्ष वसीम असर, शत्रुघन, जावेद सहित नई बस्ती स्टेशन रोड के तमाम मोहल्लेवासी मौजूद रहे।

डा. विवेक बाजपेई बने स्वदेशी व्यापारी मंच के सहसंयोजक कानपुर प्रांत

समय जगत, झांसी। स्वदेशी व्यापारी मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री बी सी भरतीया ने उ. प्र. व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष व कैट के संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री संजय पटवारी की संस्तुति पर झांसी के व्यापारी नेता एवं समाजसेवी डॉ विवेक बाजपेई को स्वदेशी व्यापारी मंच का कानपुर प्रांत का सहसंयोजक मनोनीत किया है। डा. विवेक बाजपेई को कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र में संगठन को बढ़ाने व पदाधिकारीयों को मनोनीत करने का भी अधिकार दिया गया है।

मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने का आरोप, धमकाया

- जेल में बंद आरोपी पर साजिश रचकर सुपारी देने का भी आरोप
- न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

समय जगत, ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुराना मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने एक आरोपी पर जेल में बंद रहते हुए साजिश रचकर उसके और परिवार के सदस्यों की हत्या के लिए सुपारी दिलाने का प्रयास करने का भी गंभीर आरोप लगाया है।

पुलिस ने न्यायालय के आदेश और पीड़ित की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। महाराष्ट्र के नागपुर निवासी बोल्लीनेनी वेंकट रमणैय्या ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 मार्च 2026 की शाम करीब पांच बजे वह ललितपुर न्यायालय परिसर के पास मौजूद थे। इसी दौरान पोन्नुरु श्रीनिवासुलु के साले मोगिली मल्लिकार्जुन राव और मोगली रंगाराव, दोनों निवासी कावली, जिला नेल्लोर, आंध्र प्रदेश, वहां पहुंचे।

आरोप है कि दोनों ने पुराने मुकदमे को वापस लेने का दबाव बनाया और ऐसा न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इसके बाद मल्लिकार्जुन राव ने अपने मोबाइल फोन से मेदुर मुरली मोहन से लाउडस्पीकर पर बात कराई। आरोप है कि बातचीत के दौरान गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस को बताया कि मामले का मुख्य आरोपी पोन्नुरु श्रीनिवासुलु, पुत्र संजीव सेट्टी, निवासी कावली, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश, वर्तमान में जिला कारागार ललितपुर में न्यायिक अभिरक्षा में बंद है। वह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में विचाराधीन अपराध संख्या 884/2025 के मामले में जेल में निरुद्ध है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि 19 जून 2026 को कुछ परिचित लोग जेल में श्रीनिवासुलु से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान उसने कथित तौर पर अपने साले मोगिली मल्लिकार्जुन राव और मोगिली रंगाराव की मदद से कुछ कथित अपराधियों से संपर्क कर शिकायतकर्ता बोल्लीनेनी वेंकट रमणैय्या, उनके भाई बोल्लीनेनी वेंकट रामाराव और परिवार के अन्य सदस्यों की हत्या करवाने के लिए सुपारी दिलाने की बात कही। इन आरोपों के बाद पीड़ित परिवार में भय का माहौल होने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने पूर्व में पुलिस अधीक्षक को डाक और प्रार्थना पत्र के माध्यम से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। पुलिस ने बीएनएस की धारा 352 और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में मोगिली मल्लिकार्जुन राव, मोगली रंगाराव, पोन्नुरु श्रीनिवासुलु और मेदुर मुरली मोहन को नामजद किया गया है।

जनता से सीधा संवाद कर समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण करें निराकरण : श्रीमती जमुना भिड़े

समय जगत, निवाड़ी । कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों, जनसुनवाई आवेदनों तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं अभियानों की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर श्रीमती भिड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता से सीधा संवाद स्थापित करें और जमीनी स्तर पर तत्परता के साथ कार्य करें, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित भ्रमण करें और लोगों की समस्याओं को मौके पर समझकर उनके निराकरण की प्रभावी कार्रवाई करें।100 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का शीघ्र करें निराकरण कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण करना विभागीय अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिक समय तक शिकायतें लंबित रहने से उच्चाधिकारियों के समक्ष जवाबदेही की स्थिति निर्मित होती है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों के निराकरण के लिए आवश्यकतानुसार क्षेत्र का भ्रमण करें, शिकायतकर्ता से विनम्रता से संवाद स्थापित करें ।

पराली जलाने से होने वाले नुकसान बताएंगे कृषि विभाग के कर्मचारी

- 12 और 14 सितंबर को न्याय पंचायत स्तर पर होंगी किसान गोष्ठियां
- फसल अवशेष खेत में सड़ाने के फायदे भी बताए जाएंगे

समय जगत, ललितपुर। फसल अवशेष यानी पराली जलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने और किसानों को इसके उचित प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए कृषि विभाग द्वारा जनपद के विभिन्न विकास खंडों में न्याय पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उप कृषि निदेशक कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार 12 सितंबर और 14 सितंबर 2026 को दोपहर एक बजे से निर्धारित गांवों में किसान गोष्ठियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में किसानों तथा जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए फसल अवशेष जलाने से होने वाले पर्यावरणीय एवं कृषि संबंधी नुकसान तथा पराली को खेत में सड़ाने से होने वाले लाभों की जानकारी दी जाएगी। उप कृषि निदेशक द्वारा जारी पत्र के अनुसार न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के लिए कृषि विभाग के तकनीकी सहायक, ब्लॉक टेक्निकल मैनेजर और असिस्टेंट टेक्निकल मैनेजर समेत अन्य कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी नामित कर्मचारियों को अपने-अपने आवंटित गांव में निर्धारित समय पर पहुंचकर कार्यक्रम का आयोजन कराने तथा किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीकों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। जाखौरा विकासखंड में 12 सितंबर को मसौराखुर्द में स्नेह जयसवाल, लागौन में सुशील कुमार बुद्धवार में श्रुति शुक्ला, रोड़ा में अंकिता नायक, ननौरा में दुष्यंत कुमार, थनवारा में आयुष जैन, मडवारी में अंजुलिका सेन, दैलवारा में पुरुषोत्तम नारायण, लखनपुरा में श्वेता सैनी, बांसी में प्रियंका साहू तथा सिरसी में ललित कुमार की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं 14 सितंबर को जखौरा गांव में ललित कुमार कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। बिरधा विकासखंड में 12 सितंबर को पिपरई में हेमंत साहू, कल्याणपुरा में अनामिका कटारे, जाखलीन में राजेंद्र पाठक, खितवांस में रिचा त्रिपाठी, बालाबेहट में मनीष लिटौरिया, बिरधा में रीतू साहू और डोंगराकला में अतुल राज तिवारी किसानों को जागरूक करेंगे। 14 सितंबर को जीरौन में राजेंद्र पाठक तथा सिमरथा में रिचा त्रिपाठी की ड्यूटी रहेगी। तालबेहट विकासखंड में 12 सितंबर को खांदी में नैन्सी जैन, सुनौरी में अमित रजक, पुराकलां में सतवंत सिंह, पुराविश्वर्धा में गुकेश कौशिक और धनगौल में विजय सिंह बुंदेला कार्यक्रम कराएंगे। 14 सितंबर को बनगुवांकला में नैन्सी जैन, बिजरौठा में अमित रजक, सेरवासकला में सतवंत सिंह तथा नथौखेड़ा में मुकेश कौशिक की ड्यूटी निर्धारित की गई है। बार विकासखंड में 12 सितंबर को पारौन में संजीव अहिरवार, देवरान में दीपक कुमार, बार में गिरजेश कुमार, कैलगुवां में राजेश राठौर, बिला में आरती तथा बानपुर में कृष्ण कुमार साहू कार्यक्रम आयोजित कराएंगे। 14 सितंबर को दैलवारा में आरती, बरौदाडांग में संजीव अहिरवार, बछराबनी में गिरजेश कुमार तथा सुनवाहा में कृष्ण कुमार साहू की ड्यूटी लगाई गई है। महरौनी विकासखंड में 12 सितंबर को खिरिया लटकन जू में कंचन कुशवाहा, सैदपुर में राहुल चौबे, सिलावन में रिचा पुरोहित, गुदा में कंचन कुशवाहा, मीना कुरागांव में अखिलेश राय, भौंड़ी में धर्मेन्द्र झां तथा समोगर में रिचा पुरोहित किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन की जानकारी देंगे। 14 सितंबर को छपरट में कंचन कुशवाहा तथा नैकोरा में अखिलेश राय की ड्यूटी रहेगी। इसी प्रकार मड़ावारा विकासखंड में 12 सितंबर को धौरीसागर में मथुरा प्रसाद, गिदवाहा में रश्मि निरंजन, मड़ावारा में स्वेच्छा सोनी, सौरई में नंदनी तिवारी, गौना में अंशु कुशवाहा, पारौल में संजीव निरंजन, नाराहट में रिंकी निरंजन, लिधौरा में संजय दुबे, काशीटोरन में संतोष चौहान, वैरवारा में बबलू कुशवाहा तथा मदनपुर में सौरभ यादव की ड्यूटी निर्धारित की गई है। कृषि विभाग ने अभियान की निगरानी के लिए नामित कार्मिकों को कार्यक्रम के दौरान अक्षांश-देशांतर (जियो-टैगिंग) सहित फोटोग्राफ लेने और उसकी रिपोर्ट उप कृषि निदेशक कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अध्यक्ष, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, ललितपुर को निर्देशित किया गया है कि मृदा परीक्षण से संबंधित कार्मिकों की भी इन किसान गोष्ठियों में अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित कराई जाए। कृषि विभाग का उद्देश्य किसानों को यह समझाना है कि खेत में फसल अवशेष जलाने से मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जबकि उचित प्रबंधन एवं अवशेषों को खेत में सड़ाने से जैविक पदार्थ और पोषक तत्व मिट्टी में वापस मिलते हैं। विभाग द्वारा किसानों से फसल अवशेष न जलाकर वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अपनाने की अपील की जाएगी।

अवैध क्लीनिक, पैथोलॉजी एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग का सघन अभियान

राठ में 02 अवैध क्लीनिक सीज, जनपद में कई संस्थानों को चेतावनी एवं कारण बताओ नोटिस जारी

समय जगत हमीरपुर। जनपद में विभिन्न समाचार पत्रों एवं मीडिया माध्यमों में अवैध क्लीनिकों, पैथोलॉजी लैबों एवं निजी चिकित्सालयों के संचालन के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा संबंधित नोडल अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के क्रम में नोडल अधिकारियों की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न विकासखंडों में सघन निरीक्षण अभियान चलाकर अवैध एवं मानकविहीन ढंग से संचालित चिकित्सा संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत नोडल अधिकारियों द्वारा राठ, सुमेरपुर, मौदहा, कुरारा एवं मुस्करा विकासखंडों में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राठ विकासखंड में पूर्व में चेतावनी नोटिस दिए जाने के बावजूद बिना वैध पंजीकरण के संचालित पाए गए 02 अवैध क्लीनिकों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। वहीं 02 पैथोलॉजी लैब एवं 02 क्लीनिकों को चेतावनी नोटिस जारी किए गए। इसी क्रम में नियमों की अनदेखी एवं आवश्यक पंजीकरण के अभाव में कुरारा विकासखंड में 06 तथा मौदहा विकासखंड में 06 अपंजीकृत क्लीनिक एवं पैथोलॉजी संचालकों को चेतावनी नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त [illegible] अधिनियम के तहत राठ विकासखंड में विभिन्न अल्ट्रासाउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के रख-रखाव एवं तकनीकी मानकों में कमियां पाए जाने पर संबंधित केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। विभाग द्वारा स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि भविष्य में यदि किसी निरीक्षण के दौरान अधिकृत चिकित्सक की अनुपस्थिति में अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालित पाया जाता है, तो सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत केंद्र का पंजीकरण निरस्त करने के साथ ही कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनपद के सभी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब, निजी क्लीनिक एवं अन्य निजी चिकित्सा संस्थानों की पात्रता तथा निर्धारित मानकों की निरंतर जांच की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अपंजीकृत अथवा मानकों के विपरीत संचालित संस्थानों को अपनी आवश्यक औपचारिकताएं तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्धारित मानकों का अनुपालन न करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिना वैध डिग्री अथवा पंजीकरण के चिकित्सा कार्य करने वाले झोलाछाप चिकित्सकों एवं अवैध स्वास्थ्य इकाइयों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। मरीजों के हित में रेट चार्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों के हितों की रक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी पंजीकृत निजी क्लीनिकों, चिकित्सालयों, नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी आदि संस्थानों को अपनी सेवाओं की दरों का स्पष्ट प्रदर्शन करने के निर्देश दिए गए हैं। संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं जैसे ओपीडी परामर्श शुल्क, भर्ती/आईपीडी एवं बेड चार्ज, ऑपरेशन शुल्क, प्रसव शुल्क, आईसीयू चार्ज, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउंड आदि का स्पष्ट एवं पठनीय रेट चार्ट संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार तथा पंजीकरण/बिलिंग काउंटर पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। विभाग ने सभी संबंधित निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्धारित मानकों एवं नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। मरीजों को बेहतर, पारदर्शी एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है।

अवैध अंग्रेजी शराब मामले में फरार मुख्य आरोपी झींगा हुआ गिरफ्तार

आनंद शर्मा - समय जगत, मनेन्द्रगढ़। मध्यप्रदेश की अवैध शराब तस्करी का जाल फैलाने का आरोप, पुलिस को चकमा देना उसके लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। यहां तक कि वह पुलिस को अपनी जेब में होने की बात कहता था। अवैध अंग्रेजी शराब के परिवहन और बिक्री के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी राकेश जायसवाल उर्फ झींगा, निवासी वार्ड क्रमांक-2 बैगापारा, मनेन्द्रगढ़ को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को 9 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

105 पाव अंग्रेजी शराब और वाहन हुआ था जब्त: पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 179/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत की गई है। मामले की शुरुआत 6 अगस्त 2026 को हुई, जब पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की बिना नंबर की टी वी एस जुपिटर स्कूटी से अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चनवारीडांड फॉरेस्ट डिपो मार्ग के पास संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान प्लास्टिक की बोरी से रॉयल स्टैग की 28 पाव और मैकडॉवेल नंबर-1 की 77 पाव, कुल 105 पाव अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पुलिस के मुताबिक शराब की कुल मात्रा करीब 18.900 लीटर तथा अनुमानित कीमत 22,680 रुपये है। शराब के साथ घटना में प्रयुक्त टी वी एस जुपिटर वाहन भी जब्त किया गया था।

एक आरोपी पहले ही हो चुका था गिरफ्तार : मामले में पुलिस ने मौके से महेन्द्र सिंह धुर्वे को 6 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। विवेचना के दौरान आरोपी के मेमोरेंडम कथन और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने फरार आरोपी राकेश जायसवाल उर्फ झींगा की तलाश शुरू की।पुलिस के अनुसार आरोपी वर्ष 2023 से मध्यप्रदेश से शराब लाकर क्षेत्र में खपाने की गतिविधियों में कथित रूप से संलिप्त रहा है। लंबे समय तक पुलिस को चकमा देने के बाद आखिरकार सिटी कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पत्रकारों के लगातार संवाद के बाद पुलिस ने दिया था गिरफ्तारी का आश्वासन: राकेश जायसवाल उर्फ झींगा की गिरफ्तारी में हो रही देरी को लेकर पत्रकारों द्वारा पुलिस अधिकारियों से लगातार संवाद किया गया। इस संबंध में पहले सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले से चर्चा की गई थी। थाना प्रभारी ने बताया था कि आरोपी की तलाश की जा रही है और उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस की ओर से यह भी बताया गया था कि आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश से शराब लाकर क्षेत्र में अवैध रूप से खपाने संबंधी जानकारी सामने आई है, जिसकी विवेचना की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अनशन पर बैठी पीड़िता

बांदा। चिल्ला थाना क्षेत्र के गुगौली गांव से दहेज उत्पीड़न का एक मामला सामने आया है ।एक बेबस मां अपनी बेटी से मिलने के लिए ठोकरें खाने को मजबूर है ।मिली जानकारी के अनुसार सविता पत्नी अभिमन्यु सिंह गुगौली,थाना चिल्ला ने अपनी बेटी रोहिनी उम्र 25 वर्ष की शादी गंभीर पुत्र राज कुमार परागी डेरा,थाना तिंदवारी के साथ की थी ।पीड़िता सविता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर उसकी बेटी को प्रताड़ित कर रहे हैं ।दहेज के लालच में ससुराल वालों ने बेटी को उसकी मां से मिलने तक नहीं दिया जा रहा ।सबसे पहले चौकी में शिकायती पत्र दिया,लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई ।इसके बाद थाना तिंदवारी थाना में शिकायत की ।वहां भी कोई सुनवाई नहीं हुई ।पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची ।वहां से आश्वासन मिला कि दो दिन में आपकी बेटी आपके पास आ जाएगी, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई ।पुलिस से न्याय न मिलने पर पीड़ित मां अशोक लाट पर अनशन पर बैठ गई ।जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए अपनी बेटी से मिलवाने और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है ।

व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच सकारात्मक वार्ता बाजार की समस्याओं के जल्द समाधान का रास्ता साफ

इटारसी। नगर में बाजार की विभिन्न समस्याओं को लेकर स्थानीय सिंधी व्यापार महासंघ के बैनर तले व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण और सकारात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिक्रमण, दुकानों के मालिकाना हक, किराए की पेनाल्टी और बड़े मॉल्स से होने वाले नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और कई अहम फैसले लिए गए।

अतिक्रमण पर कार्रवाई रहेगी जारी, व्यापारियों ने दिया सहयोग का भरोसा: बाजार में चल रही अतिक्रमण हटाओ मुहिम पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई उनके ही निर्देशों पर हो रही है और इसे रोका नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर व्यापारियों ने भी अपनी सहमति जताई है और शहर के विकास तथा साफ-सफाई में प्रशासन का पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही, ग्राहकों की सुविधा के लिए नालियों पर साफ-सफाई में बाधक न बनने वाली लोहे की जाली जिसे आसानी से खोला जा सके लगाने की अनुमति भी प्रशासन ने दे दी है।

लीज और मालिकाना हक के लिए शासन को भेजा जाएगा प्रस्ताव: व्यापारियों ने 30 साल पुरानी लीज वाली दुकानों को गाइडलाइन के अनुसार रजिस्ट्री कर मालिकाना हक फ्री-होल्ड देने की मांग रखी। विधायक ने आश्वासन दिया है कि इसके लिए राज्य शासन को विधिवत प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा और शासन की स्वीकृति मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे जहां नगरपालिका को राजस्व मिलेगा, वहीं व्यापारियों को भी बार-बार होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। साथ ही, पारिवारिक हस्तांतरण के लिए दुकानों के नामांतरण हह्रष्ट की प्रक्रिया को भी सरल बनाने पर सहमति बनी है।

किराए की पेनाल्टी पर जल्द मिलेगा समाधान: दुकानों के किराए पर लगाई जा रही भारी पेनाल्टी 1600 रुपये तक को लेकर व्यापारियों ने अपनी परेशानी साझा की। इस पर जनप्रतिनिधियों ने राहत का संकेत देते हुए कहा कि जो व्यापारी अपना बकाया मूल किराया जमा कर देंगे, उनकी पेनाल्टी माफी और अन्य आपत्तियों को लेकर सीएमओ (ष्टरूह्र) के साथ बैठकर उचित समाधान निकाला जाएगा।

बैठक रही बेहद सार्थक, व्यापारियों ने बुलाई अहम सभा: सिंधी व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राहुल चेलानी ने इस बैठक को बेहद सार्थक बताया। उन्होंने कहा कि विधायक के समक्ष रखी गई अधिकांश मांगों पर तुरंत सहमति बन गई है और शेष मुद्दों का भी एक-दो दिन में व्यापारियों के हित में सकारात्मक निराकरण हो जाएगा। इन निर्णयों और शहर में खुल रहे बड़े मॉल्स से छोटे खुदरा व्यापारियों को हो रहे नुकसान के मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने के लिए और दुकानों के ऊपर डोम लगाने की चर्चा करने महासंघ ने रात 8 बजे जवाहर बाजार में व्यापारियों की एक अहम बैठक बुलाई है।

ज्ञापन दिया तो रुक गई गिरफ्तारी की कार्रवाई!

टीकमगढ़। कोतवाली थाना क्षेत्र में मारपीट और लूट के मामले में दर्ज प्रकरण के चार आरोपियों की गिरफ्तारी 40 दिन बाद भी नहीं होने का मामला अब एक कथित ऑडियो सामने आने के बाद और गंभीर हो गया है। शिकायतकर्ता लोकेंद्र सिंह परमार और कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक के बीच हुई बातचीत के ऑडियो में टीआई कथित तौर पर यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई कर रही थी, लेकिन शिकायतकर्ता पक्ष द्वारा ज्ञापन दिए जाने के बाद कार्रवाई रोक दी गई। ऑडियो में थाना प्रभारी कथित तौर पर कहते हैं- 卐ज्ञापन के बाद ही तो रुक गए थे, नहीं तो क्यों रुकते।卐 बातचीत के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा कार्रवाई रुकने का कारण पूछे जाने पर टीआई आगे कहते हैं कि पुलिस आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटा रही थी और कार्रवाई की तैयारी चल रही थी। 'राहुल को बैठाए ले रहे थे, फिर ज्ञापन दे दिया तो रुक गए' सामने आए ऑडियो में टीआई कथित तौर पर कहते हैं कि पुलिस ने आरोपी राहुल के संबंध में जानकारी जुटाई थी और उसे पकड़ने की कार्रवाई की जा रही थी। बातचीत में वे कहते हैं- 卐हमारी बातचीत हुई थी। हमने जानकारी ली थी। फिर हमने राहुल की जानकारी कल ही ली थी कि राहुल को बैठाए ले रहे हैं।

जिलाधिकारी ने सुमेरपुर की गौशालाओं का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

समय जगत हमीरपुर। जिलाधिकारी अभिषेक गोयल ने आज प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ विकासखंड सुमेरपुर अंतर्गत संचालित गौ आश्रय स्थल स्वासा बुजुर्ग एवं छानी बुजुर्ग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशालाओं में जलभराव की स्थिति, गौवंशों के लिए चारा-भूसा, चरही, पेयजल, बाउंड्री वॉल, वृक्षारोपण, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का स्थलीय जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। छानी बुजुर्ग गौशाला में लगभग 116 गौवंश पाए जाने पर जिलाधिकारी ने इसकी क्षमता बढ़ाते हुए गौवंशों की संख्या 200 से अधिक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला में पर्याप्त स्थान एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए अन्य स्थानों से भी गौवंशों को यहां शिफ्ट किया जाए। साथ ही प्रत्येक गौवंश की शत-प्रतिशत ईयर टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि गौवंशों की पहचान एवं अभिलेखों का समुचित रखरखाव हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी गौशालाओं की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाए। जिन गौशालाओं में पर्याप्त एवं बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं, वहां क्षमता के अनुरूप अधिक से अधिक गौवंशों को रखा जाए। वहीं, जिन गौशालाओं में निर्धारित मानकों के अनुरूप मूलभूत व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हैं और जिनमें सुधार की पर्याप्त संभावना नहीं है, ऐसी गौशालाओं को बंद कर वहां के गौवंशों को बेहतर व्यवस्थाओं वाले आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। निरीक्षण के दौरान चरही, पेयजल एवं अन्य आधारभूत

सुविधाओं में पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को सभी आवश्यक कमियों का निस्तारण कर सुदृढ़ एवं व्यावहारिक प्रस्ताव तैयार करने को कहा, ताकि गौशालाओं में गौवंशों के लिए पर्याप्त चारा, पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध रह सकें। जिलाधिकारी ने गौशालाओं में रखे गए अभिलेखों एवं रजिस्टरों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कुल गौवंशों की संख्या, मृत पशुओं का विवरण, सहभागिता योजना के अंतर्गत दिए गए गौवंशों की स्थिति तथा मृत गौवंशों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि मृत गौवंशों का निस्तारण निर्धारित मानकों एवं नियमानुसार उचित स्थान पर ही सुनिश्चित किया जाए तथा अभिलेखों में सभी विवरण अद्यतन रखा जाए। उन्होंने गौशालाओं में तैनात केयरटेकरों को निर्देशित किया कि गौवंशों की समुचित देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। पशुओं को समय से पर्याप्त भोजन एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ गौशाला परिसर में नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में विधि-विधान से गौ-पूजन कर गौवंशों को माल्यार्पण किया तथा उन्हें गुड़ एवं केला खिलाया। उन्होंने छानी बुजुर्ग गौशाला में बेहतर एवं संतोषजनक व्यवस्थाएं पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की तथा इसी प्रकार की व्यवस्थाएं अन्य गौ आश्रय स्थलों में भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया

बांदा। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्यचिकित्सा अधिकारी के देखरेख में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिसंडा में आशा,एएनएम,पैरामेडिकल वर्कर एवं अन्य लोगों को आत्महत्या रोकथाम से संबंधित जागरूक शिविर का आयोजन किया गया ।किसी भी एक व्यक्ति को बचा लेना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य होता है ।यदि किसी परिस्थिति में व्यक्ति आशाहीन महसूस करें,अत्यधिक नशा करने वाला,अत्यधिक चिंता करने वाला,ऐसे व्यक्ति को पहले टेलीमानस नंबर में कॉल अवश्य करना होगा ।जागरूकता शिविर में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ रिजवाना ने बताया कि आत्महत्या एकदम से उठाया गया कदम नहीं होता। धीरे धीरे अवसाद में जाकर घातक कदम उठा लेता है ।कभी-कभी छोटी-छोटी घटनाओं को लेकर व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है यदि व्यक्ति का व्यक्तित्व हमें जानकारी में आए तो उसे टेली मानस नंबर 14416 में कॉल करे ।शिविर में अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अधिकारी नरेन्द्र ने बताया कि यदि व्यक्ति एकदम गुमसुम हो जाता है,अपनी प्रिय वस्तु में दान करने लगता है, पहले कभी आत्महत्या का प्रयास किया हो,अपनी आत्म हानि वाली वस्तुएं इकट्ठा करता है तो उसके बचाव हेतु परिवार के सदस्य उसके बीच समय बिताए ।उसका ध्यान रखें,योग प्राणायाम व दिनचर्या में सुधार रखें जिला चिकित्सालय मे काउंसलिंग ले सकते हैं ।साइट्रिक नर्स त्रिभुवन नाथ ने किसी प्रकार का मानसिक रोग होने पर मनोरोग विशेषज्ञ को जिला चिकित्सालय में दिखाने की बात की ।जागरूकता शिविर में अनुपम त्रिपाठी,शैलेंद्र शुक्ला,अनमोल रावत,वीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

दिव्य पथ एवं तुलसी पथ के निर्माण कार्य का हुआ निरीक्षण

समय जगत चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने पटेल तिराहा से धनुष चौराहा तक प्रस्तावित "दिव्य पथ" तथा पटेल तिराहा से शंभू पेट्रोल पंप तक प्रस्तावित फोरलेन "तुलसी पथ" के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आर्किटेक्ट को सर्विस लेन में आ रहे विद्युत पोलों की शिफ्टिंग कराने, वेंडिंग जोन विकसित करने तथा खाली स्थानों पर टाइल्स लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने लाइट पोल का सैंपल तैयार कर प्रस्तुत करने तथा दिव्य पथ का कार्य 30 नवंबर तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिव्य पथ पर लगने वाली लाइटें सुदर्शन पैटर्न पर आधारित हों। तदुपरान्त जिलाधिकारी ने प्रस्तावित

तुलसी पथ का निरीक्षण कर निर्देश दिए कि इसका स्वरूप तुलसी संस्कृति के अनुरूप विकसित किया जाए। उन्होंने बताया कि तुलसी पथ में फोरलेन सड़क के साथ फुटपाथ भी बनाया जाएगा। इस पथ को बन जाने से जनपद की सौंदर्यता की एक अलग पहचान बनेगी जिससे कि पर्यटकों कि आवागमन में वृद्धि होगी। यह दोनों कार्य चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण से करवाये जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं, संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

दूर-दराज क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं पर वीडियो कॉल एवं गूगल मीट के माध्यम से अधिकारियों से सीधे किया संवाद

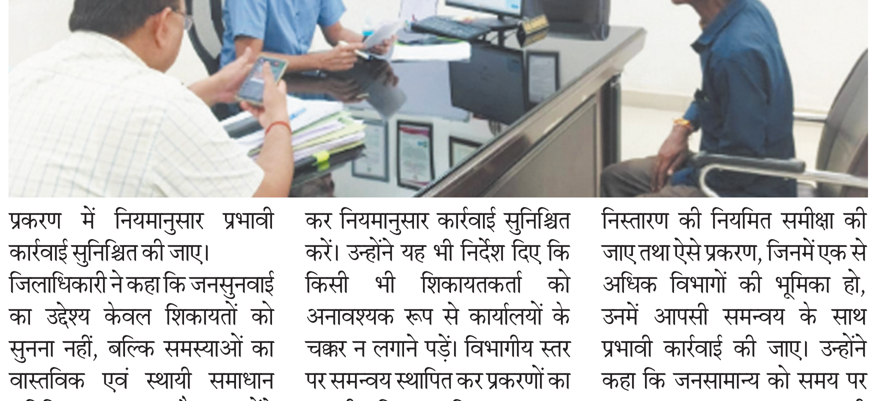

समय जगत हमीरपुर। जिलाधिकारी अभिषेक गोयल द्वारा निर्धारित नियमित कार्यक्रम के अनुसार आज कलेक्ट्रेट में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जनसुनवाई की गई। इस दौरान जनपद के विभिन्न ग्रामीण एवं दूर-दराज क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को जिलाधिकारी ने गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त गंभीर एवं त्वरित निस्तारण योग्य प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों से गूगल मीट एवं वीडियो कॉल के माध्यम से सीधे संवाद किया और प्रकरण की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतों को सुनना नहीं, बल्कि समस्याओं का वास्तविक एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से समझा जाए। जिन मामलों में स्थलीय जांच अथवा मौके पर जाकर सत्यापन की आवश्यकता हो, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं स्थल का निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। विभागीय स्तर पर समन्वय स्थापित कर प्रकरणों का यथाशीघ्र निस्तारण किया जाए तथा निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनसुनवाई एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा की जाए तथा ऐसे प्रकरण, जिनमें एक से अधिक विभागों की भूमिका हो, उनमें आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जनसामान्य को समय पर राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की बात को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

गिली मक्का की खरीदी का श्रीगणेश, 1800 से 1900 रुपए तक मिले भाव

समय जगत खिरकिया। खिरकिया कृषि उपज मंडी में 10 सितंबर 2026 को गिली मक्का की खरीदी का विधिवत श्रीगणेश किया गया। मंडी प्रशासन एवं स्थानीय व्यापारियों के आर्थिक सहयोग से शुरू हुई इस खरीदी को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला। लंबे इंतजार के बाद गिली मक्का की खरीदी शुरू होने से मंडी परिसर में किसानों की आवाजाही भी बढ़ी। मंडी में गिली मक्का लेकर पहुंचे किसानों को उनकी उपज के अच्छे भाव मिलने से किसानों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। व्यापारियों द्वारा गिली मक्का की खरीदी 1800 से 1900 रुपए तक के भाव में की गई। खरीदी शुरू होने के साथ ही किसानों में संतोष का माहौल नजर आया।

मंडी प्रशासन और व्यापारियों की पहल से किसानों को मिली राहत: गिली मक्का की खरीदी शुरू कराने में मंडी प्रशासन के साथ व्यापारियों द्वारा किए गए आर्थिक सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खरीदी प्रक्रिया शुरू होने से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए सुविधा मिली और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही बाजार उपलब्ध हुआ। किसानों का कहना है कि खरीदी की शुरुआत अच्छे भाव से होना राहत की बात है। यदि आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार उचित भाव मिलते रहे तो मक्का उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से काफी फायदा हो सकता है।

पहले ही दिन उत्साह, आगे भाव को लेकर किसानों की नजर: गिली मक्का की खरीदी के पहले दिन 1800 से 1900 रुपए प्रति क्विंटल तक के भाव मिलने से किसानों में उत्साह नजर आया। अब किसानों की निगाहें आने वाले दिनों में मक्का के भाव और खरीदी की स्थिति पर टिकी हुई हैं। मंडी प्रशासन द्वारा खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा व्यापारियों के सहयोग से किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में किए गए प्रयासों का सकारात्मक असर पहले दिन देखने को मिला। किसानों ने उम्मीद जताई कि आगामी दिनों में भी मंडी में गिली मक्का की खरीदी इसी प्रकार सुचारु रूप से जारी रहेगी।

इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम में अब तक हुए 1.50 लाख रजिस्ट्रेशन

समय जगत इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले %छात्रों की गूंज% कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हैं। कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम के लिए अब तक 1 लाख 50 हजार से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

बुधवार को राहुल गांधी ने छात्रों और त्वद्व्रं के नाम संदेश जारी कर कहा कि टूटी हुई शिक्षा व्यवस्था ने युवाओं की उम्मीदों को तोड़ा है। वे अलग-अलग शहरों में छात्रों से मिलकर उनकी चुनौतियां समझ रहे हैं और इसी कड़ी में 19 सितंबर को इंदौर में छात्रों के बीच रहेंगे। उन्होंने छात्रों से अपनी समस्याएं और सुझाव लिंक और वीडियो के जरिए साझा करने को कहा है।

अनुमति पर असमंजस बरकरार

कार्यक्रम की अनुमति को लेकर पेंच फंसा है। कांग्रेस पिछले 11 दिन से कलेक्टर, निगम, पुलिस और द्धष्ठ से अनुमति के लिए प्रयास कर रही है। कांग्रेस कह रही है अनुमति मिले या न मिले कार्यक्रम होगा, प्रशासन का कहना है कि नियमानुसार सुरक्षा व्यवस्था देखकर अनुमति दी जाएगी।

Gen Z के नाम राहुल का संदेश -

मेरे प्यारे छात्रों, युवाओं और भारत के Gen Z,

आपके साथ सारा देश देख रहा है कि आज एक टूटी हुई शिक्षा व्यवस्था ने आपकी उम्मीदों की लौ को बुझा कर आपके भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया है। छात्रों की गूंज% के माध्यम से में अलग-अलग शहरों में आपसे मिलकर आपकी चुनौतियां समझ रहा हूं। इसी मुहिम के साथ 19 सितंबर को में फिर आपके बीच, इंदौर में रहूंगा। मगर इस सिस्टम को बदलने के लिए पूरे देश के हर छात्र की आवाज़, उनका दर्द और उनकी राय सुनी जानी जरूरी है। नीचे दिए लिंक पर जाकर बताइए आपको अपने सपने पूरे करने से क्या रोक रहा है? आप वीडियो बनाकर भी अपनी बात हम तक पहुंचा सकते हैं। आपकी समस्याएं। आपके सुझाव। हम मिलकर उम्मीद फिर से लौटाएंगे।

स्कूल का टूटा गेट बना असामाजिक तत्वों की एंट्री का रास्ता

टीकमगढ़। शहर के बीचोंबीच बच्चों की पढ़ाई के लिए संचालित सरस्वती शिशु मंदिर का परिसर शाम होते ही असामाजिक तत्वों के लिए खुला मैदान बनता जा रहा है। लक्कड़ खाना मोहल्ला स्थित नगर पालिका की पुरानी बिल्डिंग में करीब 12 वर्षों से चल रहे स्कूल के बाउंड्रीवॉल का गेट पिछले छह महीने से टूटा पड़ा है। स्कूल प्रबंधन का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद नगर पालिका ने अब तक गेट की मरम्मत नहीं कराई। इसी का फायदा उठाकर शाम के बाद बाहरी लोगों का परिसर में जमावड़ा लग रहा है और शराब की खाली बोतलें मिलने की बात भी सामने आई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। ऐसे में स्कूल जैसे सार्वजनिक परिसर में रात के समय असामाजिक तत्वों की मौजूदगी की शिकायतें सामने आने के

बाद कोतवाली पुलिस की रात्रि गश्त भी सवालों के घेरे में है।

सड़क तक सीमित है कोतवाली की नाइट गश्त?: शहर में पुलिस की रात्रि गश्त को लेकर सवाल अब इसलिए उठ रहे हैं कि अगर मुख्य सड़कों के अलावा शहर की गलियों और मोहल्लों में भी पुलिस की नियमित निगरानी हो रही है, तो लक्कड़ खाना जैसे शहर के बीच स्थित परिसर में शाम के बाद असामाजिक तत्वों का जमावड़ा कैसे लग रहा है? स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल चर्चा में है कि कोतवाली की नाइट गश्त सिर्फ मुख्य सड़कों तक सीमित है या गलियों और संवेदनशील स्थानों तक भी पुलिस पहुंच रही है? यदि पुलिस की गश्त लगातार होती है तो स्कूल परिसर में शराबखोरी और बाहरी लोगों के जमावड़े की शिकायतें सामने आना पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। वहीं यदि गश्त नहीं हो रही है तो यह शहर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

स्कूल संचालन समिति के स्वतंत्र जैन के अनुसार स्कूल नगर पालिका की पुरानी बिल्डिंग में किराए पर संचालित है और समिति हर महीने करीब तीन हजार रुपये किराया देती है। मैदान का बाउंड्रीवॉल गेट छह महीने से टूटा है। पिछले चार महीनों में सीएमओ को तीन लिखित आवेदन देने के साथ कई बार मौखिक रूप से भी समस्या बताई गई, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। गेट खुला होने के कारण शाम के समय बाहरी लोगों के परिसर में पहुंचने की शिकायत है। स्कूल में शराब की खाली बोतलें मिलने और आसपास के लोगों द्वारा परिसर में वाहन खड़े किए जाने की बात भी सामने आई है।

50.50 लाख के विकास कार्यों का बकानी में लोकार्पण

पंचायत भवन और कालाजी महाराज वाली पुलिया का विधायक मोहन शर्मा ने किया लोकार्पण, उमरी हाईस्कूल भवन भी जनता को किया समर्पित

बोड़ा। ग्राम पंचायत बकानी में ग्रामीणों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण विधायक मोहन शर्मा के कर-कमलों से विधिवत किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित पंचायत भवन एवं कालाजी महाराज वाली पुलिया को ग्रामीणों को समर्पित किया गया। वहीं ग्राम उमरी में 1 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से निर्मित हाई स्कूल भवन का भी लोकार्पण किया गया। एक ही कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिलने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा।

ग्राम पंचायत बकानी में 37 लाख 50 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित पंचायत भवन का निर्माण कराया गया है। पंचायत भवन की निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत बकानी रही है। नए भवन के निर्माण से ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। पंचायत के प्रशासनिक कार्यों के संचालन में भी सहूलियत होगी। ग्रामीणों को अब पंचायत स्तर की विभिन्न सेवाओं और योजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत क्षेत्र में कालाजी महाराज वाली पुलिया का निर्माण 13 लाख रुपए की लागत से पूर्ण कराया गया है। इसका निर्माण भी ग्राम पंचायत बकानी को निर्माण एजेंसी बनाकर कराया गया। पुलिया निर्माण से ग्रामीणों के आवागमन में सुविधा होगी। बारिश के दौरान रास्ते में पानी भरने और आवागमन बाधित होने की समस्या से भी ग्रामीणों को राहत मिलेगी। क्षेत्रवासियों के लिए यह पुलिया लंबे समय से आवश्यक विकास कार्यों में शामिल थी। पंचायत भवन और कालाजी महाराज वाली पुलिया की कुल निर्माण लागत 50 लाख 50 हजार रुपए है। दोनों विकास कार्य पूर्ण होने के बाद विधायक मोहन शर्मा ने इनका लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम उमरी में 1 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से निर्मित हाई स्कूल भवन का भी लोकार्पण किया गया। नवीन भवन मिलने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होने की उम्मीद है। विद्यालय भवन में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं के साथ अध्ययन-अध्यापन का बेहतर माहौल तैयार होगा। ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण विकास कार्य को क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य के लिए उपयोगी कदम माना जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को मिल रही गति: लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान विधायक मोहन शर्मा ने क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों को लेकर कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पंचायत भवन, पुलिया और स्कूल भवन जैसे विकास कार्य सीधे तौर पर ग्रामीणों और विद्यार्थियों की जरूरतों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ग्राम पंचायत बकानी के सरपंच लक्ष्मी बाई जगदीश सिंह राजपूत ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में ग्रामीणों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। पंचायत भवन बनने से ग्रामीणों को सुविधा मिलेगी, वहीं पुलिया निर्माण से आवागमन की समस्या दूर होगी। उन्होंने विकास कार्यों के लोकार्पण के लिए विधायक मोहन शर्मा एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

मिट्टी के गणेश से पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाजसेवी दीपक दुबे ने हाथों से बनाई प्रतिमाएं

समय जगत] बैरसिया। गणेश चतुर्थी के पर्व को पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा से जोड़ते हुए समाजसेवी दीपक दुबे ने एक अनूठी पहल शुरू की है। वे अपने हाथों से शुद्ध मिट्टी से भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं तैयार कराकर गणेश चतुर्थी के दिन नगरवासियों को नि:शुल्क वितरित करेंगे। खास बात यह है कि इन प्रतिमाओं के साथ फूल के पौधे का बीज भी रखा जाता है। श्रद्धालु जब पूजा के बाद प्रतिमा का गमले में विसर्जन करेंगे तो कुछ समय बाद उसी मिट्टी से फूल का पौधा भी तैयार हो सकेगा। दुबे का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर पहुंचाना है। उनका परिवार वर्षों से मिट्टी के गणेश बनाने और उनके वितरण की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है।

शुद्ध मिट्टी से तैयार होती है प्रतिमा... दीपक दुबे ने बताया कि उनके परिवार द्वारा बनाई जाने वाली गणेश प्रतिमाओं में पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा जाता है। प्रतिमाएं शुद्ध प्राकृतिक मिट्टी से तैयार की जाती हैं, ताकि विसर्जन के बाद मिट्टी आसानी से प्रकृति में मिल सके। उनका प्रयास है कि गणेश उत्सव के दौरान प्लास्टर ऑफ पेरिस और अन्य ऐसी सामग्रियों से बनी प्रतिमाओं के स्थान पर लोग मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दें। वे बताते हैं कि परिवार में वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को अब जनसेवा का रूप दिया गया है। शुरुआत में उनकी ओर से करीब 50 से 100 परिवारों को गणेश प्रतिमाएं वितरित की जाती थीं, लेकिन लोगों का उत्साह लगातार बढ़ा। अब यह संख्या बढ़कर लगभग 300 से 400 परिवारों तक पहुंच गई है।

प्रतिमा में छिपा है पर्यावरण बचाने का संदेश... इस पहल की सबसे खास बात प्रतिमा के साथ रखा जाने वाला फूल के पौधे का बीज है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को यह संदेश देना है कि गणेश प्रतिमा के विसर्जन के साथ पर्यावरण संरक्षण की एक नई शुरुआत भी की जा सकती है। दुबे के अनुसार, श्रद्धालु प्रतिमा को घर के गमले में विसर्जित कर सकते हैं। मिट्टी में मौजूद बीज से आगे चलकर फूल का पौधा तैयार होगा। यानी बप्पा के विसर्जन के बाद उनकी स्मृति में घर में हरियाली का नया पौधा जन्म लेगा।

सार संक्षिप्त

वाहन चैकिंग अभियान में 35 यात्री वाहनों पर दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित सीट के स्टीकर लगवाए

मुरैना। परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर के आदेशों एवं कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशों के पालन में जिले में नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में बुधवार को जौरा रोड, मुरैना पर यात्री बस, स्कूल बस एवं ई-रिक्शा वाहनों की सघन जांच के लिए चैकिंग पॉइंट लगाया गया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पी.एस. भिलाला के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक जितेन्द्र तोमर, सुजीत भदौरिया, आरक्षक शिवमंगल सिंह, संतोष गुप्ता, नीरज शर्मा एवं प्र. आरक्षक अजय बाल्के द्वारा वाहनों की सघन जांच की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा स्वयं वाहनों के वैध दस्तावेजों के साथ-साथ फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी गेट एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई। चैकिंग के दौरान यात्रियों को होने वाली असुविधाओं की भी जानकारी ली गई तथा वाहन चालकों को सुरक्षित एवं यातायात नियमों के अनुरूप वाहन चलाने की समझाइश दी गई। चैकिंग कार्रवाई के दौरान दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित सीटरू यात्री बसों में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित सीट संबंधी 35 यात्री वाहनों पर मौके पर ही स्टीकर लगवाए गए। नियमों के उल्लंघन पर 02 स्कूल मैजिक वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 22,000 रुपये का राजस्व वसूल किया गया। नियम विरुद्ध संचालित यात्री बसों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 17,000 रुपये का राजस्व वसूल किया गया। परिवहन विभाग द्वारा जिले में यातायात नियमों एवं वाहन संचालन से संबंधित निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए इस प्रकार की चैकिंग कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

सिविल लाईन थाना पुलिस ने पकड़ा रेत का अवैध ट्रेक्टर

मुरैना। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा के निर्देश पर जिले में अवैध रेत एवं पत्थर के उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिविल लाइन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंबल नदी की अवैध रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त की है। जब्त वाहन की कीमत करीब 7 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान चालक अपने साथी के साथ वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जांच में ट्रॉली में चंबल नदी की अवैध रेत भरी मिली, जिसके बाद पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया। इस मामले में थाना सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 421/2026 दर्ज कर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण कायम किया गया है। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को भी सूचना दे दी गई है, जो जब्त ट्रॉली के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

अनूपपुर पुलिस का ऐक्शन मोडः कोतमा के हाईवे पर अवैध खड़े ट्रकों और बुलेट चालकों पर शिकंजा

कोतमा। राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अनूपपुर यातायात पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है यातायात प्रभारी विनोद दुबे के निर्देशों पर पुलिस टीम ने कोतमा स्थित गुरु कृपा ढाबा के पास हाईवे पर अवैध और लापरवाही से खड़े ट्रकों व अन्य वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर ताबड़तोड़ चालानी कार्रवाई की ?हाईवे पर अवैध पार्किंग के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता था यातायात प्रभारी के मार्गदर्शन में कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम ने सड़क किनारे खड़े वाहनों के चालकों व ट्रक मालिकों के चालान काटे और दोबारा हाईवे पर अवैध पार्किंग न करने की सख्त हिदायत दी स्टंटबाजों और मॉडिफाइड साइलेंसर पर भी गाज कार्रवाई के दौरान टीम ने तेज रफ्तार और साइलेंसर से तेज आवाज निकालकर लोगों को परेशान करने वाले बुलेट चालकों को भी निशाने पर लिया पटाखा जैसी आवाज निकालने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर बुलेट दौड़ा रहे नाबालिगों और हुड़दंगियों को रोककर पुलिस टीम ने उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की ?यातायात पुलिस की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि हाईवे पर अवैध पार्किंग और यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

650वीं जयंती के उपलक्ष्य में संत श्री रविदास कलश वंदन यात्रा का बैरसिया क्षेत्र में हुआ भव्य स्वागत

समय जगत बैरसिया। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संत रविदास समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश वंदन यात्रा का भ्रमण गुरुवार को बैरसिया विधानसभा के विभिन्न पंचायतों में हुआ। यात्रा का ग्राम हिनोतिया पीरान में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं और नागरिकों में उत्साह और उमंग का माहौल दिखाई दिया। जगह-जगह लोगों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ यात्रा का स्वागत किया। यात्रा ग्राम हिनोतिया पीरान से प्रारंभ हुई और सोहाया, जनकपुर, परसोरिया, बराई, डुंगरिया, कुल्होर, इमलिया, होते हुए बसई बैरसिया पहुंच यात्रा सम्पन्न हुई। यात्रा में शामिल संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के पवित्र कलश का श्रद्धालुओं ने वंदन एवं पूजन कर सामाजिक समरसता, एकता, सद्भाव और भाईचारे का संकल्प लिया। इस दौरान संत रविदास जी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवा श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए और संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

समानता और मानव सेवा का दिया संदेश.... इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। उनके विचार आज भी हम सभी के लिए प्रेरणादायी हैं। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार सामाजिक समरसता के संकल्प के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आगे उन्होंने कहा कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उनके विचारों और आदर्शों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का अवसर है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और मजबूत समाज की नींव को और सशक्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा, उपाध्यक्ष राजमल कुशवाहा, नरेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मीनारायण शिल्पी, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष जगदीश मेहरा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे।

हिंदू एकता ही मेरा अनुष्ठान है : संत गोविंद जाने

गागर गांव में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, निकली विशाल जल कलश यात्रा

समय जगत, बोड़ा। पीपल्या रसोड़ा क्षेत्र के श्री हनुमान मंदिर परिसर ग्राम गागर में 10 से 16 सितंबर तक आयोजित होने वाली सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस से पहले गांव में विशाल जल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा के बाद कथा स्थल पर विधिवत पूजन-अर्चन के साथ कथा का शुभारंभ किया गया। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक किया जा रहा है। प्रथम दिवस कथा वाचन करते हुए संत श्री गोविंद जाने ने अपनी मधुर एवं सरल मालवी भाषा में श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। संत की ओजपूर्ण वाणी और सरल शैली ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश से जोड़ा और कथा पंडाल में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। कथा स्थल पर भगवान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

श्रीमद्भागवत जीवन को सद्मार्ग की ओर ले जाने वाला ग्रंथः संत श्री गोविंद जाने ने श्रीमद्भागवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण में 18 हजार मंत्र हैं और 18 अंक पूर्णता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा सद्ग्रंथ है, जो मनुष्य को धर्म, भक्ति, संस्कार और सद्मार्ग की ओर ले जाने का संदेश देता है। भगवान की भक्ति तथा सद्ग्रंथों के श्रवण से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म और संस्कारों से जुड़ने का संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सद्कर्म करते हुए भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। कथा केवल सुनने का विषय नहीं है, बल्कि इसके संदेश को जीवन में उतारना ही कथा श्रवण का वास्तविक उद्देश्य है।

गौ माता की सेवा का दिया संदेशः कथा के दौरान संत गोविंद जाने ने गौ माता के संरक्षण एवं सेवा का विशेष संदेश दिया। उन्होंने सनातन समाज से आग्रह किया कि प्रत्येक सनातनी को गौ माता की सेवा अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ माता स्वयं एक तीर्थ के समान हैं। इसलिए तीर्थ यात्रा करने के साथ-साथ प्रत्येक परिवार को अपने घर एवं आसपास गौ सेवा का संकल्प भी लेना चाहिए। संत ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में गौ माता की महिमा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गौ माता ने भारत की पवित्र भूमि को गोकर्ण जैसे महान पुत्र दिए हैं। प्रत्येक परिवार में गौ माता के प्रति श्रद्धा, सम्मान और सेवा का भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीर्थ जाने के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। यदि घर में गौ माता हैं तो वही तीर्थ हैं। सद्ग्रंथ ही तीर्थ हैं और माता-पिता भी हमारे लिए तीर्थ के समान हैं। संत के इस संदेश पर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कथा के प्रथम दिवस संत श्री गोविंद जाने ने श्रीमद्भागवत से जुड़े विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, कर्म, भक्ति और संस्कारों का महत्व समझाया। उन्होंने धुंधकारी का दृष्टांत सुनाते हुए बताया कि मनुष्य को अपने जीवन में सद्कर्म, भक्ति और अच्छे संस्कारों का पालन करना चाहिए। गलत कर्मों का परिणाम व्यक्ति को स्वयं भुगतना पड़ता है, जबकि सद्कर्म एवं भक्ति जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं।

उमंग सिंगार की पहल पर संस्था 'एक पहल' का आयोजन, श्रद्धालुओं को बांटी गई गणेश प्रतिमाएं

समय जगत, धार। गणेश उत्सव की शुरुआत से पहले जीराबाद में आस्था और सेवा की अनोखी तस्वीर देखने को मिली। संस्था 'एक पहल' के तत्वावधान में गणेश प्रतिमा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर साल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और अपने घरों में गणपति बप्पा की स्थापना के लिए प्रतिमाएं प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। गंधवानी विधायक एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की पहल से आयोजित यह कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता का संदेश भी दे रहा है। एक पहल संस्था का यह

आयोजन हर वर्ष लोगों को गणेश उत्सव से जोड़ने और सामूहिक रूप से पर्व मनाने की भावना को मजबूत करता है। जीराबाद से सामने आई ये तस्वीरें साफ बयां कर रही हैं—बप्पा के आगमन से पहले ही भक्तों के बीच उत्सव का उत्साह चरम पर है।

149 बच्चों के भविष्य पर ताला !

- गोमगांव में ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर उठे सवाल, 4.20 बजे ही स्कूल बंद करने की तैयारी
- 6 शिक्षकों में 3 पहले ही नदारद, समय से पहले बच्चों को भेजा घर, कैमरा पहुंचते ही ठिठके कदम

समय जगत, खिरकिया। शिक्षा व्यवस्था में समय की पाबंदी और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ई-अटेंडेंस जैसी डिजिटल व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों पर सवाल खड़े करती नजर आ रही है। गोमगांव की शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में निर्धारित समय से पहले ही स्कूल बंद करने की तैयारी का मामला सामने आया है। यहां दर्ज लगभग 149 छात्र-छात्राओं की पढ़ाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार गोमगांव की प्राथमिक शाला में 72 विद्यार्थी, जबकि माध्यमिक शाला में 77 विद्यार्थी दर्ज हैं। यानी दोनों विद्यालयों में लगभग कुल 149 बच्चे अध्ययनरत हैं। आरोप है कि स्कूल में निर्धारित समय पूरा होने से पहले ही बच्चों को घर भेजने की तैयारी शुरू कर दी गई थी।

दिखाई दिया छुट्टी का माहौल: बताया गया कि शाम करीब 4.20 बजे स्कूल परिसर में छुट्टी का माहौल नजर आया। शासकीय माध्यमिक शाला में पदस्थ कुल 6 शिक्षकों में से 3 शिक्षक निर्धारित समय से पहले ही स्कूल से गायब बताए गए। वहीं मौजूद शिक्षक बच्चों को समय से पहले घर भेजने के बाद स्कूल बंद करने की तैयारी में थे। इसी दौरान मीडिया टीम मौके पर पहुंच गई। कैमरा देखकर स्कूल में मौजूद शिक्षकों के कदम ठिठक गए और ताला लगाने की प्रक्रिया रोक दी गई। इसके बाद शिक्षक स्कूल परिसर में ही रुक गए।

निर्धारित समय पर उपस्थिति : मामले का सबसे गंभीर पहलू ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर सामने आ रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ शिक्षक सुबह ई-अटेंडेंस लगाने के बाद स्कूल परिसर से बाहर दिखाई देते हैं और स्कूल का निर्धारित समय समाप्त होने के आसपास दोबारा ई-अटेंडेंस लगाने के लिए पहुंचते हैं। यदि यह जानकारी जांच में सही पाई जाती है तो यह डिजिटल उपस्थिति व्यवस्था की निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगी। आखिर ई-अटेंडेंस दर्ज होने के बाद शिक्षक विद्यालय में मौजूद हैं या नहीं, इसकी वास्तविक निगरानी कौन कर रहा है?

लगभग 149 बच्चों की पढ़ाई का जिम्मेदार कौन ?: विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे शिक्षा के लिए स्कूल पहुंचते हैं। ऐसे में यदि निर्धारित समय से पहले ही विद्यालय में पढ़ाई बंद कर बच्चों को घर भेज दिया जाए तो इसका सीधा असर उनकी शिक्षा पर पड़ सकता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए विद्यालय का प्रत्येक शिक्षण दिवस महत्वपूर्ण होता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि डिजिटल हाजिरी और विभागीय निगरानी के बावजूद स्कूलों में समय की ऐसी अनदेखी हो रही है, तो फिर वास्तविक स्थिति की निगरानी कैसे हो रही है, यह जांच का विषय है।

जांच हुई तो सामने आ सकती है पूरी तस्वीर: मामले में यह भी जांच का विषय है कि, संबंधित शिक्षकों ने किस समय विद्यालय में उपस्थिति दर्ज की विद्यालय में वास्तविक रूप से कितने समय मौजूद रहे और निर्धारित छुट्टी के समय से पहले बच्चों को किसके निर्देश पर घर भेजा गया। यदि मौके की स्थिति और ई-अटेंडेंस रिकॉर्ड का मिलान किया जाए तो वास्तविकता सामने आ सकती है। जरूरत इस बात की है कि विभाग केवल डिजिटल उपस्थिति के आंकड़ों पर निर्भर न रहे, बल्कि अचानक निरीक्षण कर विद्यालयों में शिक्षकों की वास्तविक उपस्थिति और शिक्षण कार्य की स्थिति भी जांचे।

ग्रामीणों ने कार्रवाई की उठाई मांग: मामले को लेकर ग्रामीणों एवं अभिभावकों में नाराजगी बताई जा रही है। उनका कहना है कि बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से गोमगांव स्कूल का अचानक निरीक्षण कराने, ई-अटेंडेंस रिकॉर्ड की जांच करने तथा निर्धारित समय से पहले विद्यालय बंद करने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। अब सवाल यह है कि क्या शिक्षा विभाग लगभग 149 बच्चों की पढ़ाई से जुड़े इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच कराएगा या फिर ई-अटेंडेंस के आंकड़ों को ही वास्तविक उपस्थिति मानकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

इनका कहना है

आपके द्वारा मामला संज्ञान मे आया, जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जायगी।
नवीन प्रहलादी,
विकासखंड शिक्षा अधिकारी खिरकिया

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जनपद कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक

जनपद सदस्य अंशुज शर्मा के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एवं रोजगार के अवसरों पर हुई चर्चा

समय जगत, नटेरन। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जनपद कार्यालय नटेरन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व जनपद सदस्य अंशुज शर्मा ने किया। इस दौरान महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें रोजगार से जोड़ने तथा स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में प्रतिभा और मेहनत की कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने की। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जोड़कर विभिन्न रोजगारमूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। जनपद सदस्य अंशुज शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए धरातल पर ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बैठक में महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक गांव तक पहुंचाने और महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया गया। बैठक को क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में ऐसे प्रयास आने वाले समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे सकते हैं।

42 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त, 300 किलो महुआ लहान मौके पर किया नष्ट

समय जगत, खिरकिया। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत छीपाबड़ पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस टीम ने ग्राम चारूवा, सोनपुरा एवं सोनपुरा कॉलोनी में कार्रवाई करते हुए कुल 42 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 8,400 रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरदा के निर्देश, एसडीओपी रॉबर्ट गिरवाल खिरकिया के मार्गदर्शन तथा छीपाबड़ थाना प्रभारी संतोष चौहान के नेतृत्व में 10 सितंबर 2026 को की गई।

चारूवा में की गई शराब बरामद: पुलिस टीम ने ग्राम चारूवा में दबिश देकर अवैध रूप से शराब बेचते पाए जाने पर करीब 6 लीटर शराब बरामद की। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

सोनपुरा कॉलोनी में दो स्थानों पर कार्रवाई: इसके बाद पुलिस ने सोनपुरा कॉलोनी में कार्रवाई करते हुए एक स्थान से 6 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा दूसरे स्थान से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की। दोनों मामलों में भी आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। ग्राम सोनपुरा में पुलिस ने दबिश देकर 20 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की।

विधायक के नेतृत्व में समरसता संकल्प यात्रा आयोजित

समय जगत, शहडोल। संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को ब्यौहारी में विशाल समरसता संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शरद कोल ने किया। यात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और सामाजिक चेतना का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह यात्रा टंकी तिराहा, ब्यौहारी से प्रारंभ होकर विनायक पैलेस पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजकों के अनुसार, यात्रा में करीब 1000 से अधिक वाहन और 100 से अधिक ऑटो शामिल हुए। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के चलते पूरे मार्ग में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। बताया गया कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की जन्मभूमि वाराणसी से प्रारंभ हुई कलश यात्रा ब्यौहारी पहुंची थी। यात्रा के दौरान संत रविदास महाराज के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समानता, भाईचारे तथा मानवता के संदेश को लोगों तक पहुंचाया गया। उपस्थित लोगों ने संत रविदास महाराज के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की रही मौजूदगी: कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता राजन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री राम लखन खटीक, प्रचार प्रमुख श्री रामदुलारे प्रजापति, एसपी श्री साकेत, श्री सुंदरलाल साकेत, पार्षद श्री सोनू साकेत, पार्षद श्रीमती चंदा देवी चौधरी, श्री दिनेश साकेत, सरपंच श्री हीरालाल साकेत, श्री देवीदीन प्रजापति एवं श्रीमती राधिका साकेत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा इंजीनियर श्री कमल खटीक ने किया। कार्यक्रम प्रभारी श्री पुष्पेंद्र पटेल ने आभार व्यक्त किया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मां सरस्वती एकेडमी के छात्र संभाग स्तर पर दिखायेंगे अपना जलवा

मुकेश बैरागी-समय जगत , जीरापुर। सारंगपुर में आयोजित जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मां सरस्वती एकेडमी के छात्र संभाग स्तर पर अपना जलवा दिखाएंगे इस श्रेणी मे जूनियर वर्ग में 800 मीटर दौड़ में मनीष दांगी ,शॉट पुट प्रतियोगिता में विजय सिंह दांगी एवं सीनियर वर्ग में ही 200 मीटर दौड़ में जसवंत दांगी, हैमर प्रतियोगिता में विजय सिंह उमठ और मिनी वर्ग में हडल रेस में कनिष्क राठौर राजगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे विजेताओं की उपलब्धि के लिए संस्था प्राचार्य सुरेश कुमार सुमन एवं संस्था परिवार द्वारा खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया ओर छात्रो को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)

लूट और बमबाजी के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

समय जगत, कटनी। रंगनाथ नगर पुलिस ने लूट की वारदात के बाद फरियादी को धमकाने और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज न करने का दबाव बनाने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार और सुमित रैकवार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार 6 सितंबर को दीपक सिंह अपने घर जा रहा था, तभी श्मशान भूमि बांउड्री के पास गड्ढा टोला क्षेत्र में पहुंचने पर अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार और उसके साथियों ने उसे रोककर गाली गलौज की तथा शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने उसकी जेब से 2800 रुपये निकाल लिए और मारपीट की। इसके बाद अर्जुन ने चाकू दिखाकर उसे डराया और पुलिस में शिकायत करने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। लूट की घटना के बाद आरोपियों द्वारा फरियादी को भयभीत करने के उद्देश्य से उसके परिजनों के घरों के आसपास बमबारी कर दहशत फैलाने का प्रयास किया गया। पुलिस के मुताबिक 6 सितंबर की शाम करीब 7.30 बजे दीपक सिंह का भाई विक्रम सिंह अपनी बड़ी मम्मी के घर के सामने खड़े थे। इसी दौरान अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार, सुमित रैकवार और अन्य साथी वहां पहुंचे और घर के बाजू की दीवार की ओर सुअर बम फेंका। बम फटने की आवाज सुनकर फरियादी डर के कारण मौके से भाग गया। घटना स्थल से बम फटने का सामान भी बरामद किया गया। शिकायत पर रंगनाथ नगर थाने में दोनों घटनाओं के संबंध में अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए रंगनाथ नगर पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी। पुलिस ने 48 घंटे के भीतर अर्जुन उर्फपुड़ी डुमार और सुमित रैकवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश जारी है। आदतन अपराधी है अर्जुन पुलिस के अनुसार अर्जुन उर्फ पुड़ी डुमार आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ कटनी जिले के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक संगीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी संकलित कर नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। कार्रवाई में रंगनाथ नगर थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय, एएसआई बहादुर सिंह, प्रधान आरक्षक प्रमोद सिंह, प्रधान आरक्षक महेंद्र दुबे, प्रधान आरक्षक पवन पाठक, प्रधान आरक्षक अजय तिवारी, आरक्षक वीरेंद्र दहायत, आरक्षक माधव साहू सहित पुलिस बल की भूमिका रही।

ग्राम पंचायत भुलगवां में भ्रष्टाचार हुआ उजागर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को आवेदन देकर कार्यवाही की मांग

समय जगत, पन्ना। जनपद पंचायत गुण और अंतर्गत ग्राम पंचायत भुलगवां में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत गुनौर से आवेदन के माध्यम से की है 8 सितंबर 2026 को ग्रामीणों ने लिखित आवेदन देकर पंचायत के विभिन्न कार्यों, भुगतान, अभिलेखों और पंचायत संपत्तियों की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने का अनुरोध किया है

ग्राम पंचायत के मजरा टोला ग्राम: बामुरहा की सीसी सड़क–कागजों में दिखाकर राशि हड़प करने का मामला सामने आया है।ग्रामीणों की शिकायत में बामुरहा में मोतीलाल दहायत के घर से दयाराम के घर तक सीसी सड़क को लेकर सवाल उठाए गए हैं जानकारी के अनुसार। बामुरहा ग्राम में सीसी सड़क कार्य की स्वीकृत लागत पांच लाख चालीस हजार स्वीकृत की गई थी जिसमें चार लाख तिराशी हजार खर्च कर दी गई लेकिन मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं है ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद लेबर, मिक्सचर मशीन और निर्माण सामग्री आनन-फानन डाली गई। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि पहले से बनी लगभग 40 मीटर सीसी सड़क को 100 मीटर दर्शाकर मूल्यांकन कराने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस प्रकार से और भी अनेक कार्य ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव उपयंत्री द्वारा कराए गए हैं तथा शासकीय राशि हड़प की गई है ग्रामीणों के आवेदन में आरोप लगाया गया है कि वर्तमान महिला सरपंच श्रीमती शीला बाई दहायत के स्थान पर उनके पुत्र श्री सचिन दहायत द्वारा पंचायत के विभिन्न कार्यों/दस्तावेजों में हस्ताक्षर किए जाने की स्थिति रही है। मामले को लेकरग्रामीणों ने संबंधित दस्तावेजों और हस्ताक्षरों का सत्यापन कराने की मांग की है। पंचायत भवन का टी बी भी पंचायत भवन से गायब बताया जा रहा है ग्रामीणों के आवेदन में पंचायत भवन के टीवी को लेकर भी शिकायत की गई है। आरोप है कि टीवी लगभग एक वर्ष से पंचायत भवन में उपलब्ध नहीं है और निजी स्थान पर रखा गया है। ग्रामीणों द्वारा पंचायत के तीन साल के रिकॉर्ड की जांच की मांग भी की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत में हुए भारी भ्रष्टाचार की जांच जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालनअधिकारी को करा कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तत्काल करनी चाहिए। जिससे आगे इस प्रकार के भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, कई स्थानों से शराब जब्त

समय जगत, श्योपुर। जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने 8 सितंबर को अलग–अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में देशी प्लेन, मसाला और हाथभट्टी से बनी कच्ची शराब जब्त की है। सभी मामलों में आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। ढोढर थाना पुलिस ने दो अलग–अलग कार्रवाई में खेरोदा कलां निवासी रुपसिंह जाटव से 18 क्वार्टर प्लेन शराब कीमत 1800 रुपए तथा खोदीपुरा निवासी साखन सेंगर से 25 क्वार्टर प्लेन शराब कीमत 2500 रुपए की जब्ती की। बड़ौदा पुलिस ने भिलवाडध्यिा निवासी इन्दरगाज बैरवा से 6 लीटर और मंडी निवासी रामराज केवट से 7 लीटर कच्ची शराब पकड़ी। बरगवां पुलिस ने गढ़ला निवासी लखन आदिवासी से 7 लीटर कच्ची शराब जब्त की। गसवानी पुलिस ने बड़ौदा कलां निवासी महेन्द्र परिहार से 23 क्वार्टर प्लेन शराब पकड़ी। रघुनाथपुर पुलिस ने परास्ढा नहर फाटक के पास मंगल बंजारा से 5 लीटर कच्ची शराब जब्त की। कराहल थाना पुलिस ने पनवाड़ा निवासी केशरी बाई से 8 लीटर कच्ची शराब पकड़ी। अगरा पुलिस ने पालपुर निवासी संतोष कुशवाह को 18 क्वार्टर प्लेन शराब बेचते हुए पकड़ा। मानपुर पुलिस ने सियापुर निवासी रामुकुट मीणा से 17 क्वार्टर देशी प्लेन शराब जब्त की। कोतवाली पुलिस ने ढेगदा निवासी सीयासम आदिवासी से 8 लीटर कच्ची शराब पकड़ी।

मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाने का बमोरी में दिया गया प्रशिक्षण

श्योपुर। पर्यावरण संरक्षण और सनातन संस्कृति के संवर्धन के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के परिपालन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद तथा नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत कराहल विकास खंड में आज बरगवां सेक्टर के ग्राम बमोरी में नवांकुर संस्था जय हिन्द समाज कल्याण समीति द्वारा माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम विकास प्रस्फुटन समीतियों के सदस्यों के साथ ग्रामीणों को माटी के गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। परिषद की जिला समन्वयक नेहा सिंह ने अभियान की कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि जिले के आमजन और युवाओं को मिट्टी की मूर्तियां स्वयं बनाने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम में बमोरी में माटी से गणेश प्रतिमा बनाने में ग्रामीणों ने बढचढ कर भागीदारी की। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक नीतू गौतम द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आंगनवाड़ी सहायिका पद की अनंतिम सूची की गई जारी

श्योपुर। महिला बाल विकास परियोजना श्योपुर ग्रामीण–01 में रिक्त आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के पदो के संबंध में अनंतिम सूची जारी की गई है। एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा की अध्यक्षता में खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जनपद अध्यक्ष श्रीमती रीना आशीष मीणा, सीईओ जनपद श्योपुर अभिषेक त्रिवेदी एवं परियोजना अधिकारी श्योपुर ग्रामीण–01 अंजू कौरव आदि सदस्य उपस्थित रहें। चयन समिति द्वारा अनुमोदित अनंतिम सूची जारी की गई है।

निजी स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी

चलती स्कूल वैन से गिरकर मासूम छात्र की मौत

समय जगत, कटनी। जिले के विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत बुधवार एक अत्यंत हृदयविदारक व दर्दनाक सड़क दुर्घटना में स्कूल वैन से गिरकर एक मासूम छात्र की असामयिक मौत हो गई। इस भीषण हादसे के बाद जहां पीड़ित परिवार में चीख-पुकार मच गई, वहीं समूचे क्षेत्र में गहरा शोक व मातम पसर गया है। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में निजी शिक्षण संस्थानों की लचर व्यवस्था और परिवहन सुरक्षा को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों व प्राप्त जानकारी के अनुसार, मासूम रोजाना की भांति स्कूल की वैन में सवार होकर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में वैन का दरवाजा अचानक खुल जाने अथवा वाहन के अनियंत्रित होने के कारण बच्चा सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना घटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों व राहगीरों की मदद से लहूलुहान बच्चे को तत्काल उपचार हेतु नजदीकी शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपस्थित चिकित्सकों ने परीक्षणोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन से बच्चे की मृत्यु की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर स्कूली वाहनों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों व अभिभावकों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित अधिकांश निजी स्कूलों के वाहनों में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। वाहनों में न तो सुरक्षित लॉक सिस्टम दुरुस्त रहता है और न ही बच्चों की देखरेख के लिए कोई महिला या पुरुष परिचालक (अटेंडेंट) तैनात किया जाता है। अनफिट व ओवरलोड वाहनों में नौनिहालों की जान जोखिम में डालकर धड़ल्ले से परिवहन कराया जा रहा है, जिस पर प्रशासनिक नियंत्रण का अभाव स्पष्ट नजर आता है। हादसे की सूचना प्राप्त होते ही विजयराघवगढ़ थाना पुलिस बल तत्काल मौके व अस्पताल पहुंचा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। वाहन चालक की लापरवाही और वाहन की फिटनेस व स्कूल प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, जांच उपरांत दोषियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लोक सेवा आवेदनों का समय सीमा में सुनिश्चित हो निराकरण : श्री यादव

दमोह, समय जगत। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010 के तहत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में वास्तविक रूप से लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप नागरिकों को चिन्हित लोक सेवाओं का लाभ तय समय सीमा के भीतर मिलना चाहिए। कलेक्टर ने बताया कि आवेदकों द्वारा एमपीई डिस्ट्रिक, आरसीएमएस, पेंशन सहित विभिन्न पोर्टलों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दर्ज किए जाते हैं। आवेदन की रसीद में संबंधित सेवा के निराकरण की अंतिम तिथि अंकित रहती है। पदाभिहित अधिकारी का दायित्व है कि अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन का निराकरण सुनिश्चित करें। आवेदन स्वीकृत होने पर आवेदक को सेवा का लाभ मिले तथा निरस्त होने की स्थिति में कारण सहित सूचना दी जाए। उन्होंने कहा पोर्टल की रिपोर्ट के अवलोकन में सामने आया है कि कुछ पदाभिहित अधिकारियों द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि के शाम 6 बजे के बाद भी आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। इससे अंतिम तिथि को लोक सेवा केंद्र पहुंचने वाले आवेदकों को कार्यालयीन समय में प्रमाण पत्र अथवा आवश्यक दस्तावेज प्राप्त नहीं हो पाते हैं। यह स्थिति अधिनियम एवं शासन की मंशा के विपरीत है। श्री यादव ने पदाभिहित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों का निराकरण अंतिम तिथि से कम से कम एक दिन पूर्व करने का प्रयास किया जाए तथा संबंधित प्रमाण पत्र एवं दस्तावेज समय रहते लोक सेवा केंद्रों को भेजे जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अंतिम तिथि के शाम 6 बजे के बाद एक भी आवेदन लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने पूर्व में जारी निर्देशों और समीक्षा बैठकों में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है।

संत रविदास जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के तहत गांव-गांव पहुंच रही कलश वंदन यात्रा

राज्यमंत्री श्री लोधी के नेतृत्व में आयोजित हो रही है यात्रा

दमोह, समय जगत। संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में निकाली जा रही यह यात्रा गांव.गांव पहुंचकर सामाजिक समरसता और संत रविदास के विचारों का संदेश दे रही है। राज्यमंत्री ने कहा संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पावन माटी, जल एवं अमृतवाणी ग्रंथ को विधानसभा क्षेत्र में निर्मित संत रविदास जी के मंदिरों में यात्रा के दौरान स्थापित कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य क्षेत्रवासियों को संत रविदास के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 100 करोड़ रुपये की लागत से सागर में संत रविदास का मंदिर निर्मित कराया जा रहा है। मंदिर का भूमिपूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया था और निर्माण कार्य निरंतर जारी है। मंदिर पूर्ण होने के बाद देश-विदेश से श्रद्धालु संत रविदास के दर्शन के लिए सागर पहुंचेंगे। द्वितीय दिवस 14 ग्रामों में पहुंचेगी कलश वंदन यात्राः कलश वंदन यात्रा के द्वितीय दिवस सिंग्रामपुर से प्रारंभ होकर गुबरा, कुसमी, पटना कुआं, सिंगपुर, भजिया, अमदर, पौड़ी, कोड़ाकला, कोठा, हरदुआ सड़क, भाटखमरिया, माड़नखेड़ा, हर्रई एवं सिंगौरगढ़ सहित 14 ग्रामों में पहुंचेगी।

नवनिर्मित आयुष विभाग के भवन में टपक रहा पानी, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

समय जगत, पन्ना। मध्य प्रदेश पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा जिला आयुष विभाग के लिए बनाई गई नवनिर्मित बिल्डिंग में जगह-जगह सीलन और पानी टपकने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि इस भवन का हैंडओवर कुछ समय पूर्व ही हुआ है, इसके बावजूद भवन की दीवारों और अन्य हिस्सों में अत्यधिक सीलन दिखाई दे रही है। ऐसे में नवनिर्मित भवन की निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जानकारी के मुताबिक बारिश के दौरान बिल्डिंग के कई कमरों में पानी टपकने लगा। लगातार पानी टपकने के कारण कार्यालय के महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सामान को सुरक्षित स्थान पर रखना पड़ा। वहीं भवन की दीवारों पर भी नमी और सीलन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।भवन की सीढ़ियों पर भी अत्यधिक सीलन देखी जा रही है। इतना ही नहीं, सीढ़ियों के नीचे रखे दवाइयों के कार्टून के आसपास भी सीलन पहुंच रही है। यदि समय रहते इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया तो दवाइयों और अन्य सामग्री के खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब भवन का निर्माण हाल ही में हुआ और इसे विभाग को हैंडओवर भी कर दिया गया, तो इतनी जल्दी भवन में पानी रिसने और सीलन की समस्या कैसे सामने आ गई? क्या निर्माण के दौरान गुणवत्ता के मानकों का पालन किया गया था? क्या भवन के निर्माण कार्य की तकनीकी जांच हुई थी? मामले की जानकारी जिला प्रशासन के संज्ञान में भी आई है। अब देखना होगा कि प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

सांसद की अध्यक्षता में दिशा की बैठक की गई आयोजित

समय जगत, श्योपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर की अध्यक्षता में दिशा समिति बैठक आयोजित की गई जिसमें सांसद श्री तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इसी वर्ष से शुरू की गई द्वारिका योजना के तहत शहरी अधोसंरचनाओं को विकसित करने सहित सडक और नालों के निर्माण आदि कार्यो को शामिल करते हुए प्रस्ताव तैयार किये जायें तथा प्रस्ताव की कॉपी उन्हें भी दी जायें, जिससे नगरीय निकायों के लिए यह कार्य स्वीकृत कराये जा सकेंगे। बैठक में कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, विधायक बाबू जण्डेल, डीएफओ कूनो आर थिरूकुराल, सामान्य केएस रंधा, सीईओ जिला पंचायत कार्तिकेय जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर शिवलाल शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, नपाध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग, जनपद अध्यक्ष रीना आशीष मीणा, कराहल बत्तो बाई आदिवासी, नरेश रावत सहित अन्य सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। कलेक्टर शीला दाहिमा ने बताया कि जिले के अधोसंरचनात्मक विकास को निरंतर गति मिल रही है, पीएमजीएसवाय-4 योजना में हाल ही में 48 सडको के नये टेण्डर हुए है तथा पीएम जनमन में 57 सडके बनाई जायेंगी। सलापुरा से मातासूला तक 6 किलोमीटर सडक निर्माण की डीपीआर भी भेजी गई है। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवदा बांध की सुरक्षा जांच समिति के माध्यम से कराई जायें तथा मरम्मत आदि कार्यो के लिए उनके माध्यम से पुनः प्रस्ताव भेजे जायें। उन्होंने कृषि उपज मंडी लिंक रोड निर्माण का प्रस्ताव भी मंडी बोर्ड को भेजने के निर्देश दिये। बैठक में कूनों नेशनल पार्क में चीता सफारी को लेकर भी सांसद ने विशेष योजना बनाने के निर्देश दिये, उन्होंने कहा कि टिकटोली गेट को ही मुख्य रूप से विकसित किया जा रहा है जहां कूनो सफारी के लिए यहां जिप्सियां भी उपलब्ध है, सफारी के लिए ऑनलाइन बुकिंग सुविधा संचालित है तथा शीघ्र ही कूनों वनमंडल श्योपुर कार्यालय में बुकिंग के लिए काउंटर भी शुरू किया जा रहा है।

नगरपालिका मैरिज गार्डन में होगा जनसंवाद कार्यक्रम, तैयारियों को लेकर बैठक की गई आयोजित

श्योपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत नगरपालिका श्योपुर के तत्वाधान में श्योपुर जिला मुख्यालय पर 11 सितंबर शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम नगरपालिका मैरिज गार्डन शिवपुरी रोड पर दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा। इसके पूर्व प्रातः 10 बजे से अधिकारियों के दलो द्वारा भ्रमण कर विभिन्न शासकीय संस्थाओं, परिसंपत्तियों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का आंकलन किया जायेगा। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशन में 11 सितंबर को नगरपालिका मैरिज गार्डन में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम में विभिन्न वार्डो के नागरिक शामिल होंगे। डिप्टी कलेक्टर एवं डूडा प्रभारी विजय शाक्य ने बताया कि जनसंवाद कार्यक्रम के पूर्व से ही नगरपालिका श्योपुर द्वारा वार्ड प्रभारियों के माध्यम से आवेदन प्राप्त किये जा रहे है।

खाद्य विभाग का अमला है सक्रिय

गुणवत्ता परखने को लिए गए सैंपल

समय जगत, श्योपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आमजन को मानक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सतत् रूप से खाद्य पदार्थो की जांच एवं सैम्पल लेने की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी धमेन्द्र जैन ने बताया कि वीरपुर में 3 डेयरियों पर रेपिड किट के माध्यम से दूध तथा दूध से बने उत्पादों में कैमिकल मिलावट की जांच की गई। इसके साथ ही तीन दूध डेयरियों से दूध के सैम्पल भी लिये गये है। उन्होंने जानकारी दी कि वीरपुर में लीलदा रोड पर जादौन डेयरी सबलगढ के मिल्क टेंकर से मिक्स दूध के सैम्पल लिये गये। इसी प्रकार दुर्गा डेयरी वीरपुर से देशी घी और श्रीराम डेयरी वीरपुर से घी, मिल्क क्रीम एवं पनीर के सैम्पल लेने की कार्यवाही की गई है। सैम्पलों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है, जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उक्त तीनो स्थानों पर रेपिड किट के माध्यम से दूध एवं दूध से बने उत्पादों में कैमिकल की जांच भी की गई।

रश्मि राजा सिंह, मयूरी सिंह, रेवा सिंह ने सैकड़ों लोगों के साथ भारतीय जनता पार्टी की ली सदस्यता

रीवा। सदस्यता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि रश्मि राजा सिंह, मयूरी सिंह, रेवा सिंह सहित शामिल सभी सदस्यों का भारतीय जनता पार्टी परिवार में हार्दिक स्वागत करता हूँ। हमारी सरकार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार एवं संगठन में सबसे ज्यादा महिलाओं की सहभागिता है। हमारी राज्य सरकार पंचायत एवं नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू की है और यदि कांग्रेस पार्टी और विपक्ष का सहयोग मिल जाता तो लोकसभा एवं विधानसभा में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू हो जाता है। कांग्रेस व पूरा विपक्ष महिलाओं के आरक्षण को रोक कर अत्याचार किया है जिसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। सदस्यता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 से भाजपा के गठन के बाद 2 सीट से शुरूआत करके आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है तो हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी विश्व में सबसे ज्यादा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले नेता है। आज भारत की विश्व में इतनी सम्मान है कि भारतीय छात्रों को निकलने के लिए युद्ध भी बंद हो जाते है। रूस यूक्रेन युद्ध में पाकिस्तान के छात्र भी भारत का झण्डा लेकर बाहर निकले थे। 1951 में हमारे दल के गठन के समय एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान को समाप्त करने का जो संकल्प लिया गया था उसे हमारी सरकार ने धारा 370 खत्म करके आतंकवाद का सफाया किया। हमारी सरकार का विजन है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। मैं रश्मि सिंह जी और मयूरी सिंह जी तथा सभी लोगो का भारतीय जनता पार्टी में स्वागत करता हूँ।

सदस्यता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक नागेन्द्र सिंह ने कहा मेरे लिए यह बहुत भावनात्मक क्षण है। मेरा पूरा परिवार मोदी जी विजन और भाजपा के प्रति समर्पित रहा है और हमेशा समर्पित रहेगा। हमे जो गुढ क्षेत्र का जो अर्शीवाद मिला है वह अतुलनीय और अप्रतीम है। मै गुढ के लिए हमेशा अपना सर्वोपरी दिया हूँ और देता रहूगा। भाजपा के शासन में गुढ सहित रीवा का जो विकास हुआ है वह अप्रतिम है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल, 40-50 गिरफ्तार

रीवा। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कथित लापरवाही और कल्पना मिश्रा की मौत के मामले को लेकर चल रहे कांग्रेस के न्याय सत्याग्रह के दौरान गुरुवार को पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति बन गई। कांग्रेस नेताओं के अनुसार सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा समेत कार्यकर्ता कल्पना मिश्रा के परिजनों से मिलने जा रहे थे, जबकि पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारी कमिश्नर कार्यालय का घेराव करने के लिए आगे बढ़ रहे थे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के दौरान पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पुलिस के मुताबिक करीब 40 से 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता स्वास्थ्य मंत्री के आवास की ओर नहीं जा रहे थे, बल्कि सिरमौर चौराहे पर धरने पर बैठे कल्पना मिश्रा के परिजनों से मिलने जा रहे थे। वहीं कांग्रेस नेता विक्रांत भोरिया ने पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आंदोलन की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

विक्रांत भोरिया ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने आंदोलन को दबाने के लिए बल प्रयोग किया, वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिससे कई लोगों को परेशानी हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि अब भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव का घेराव किया जाएगा और बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। वहीं पुलिस का कहना है कि कांग्रेस कार्यकर्ता कमिश्नर कार्यालय का घेराव करने के लिए आगे बढ़ रहे थे। उन्हें रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन जब वे नहीं माने तो वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल कर उन्हें रोका गया।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कांग्रेस का न्याय सत्याग्रह तेज

जीतू पटवारी ने सरकार पर बोला हमला - व्यवस्थाओं पर उठाए गंभीर सवाल

समय जगत, रीवा। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कथित लापरवाही और मौतों के मुद्दे को लेकर कांग्रेस का न्याय सत्याग्रह लगातार तेज होता जा रहा है। रीवा में जिला कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस नेता विक्रांत भूरिया के नेतृत्व में चल रहे धरने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। उन्होंने मंच से प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर तीखा हमला बोलते हुए स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए। पटवारी ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी स्वास्थ्य मंत्री को पद से हटाने की अपील की। रीवा पहुंचे जीतू पटवारी ने अपने संबोधन की शुरुआत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कथित लापरवाही से प्रभावित परिवारों का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कल्पना मिश्रा के मामले को उठाते हुए कहा कि जब कोई महिला आईसीयू से बाहर आकर यह कहे कि उसे बचा लिया जाए और उसकी जान को खतरा है, तो उस परिस्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए। उन्होंने

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल को संबोधित करते हुए कहा कि जिस परिवार को न्याय की जरूरत है, उसके प्रति स्वास्थ्य मंत्री का क्या दायित्व है, इस पर उन्हें विचार करना चाहिए। पटवारी ने कहा कि यदि कल्पना मिश्रा की जगह किसी मंत्री या प्रभावशाली परिवार की बेटी होती तो क्या हालात ऐसे ही रहते? उन्होंने प्रदेश की जनता से सवाल करते हुए कहा कि आम परिवारों के साथ होने वाली घटनाओं को लेकर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है और सरकार लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है।उन्होंने नवजात बच्चों की मौत का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। पटवारी ने कहा कि जब किसी घर में बच्चा जन्म लेता है तो पूरा परिवार खुशी मनाता है। मां अपने बच्चे को गोद में लेती है, पिता और परिवार के अन्य सदस्य उसके भविष्य के सपने देखते हैं। ऐसे में यदि इलाज की व्यवस्था में कथित लापरवाही के कारण किसी नवजात की जान चली जाए तो यह बेहद गंभीर और संवेदनशील विषय है। उन्होंने सरकार से पूछा कि ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा। रीवा में कांग्रेस के न्याय सत्याग्रह की पृष्ठभूमि में दो बड़े मामलों को प्रमुख कारण बताया जा रहा है। पहला मामला रीवा के गांधी मेमोरियल अस्पताल में कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत से जुड़ा है, जिसमें परिजनों की ओर से चिकित्सकीय लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दूसरा मामला बालाघाट जिले में आदिवासी बच्चों की मौत से जुड़ा संवेदनशील प्रकरण है, जिसने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस इन दोनों घटनाओं को लेकर सरकार को लगातार घेर रही है।जीतू पटवारी ने बालाघाट की घटना का उल्लेख करते हुए कथित रूप से बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार दवा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो विभाग के मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियां अब केवल स्थानीय स्तर का मुद्दा नहीं रह गई हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अपने भाषण में पटवारी ने सरकारी अस्पतालों की स्थिति को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल आम नागरिक के लिए जीवन बचाने और उपचार उपलब्ध कराने के केंद्र होने चाहिए, लेकिन प्रदेश में सामने आ रही घटनाओं के कारण इन व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य आम नागरिक के मौलिक अधिकारों से जुड़े विषय हैं और सरकार की जिम्मेदारी है कि दोनों क्षेत्रों में बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराए।पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी सीधा सवाल करते हुए कहा कि यदि स्वास्थ्य विभाग में लगातार गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जनता में असंतोष है तो सरकार को जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। उन्होंने राजेंद्र शुक्ल से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की अपील की। साथ ही कहा कि यदि स्वास्थ्य मंत्री स्वयं इस्तीफा नहीं देते तो मुख्यमंत्री को उन्हें पद से हटाने पर विचार करना चाहिए।

गणेशोत्सव की धूम, इको-फ्रेंडली प्रतिमाओं से सजेगा शहर

रीवा। गणेशोत्सव को लेकर शहर में उत्साह का माहौल बनने लगा है। गणेश चतुर्थी के नजदीक आते ही भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के निर्माण और सजावट का काम तेज हो गया है। शहर के शिल्पी कॉलोनी, धोबिया टंकी, सिरमौर चौराहा सहित अन्य निर्माण स्थलों पर मूर्तिकार दिन-रात मेहनत कर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। छोटे आकार की घरेलू प्रतिमाओं से लेकर कई फीट ऊंची विशालकाय प्रतिमाएं लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मूर्तिकारों के निर्माण स्थलों पर इन दिनों अलग-अलग आकार और स्वरूप की गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। प्रतिमाओं की आकर्षक साज-सज्जा, मुकुट, आभूषण और रंग-रोगन का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। कई प्रतिमाओं को प्राकृतिक और आकर्षक रंगों से सजाया जा रहा है, ताकि विसर्जन के बाद पर्यावरण पर कम से कम प्रभाव पड़े। पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ी जागरूकता का असर इस बार गणेश प्रतिमाओं की मांग में भी देखने को मिल रहा है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाओं की तुलना में मिट्टी से तैयार की गई इको-फ्रेंडली प्रतिमाओं को अधिक पसंद किया जा रहा है। पूजा समितियों और श्रद्धालुओं की ओर से प्राकृतिक रंगों से सजी मिट्टी की प्रतिमाओं की मांग बढ़ी है। मूर्तिकार भी लोगों की पसंद और पर्यावरणीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मिट्टी से प्रतिमाएं तैयार करने पर जोर दे रहे हैं। शहर के विभिन्न इलाकों में गणेश उत्सव समितियों द्वारा भव्य पंडालों के निर्माण की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। पंडालों को आकर्षक रूप देने के लिए सजावट और विद्युत व्यवस्था से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। कई समितियां इस बार धार्मिक और सामाजिक संदेशों पर आधारित पंडाल तैयार करने की योजना बना रही हैं। उत्सव को लेकर युवाओं और बच्चों में भी विशेष उत्साह देखा जा रहा है। गणेशोत्सव को देखते हुए बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है। गणेश प्रतिमाओं के साथ पूजा सामग्री, सजावटी सामान, फूल-मालाएं, विद्युत झालरें और अन्य सामग्री की दुकानें सज गई हैं। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराई है।

आने वाले दिनों में बाजार में खरीदारों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। गणेश चतुर्थी के दिन श्रद्धालु घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद करीब दस दिनों तक विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और अन्य आयोजन होंगे। शहर के प्रमुख गणेश पंडालों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। बताया गया है कि गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी।

सार-समाचार

ग्राम भट्लो में कुक्कुट जागरूकता-सह-नैदानिक शिविर आयोजित

रीवा। पशुचिकित्साविज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा द्वारा 9 सितंबर 2026 को ग्राम भट्लो में कुक्कुट जागरूकता–सह–नैदानिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों एवं कुक्कुटपालकों को वैज्ञानिक कुक्कुटपालन, पक्षियों के स्वास्थ्य प्रबंधन तथा रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर के दौरान कुक्कुटपालकों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक तरीके से कुक्कुटपालन, पक्षियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी, रोगों की पहचान एवं रोकथाम तथा उचित प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही, कुक्कुटपालकों द्वारा बताई गई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के संबंध में आवश्यक पशुचिकित्सा परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने कुक्कुटपालन को अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी बनाने के लिए स्वच्छता, उचित आवास व्यवस्था, संतुलित आहार, रोग नियंत्रण तथा नियमित स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर जानकारी दी। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से ग्रामीण पशुपालकों तक वैज्ञानिक पशुचिकित्सा सेवाएं एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर के सफल आयोजन में शिविर समन्वयक डॉ. शेख टी.जे. एवं सह–समन्वयक डॉ. अनिल कुमार सिंह के साथ शिविर के सदस्य डॉ. अमित कुमार झा एवं डॉ. रवि कुमार खरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त, सुरक्षा के कड़े इंतजामों पर बनी सहमति

रीवा। संजय गांधी चिकित्सालय में बुधवार देर रात आईसीयू में जबरन प्रवेश करने की कोशिश कर रहे मरीज के परिजनों द्वारा जूनियर डॉक्टरों के साथ मारपीट और दो महिला चिकित्सकों से अभद्रता के विरोध में गुरुवार सुबह से जारी जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल दोपहर एक बजे समाप्त हो गई। डॉक्टरों ने अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग को लेकर भारी बारिश के बीच अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। हड़ताल के चलते करीब चार घंटे तक अस्पताल की आपातकालीन और सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं, जिससे बड़ी संख्या में मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, एसपी गुरूकरण सिंह और अस्पताल प्रबंधन के अधिकारियों के साथ जूनियर डॉक्टरों की उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अस्पताल में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने और सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने पर सहमति बनी।बैठक में यह भी तय किया गया कि रात 8 बजे के बाद अस्पताल परिसर में आने वाले संदिग्ध और नशे की हालत में पाए जाने वाले लोगों की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी के साथ अस्पताल परिसर में अनावश्यक भीड़ और संदिग्ध गतिविधियों पर भी रोक लगाने के उपाय किए जाएंगे।प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन की ओर से सुरक्षा को लेकर दिए गए ठोस आश्वासन के बाद जूनियर डॉक्टरों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया। इसके साथ ही सभी डॉक्टर काम पर लौट आए और अस्पताल की आपातकालीन एवं सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं दोबारा शुरू हो गईं।

तीन माह बाद भी आकाशीय बिजली पीड़ित परिवार को नहीं मिली कोई सहायता राशि

रीवा। डभौरा अंचल में तीन माह पहले 9 जून की दोपहर बकरी चराते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आने से राजेश कोल और दयाशंकर यादव घायल हुए थे और इन दोनों की कुल 5 बकरियां भी मारी गई थीं। संबंधित मामले की सूचना पुलिस थाना डभौरा को तत्काल दी गई। पशु चिकित्सक के द्वारा मौके पर पहुंचकर एक बकरा और चार बकरियों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी की गई। लेकिन प्रभावित परिवार को अभी तक न्याय नहीं मिल पाया है। नारी चेतना मंच की पूर्व अध्यक्ष करुणा आदिवासी ने बताया कि आकाशीय बिजली की घटना के तीन माह पूरा हो गए लेकिन अभी तक पटवारी प्रतिवेदन की जारी नहीं हुआ है। रीवा जिले के जवा जनपद और तहसील अंतर्गत डभौरा के ग्राम गोन्ता के राजेश कोल और दया शंकर यादव गरीबी रेखा के नीचे रहते हुए किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं। दोनों के पास अलग-अलग लगभग 25-25 बकरियां हैं। इन बकरियां का भरण पोषण भी सही तरीके से नहीं हो पाता है। चरनोई क्षेत्र के घटते रकबे के चलते पशुपालन का काम काफी कठिन हो गया है। बकरियों को आसानी से उनका आहार नहीं मिल पा रहा है। बकरियों की सुरक्षित जीवन देना कठिन हो गया है। हर मौसम में उनका बचाव करना काफी मुश्किल है। खान पान सही नहीं हो बच्चा देने वाली बकरियां का दूध भी सही तरीके से उपलब्ध नहीं हो पाता है। करीब 10 साल पहले आसपास क्षेत्र में जानवरों की कोई बीमारी फैलने से बड़ी संख्या में बकरियां मारी गई थीं। उस समय भी किसी भी परिवार को सरकारी सहायता नहीं मिली थी। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि समाज के वंचित समूहों के लिए सरकार के बड़े-बड़े दावे के बाद भी उनकी मदद नहीं हो पा रही है। आकाशीय बिजली गिरने पर घायल राजेश कोल और दया शंकर को प्राथमिक उपचार भी उपलब्ध नहीं कराया गया। इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर हुआ है। मृत बकरियों का मुआवजा नहीं मिलने से दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हुई है। शासन प्रशासन को इस संबंध में तत्काल पहल करते हुए न्याय करना चाहिए।

मृत बकरियों का मुआवजा शीघ्र दिलाया जाए : करुणा आदिवासी

विधायक डॉ.दोगने ने विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया

समय जगत, हरदा। विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने द्वारा विभिन्न विकास कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को विधायक डॉ.दोगने द्वारा ग्रामीणजनों की मांग पर विधायक निधि की 12 लाख रुपये की राशि से स्वीकृत किये गए विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं पूर्ण हो चुके कार्य का लोकार्पण किया गया। विधायक डॉ.दोगने द्वारा ग्राम डुमलाय में सार्वजनिक उपयोग हेतु 03 लाख रुपये एवं ग्राम ऊचान में 02 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत सार्वजनिक छत-चबूतरा निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया।

उक्त निर्माण कार्यों से ग्रामीणजनों को सार्वजनिक आयोजनों एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इसके पश्चात हरदा विधायक द्वारा ग्राम हीरापुर में चैन सिंह के घर से शीतला माता मंदिर तक विधायक निधि की 07 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सी.सी. रोड निर्माण कार्य लोकार्पण किया। ग्राम में उक्त सड़क मार्ग निर्माण कार्य से ग्रामीणजनों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी तथा बारिश के मौसम में होने वाले कीचड़ की समस्याओं से भी ग्रामीणों को राहत मिलेगी। ग्राम को मिली उक्त सौगातों में लिए

ग्रामीणजनों द्वारा विधायक डॉ. दोगने को शाल-श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया गया व पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत कर उनका आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में विज़न स्कूल ने जीता तृतीय पुरस्कार

समय जगत, हरदा। भारत विकास परिषद (शाखा हरदा) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में विज़न इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय पुरस्कार अपने नाम कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। कक्षा 6वीं के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों काव्यांशा सिरोही, रूद्र राजपूत, आव्या राजपूत, लिकीशा मालवीय, एंजल जाट और वैदेही गुर्जर ने अपने मधुर गायन से सभी का मन मोह लिया।विद्यालय के प्रिंसिपल ने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन और संगीत शिक्षकों के बेहतरीन मार्गदर्शन का परिणाम है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर सभी विजेता प्रतिभागियों और उनके प्रशिक्षक प्रखर सर को हार्दिक बधाई दी गई। विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के संस्थापक डॉ.आर.के.दोगने, संचालक कुणाल दोगने, प्राचार्य नितेश जैन, मुकेश गुर्जर एवं समस्त विद्यालय स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

एपीएस विश्वविद्यालय में 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का शुभारंभ

व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है लोकभाषा

रीवा। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के बघेली शोधपीठ में किया जा रहा है। कुलगुरु प्रो. राजेंद्र प्रसाद कुड़रिया एवं कुलसचिव नीरजा नामदेव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला के निर्देशन एवं संचालन की जिम्मेदारी संस्कृति मंत्रालय की ओर से रीवा की सक्रिय नाट्य संस्था रंग उत्सव नाट्य समिति को दी गई है। कार्यशाला के प्रथम दिवस बघेली शोधपीठ के निदेशक डॉ. अनुराग मिश्रा सहित विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ विद्वान उपस्थित रहे। कार्यशाला के प्रशिक्षक एवं निर्देशक शुभम पाण्डेय ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को रंगमंच की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराया। इस दौरान विद्यार्थियों को वॉइस मॉड्यूलेशन, वॉइस प्रोजेक्शन एवं मंचीय अभिव्यक्ति से जुड़े विभिन्न व्यावहारिक अभ्यास भी करवाए गए।

इस अवसर पर बघेली भाषा के निदेशक डॉ. अनुराग मिश्रा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रंगमंच का प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उन्हें बघेली भाषा, लोककथाओं, लोकगाथाओं और बघेली लोकनाट्य परंपराओं के साथ-साथ बघेलखंड की समृद्ध लोक संस्कृति से परिचित कराना भी है। उन्होंने कहा कि भाषा किसी भी समाज की संस्कृति और पहचान का आधार होती है। लोकभाषा व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करती है और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि बघेली जैसी समृद्ध लोकभाषा में हमारी लोकस्मृतियां, परंपराएं, कथाएं और सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित हैं, जिन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस कार्यशाला के माध्यम से बघेलखंड के युवा कलाकारों को रंगमंच के क्षेत्र में एक नई दिशा और नई शुरुआत देने का प्रयास कर रहा है। प्रस्तुतिपरक कार्यशाला युवाओं को रंगमंच की तकनीकी बारीकियों से परिचित कराने के साथ ही उन्हें अपनी स्थानीय भाषा और संस्कृति से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। 30 दिवसीय इस कार्यशाला का विशेष आकर्षण बघेलखंड के पारंपरिक लोकनाट्य 'छाहुर' की मंचीय प्रस्तुति होगी। कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थी ही इस लोकनाट्य को मंच पर प्रस्तुत करेंगे। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अभिनय प्रशिक्षण के साथ-साथ बघेलखंड की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा को समझने, आत्मसात करने और मंच पर जीवंत करने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला में प्रशिक्षक एवं निर्देशक के रूप में शुभम पाण्डेय एवं अंकित मिश्रा विद्यार्थियों को अभिनय, वाणी, शारीरिक अभिव्यक्ति, मंच अनुशासन तथा रंगमंच की विभिन्न बारीकियों का प्रशिक्षण देंगे। कार्यशाला को इस तरह तैयार किया गया है कि प्रशिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थी एक पूर्ण मंचीय प्रस्तुति के लिए भी तैयार हो सकें।

राष्ट्रीय पोषण माह के जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं सशक्त वाहिनी अंतर्गत निःशुल्क कोचिंग का किया गया शुभारंभ

समय जगत, झाबुआ। पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम झाबुआ में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सशक्त वाहिनी अंतर्गत बालिकाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लास का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में चयनित 50 बालिकाओं को बैग तथा परिवहन विभाग के माध्यम से बनाए गए लर्निंग लाइसेंस का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि महिला एवं बाल विकास से जुड़े विषयों में पोषण का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। व्यक्ति की आयु एवं शरीर की आवश्यकता के अनुरूप संतुलित एवं पौष्टिक आहार जरूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्वस्थ भावी पीढ़ी के निर्माण के उद्देश्य से पोषण को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पोषण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जनजातीय अंचल में परंपरागत रूप से विभिन्न प्रकार की पौष्टिक भाजियों एवं स्थानीय खाद्य पदार्थों का सेवन किया जाता रहा है। हमारे पूर्वज इनका महत्व जानते थे, लेकिन नई पीढ़ी धीरे-धीरे पारंपरिक पौष्टिक आहार से दूर होती जा रही है। फास्ट फूड एवं असंतुलित खान-पान के कारण किशोरियों में एनीमिया जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। इसलिए नई पीढ़ी को स्थानीय, प्राकृतिक एवं पौष्टिक भोजन के महत्व से पुनः जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुपोषण से मुक्ति केवल किसी एक विभाग अथवा व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए जनसहयोग, सामूहिक सहभागिता और माता-पिता की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान एक माह तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर नवाचार किए जाएं तथा पोषण संबंधी जानकारी अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाई जाए। सशक्त वाहिनी अंतर्गत निःशुल्क कोचिंग के लिए चयनित बालिकाओं को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी, लगन और अनुशासन के साथ अध्ययन करें। उपलब्ध अवसर का बेहतर उपयोग कर मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त करें और अपने परिवार एवं जिले का नाम रोशन करें।कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कार्यक्रम में लगाई गई पोषण व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी जिले की समृद्ध खाद्य एवं जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करती है। स्थानीय एवं पारंपरिक व्यंजनों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने किया जिला पुस्तकालय का शुभारंभ

झाबुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान के समीप नवनिर्मित स्वरूप में जिला पुस्तकालय का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शुभारंभ के पश्चात मंत्री सुश्री भूरिया एवं कलेक्टर डॉ. भरसट ने पुस्तकालय का अवलोकन किया तथा उपलब्ध पुस्तकों एवं अध्ययन सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों एवं युवाओं द्वारा पुस्तकालय और यहां उपलब्ध पुस्तकों का अधिक से अधिक उपयोग किए जाने पर जोर दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला पुस्तकालय को नया स्वरूप दिया गया है। यहां विद्यार्थी शांत एवं बेहतर वातावरण में अध्ययन कर सकेंगे और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि पुस्तकालय में विद्यार्थियों एवं पाठकों की आवश्यकता और रुचि के अनुरूप अच्छी एवं उपयोगी पुस्तकों की उपलब्धता निरंतर बढ़ाई जाए। जिले के अधिक से अधिक बच्चे और युवा इस पुस्तकालय से जुड़ें तथा यहां उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लें। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों के संग्रह का स्थान नहीं, बल्कि ज्ञान, अध्ययन और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है।

संक्षिप्त समाचार

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर बेटमा में हुआ समरसता कलश यात्रा का भव्य स्वागत

समय जगत,बेटमा। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 जुलाई से 20 फरवरी तक राष्ट्रव्यापी श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में समरसता दीप अभियान, कलश वंदन, संत संपर्क, समरसता यात्रा, छात्र संपर्क तथा विभिन्न सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी कड़ी में गुरु नानक देव मंडल, बेटमा में भव्य कलश यात्रा का आगमन हुआ। यात्रा का रंगवासा और रावद में आत्मीय स्वागत किया गया, जिसके पश्चात यात्रा बेटमा नगर पहुंची। नगर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा की भव्य अगवानी की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सोहन सिंह पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष मलखान सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष शशि जायसवाल, अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष चंद्र शेखर छापोला ,जिला पंचायत सदस्य दशरथ सिंह, जिला महामंत्री कमल परमार, सुनील परमार, विक्की खत्री सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमानत में खयानत करने पर मामला दर्ज

समय जगत, अशोकनगर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गल्ला व्यापारी का गेंहू से भरे ट्रक को लेकर आरोपियों ने अमानत में खयानत करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार फरियादी मनोज कुमार जैन ने कोतवाली में शिकायत कर मामला दर्ज कराया है कि आरोपी रुस्तम गुर्जर निवासी धौलपुर, रिंकू गुर्जर निवासी हैतमपुर द्वारा गेंहू से भरे ट्रक को ले जाकर अमानत में खयानत किया है। जिसपर से कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(2), 316(4) में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

जहरीला पदार्थ खाने से मौत

अशोकनगर। कचनार थाना अंतर्गत ग्राम फतेहपुर में एक महिला द्वारा पारिवारिक समस्या एवं प्रताडऩा से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाने से उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतिका भग्गो बाई पत्नि देशराज बंजारा उम्र 35 साल निवासी फतेहपुर ने पारिवारिक एवं प्रताडऩा से परेशान होकर घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया था,जहां उसकी मौत हो गई। कचनार पुलिस द्वारा देशराज बंजारा पर बीएनएस की धारा में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

क्लब की बैठक आयोजित, आगामी गतिविधियों पर बनी रणनीति

अशोकनगर। स्थानीय क्लब की एक महत्वपूर्ण जनरल बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब की आगामी गतिविधियों एवं भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में क्लब की कार्यकारिणी एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रेसिडेंट संतोष चंदेल,डायरेक्टर कविता साहू व वैशाली सलूजा, वाइस प्रेसिडेंट ज्ञानेश्वरी सक्सेना, ट्रेजरर रीना यादव के साथ-साथ किरण कुशवाहा और चंद्रेश यादव विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक के दौरान क्लब द्वारा आगामी दिनों में आयोजित किए जाने वाले सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। प्रेसिडेंट संतोष चंदेल और अन्य पदाधिकारियों ने क्लब के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और समाज हित में नए कार्य करने के लिए अपने विचार साझा किए। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से आगामी योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया।

आरोन में मुनि श्री निरोगसागर जी के सानिध्य में भक्तिमय वातावरण में गूंजा भक्ताम्बर स्त्रोत

समा जगत आरोन। नगर में विराजमान परम पूज्य संत शिरोमणि मुनि 108 श्री निरोग सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं पावन सानिध्य में रात्रि में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन छोटा मंदिर जी में श्री भक्ताम्बर जी के 48 दिव्य अखंड पाठों का आयोजन अत्यंत भक्ति एवं श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर को मांडना बनाकर एवं विद्युत रोशनी से आकर्षक रूप से सजाया गया था। ढोलक-मंजीरा एवं हारमोनियम की संगीतमय स्वर लहरियों के साथ जब भक्ताम्बर पाठ प्रारंभ हुए तो पूरा वातावरण जिनमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में झूमते नजर आए। मुनि श्री ने बताई भक्ताम्बर स्तोत्र की अलौकिक महिमा।

सुरसुरा धाम से 640 किमी पैदल अखंड ज्योत लाएगा जत्था

समय जगत, बड़वाह। राजस्थान के प्रसिद्ध वीर तेजाजी की निर्वाण स्थली सुरसुरा धाम से अखंड दिव्य ज्योत लाने के लिए काटकूट के तेजा भक्तों का दल गुरुवार को रवाना हुआ। आस्था और संकल्प से भरी यह 640 किलोमीटर की अखंड पैदल यात्रा सात दिनों में पूरी की जाएगी। तेजा दशमी के पावन पर्व पर इस दिव्य ज्योत को स्थानीय तेजाजी मंदिर में विधि-विधान से स्थापित किया जाएगा। मंदिर समिति से जुड़े तेजा भक्त देवकरण इनानिया ने बताया कि गुरुवार सुबह काटकूट के तेजाजी मंदिर में आरती और प्रसाद वितरण के बाद भक्तों का दल ढोल-नगाड़ों और तेजाजी के जयकारों के साथ पहले वाहनों से सुरसुरा धाम के लिए रवाना हुआ। सुरसुरा धाम, जहां वीर तेजाजी ने अपना बलिदान दिया था, वहाँ वर्षों से अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित है।

ग्रामीण विकास को मिली रफ्तार: मंत्री नारायण सिंह पंवार के प्रयासों से 8 सड़कों को मिली मंजूरी

मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के तहत 6 करोड़ 33 लाख रुपये से होगा निर्माण, गांवों की बदलेगी तस्वीर

समय जगत, ब्यावरा। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने और गांव-गांव तक बेहतर आवागमन की सुविधा पहुंचाने की दिशा में ब्यावरा विधानसभा को बड़ी सौगात मिली है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार के प्रयासों से मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के अंतर्गत 8 महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों पर करीब 6 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत आएगी। स्वीकृत सड़क निर्माण कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे ग्रामीणों का आवागमन सुगम होने के साथ ही विद्यार्थियों, किसानों, श्रमिकों और आमजन को विशेष सुविधा मिलेगी। साथ ही कृषि उपज को बाजार तक पहुंचाने में भी आसानी होगी।

इन सड़कों के निर्माण को मिली मंजूरी: - बैरसिया-भौजपुरिया रोड से गोल्यापुरा - जैमालपुरा से खजूरखाड़ी - बैलास से दुर्गापुरा - ढकोरा-जामी रोड से अमरपुरा - मूंडली रोड से भवानीपुरा - अमरगढ़ से खण्डिया - झरखेड़ा रोड से कोड़ियाखेड़ी - से नरसिंहपुरा।

मंत्री पंवार का इस बारे में कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के माध्यम से छोटे-छोटे मजरे और टोलों को भी बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ब्यावरा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, सिंचाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। स्वीकृत इन 8 सड़क कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और विकास की गति और तेज होगी। मंत्री पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी संकल्प के साथ ब्यावरा विधानसभा के गांवों में लगातार विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाई जा रही है।

यूजीसी में बनाए गए कानून के विरोध में शाहपुर में सवर्ण समाज का शक्ति प्रदर्शन, जोरदार रैली की आयोजित

समय जगत, शाहपुर। यूजीसी में बनाए गए कानून के विरोध में गुरुवार को शाहपुर नगर में सवर्ण समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए विशाल रैली निकाली। रैली में समाज के सैकड़ों पुरुष, महिलाएं, बच्चे एवं बुजुर्ग शामिल हुए और पूरे नगर में भ्रमण कर अपनी आवाज बुलंद की। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कानून के विरोध में जमकर नारेबाजी की और सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई आगे बढ़ी, जहां बड़ी संख्या में समाजजन हाथों में तख्तियां एवं बैनर लेकर विरोध दर्ज कराते नजर आए। समाजजनों का कहना था कि उनके अनुसार यूजीसी में बनाया गया यह कानून अनुचित एवं समाज के हितों के विपरीत है। उन्होंने सरकार से कानून पर पुनर्विचार करते हुए इसे वापस लेने की मांग की। रैली के समापन के बाद सवर्ण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कानून को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं कानून वापस लेने की मांग की गई। रैली के दौरान पूरे नगर में समाज की एकजुटता और विरोध का स्वर देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के चलते नगर में रैली चर्चा का विषय बनी रही।

वार्ड क्रमांक 5 में सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन संपन्न

समय जगत, सुठालिया। नगर परिषद सुठालिया के वार्ड क्रमांक 5 में गुरुवार को सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। स्थानीय पार्षद और नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सहित नगर के पार्षदों से पंडित गौतम शर्मा ने पूर्ण विधि विधान के साथ भूमि पूजन कराया एवं निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान नप प्रति निधि गिर्राज लोधी, पार्षद गण आकाश अग्रवाल दुल्ला शाह गोपाल भिलाला मोर सिंह कुशवाह पार्षद प्रतिनिधि ओम पालीवाल मिथुन सिलावट दिनेश वर्मा डा अजीज कुरैशी मोहसिन खान वरिष्ठ पार्षद हुकुम चंद सिलावट कांट्रेक्टर कमल सोंधिया सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वार्डवासियों ने बताया कि लंबे समय से सड़क खराब होने के कारण बारिश में कीचड़ और आवागमन में परेशानी होती थी। सीसी रोड बनने से वार्ड के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। नगर परिषद ने जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा कराने का आश्वासन दिया है।

झांकी एवं पंडाल के लिए अस्थाई विद्युत कनेक्शन लें, बिजली तारों से रखें सुरक्षित दूरी

जबलपुर, समय जगत। गणेशोत्सव त्यौहार (14 सितम्बर) तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए पूर्व क्षेत्र कंपनी ने व्यवस्थित प्रबंध किए हैं। कंपनी प्रबंधन ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झॉकियों में बिजली साज-सज्जा,नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोर्टल पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन के लिये ऑनलाइन आवेदन करें। लाइसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें।

रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झॉकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन के लिये लागू घरेलू दर पर की जाएगी।

झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा विद्युत लाइन से दूर झांकी या पंडाल बनाये। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं। अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका। पारेषण एव वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना।

अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। अनधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही की जा सकती है।

प्रसिद्ध और पारंपरिक गोटमार मेले का आज होगा आयोजन

समय जगत, पांढुरना। आज जाम नदी के तट पर प्रसिद्ध और पारंपरिक गोटमार मेला आयोजित होगा। पांढुरना और सावरगांव के बीच सदियों से चली आ रही यह अनोखी परंपरा अपनी अलग पहचान के लिए चर्चित है। मेले में जाम नदी के बीच पलाश का पेड़ स्थापित कर उस पर झंडा लगाया जाता है। इसके बाद दोनों गांवों के लोग नदी के दोनों किनारों से एक-दूसरे पर पत्थर बरसाते हैं। जो पक्ष पलाश के झंडे को अपने कब्जे में लेता है, उसे विजेता माना जाता है। प्रशासन ने इस वर्ष मेले को सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। गोटमार मेले का आयोजन जाम नदी के किनारे होता है। पांढुरना और सावरगांव के बीच बहने वाली जाम नदी इस परंपरा का मुख्य केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इसकी परंपरा कई सदियों पुरानी है और इसकी शुरुआत करीब 17वीं शताब्दी के आसपास मानी जाती है। हालांकि गोटमार की वास्तविक शुरुआत को लेकर कोई एक प्रमाणित ऐतिहासिक तथ्य उपलब्ध नहीं है। इसके पीछे अलग-अलग लोककथाएं और किवदंतियां प्रचलित हैं। पुराना पांढुरना, जिसे स्थानीय रूप से जूनापांढुरना भी कहा जाता है, वर्तमान नगर से करीब दो किलोमीटर पश्चिम दिशा में बताया जाता है। यहां प्राचीन अवशेष और धार्मिक स्थल होने की बात कही जाती है। स्थानीय इतिहास में जाम नदी किनारे पुराने किले, पिंडारियों के ठहराव और यादव-ग्वाला समाज की बसाहट से जुड़ी कथाएं भी मिलती हैं। भोंसला शासन के दौर से जुड़ी कई स्थानीय मान्यताएं भी गोटमार की कहानी से जोड़ी जाती हैं।

खबर का हुआ असर, अवैध दुकान और गोदाम संचालकों पर नगर पालिका करेगी जल्द बड़ी कार्यवाही

समय जगत, मंडीदीप। नगर में बेसमेंट पार्किंग में दुकानें और गोदाम चलाए जाने को लेकर प्रकाशित खबर का बड़ा असर हुआ है। नगर पालिका ने नियमों की अनदेखी कर बेसमेंट का व्यवसायिक उपयोग कर रहे भवन मालिकों और दुकान संचालकों को नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि मंडीदीप के सतलापुर क्षेत्र में एक अस्पताल और वार्ड 22 पटेल नगर एक भवन स्वामी को नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार वार्ड नंबर 11 इंदिरा नगर में बेसमेंटो में नियमानुसार पार्किंग होना चाहिए थी, लेकिन वहां खुलेआम दुकानें, गोदाम और ऑफिस संचालित हो रहे थे। इससे सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ रहा था और आए दिन जाम की स्थिति बन रही थी। इस संबंध में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। खबर को संज्ञान में लेते हुए नगर पालिका सीएमओ सुधीर उपाध्याय ने तत्काल जांच दल गठित किया। जो एक हफ्ते में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

सेल्समैन की संदिग्ध मौत और 4 माह का राशन गायब होने पर आदिवासी समाज ने दिया अल्टीमेटम

15 दिन पहले एसडीएम को दिए ज्ञापन पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप, 7 दिन में जांच नहीं हुई तो चक्का जाम, धरना - प्रदर्शन की दी चेतावनी

समय जगत, सिलवानी। तहसील के ग्राम खमकुआ में तत्कालीन सेल्समैन रामस्वरूप आदिवासी की संदिग्ध मौत और सैकड़ों गरीब आदिवासी परिवारों के चार माह का राशन नहीं मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आदिवासी समाज और ग्रामीणों ने गुरुवार को बड़ी संख्या में तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार नरेंद्र सिंह परमार को कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपते हुए सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि नायब तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ सहित अन्य अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि 15 दिन पूर्व भी इसी मामले में एसडीएम अलका सिंह को ज्ञापन सौंपा गया था लेकिन अब तक न तो जांच शुरू हुई और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई। इससे आदिवासी समाज में भारी आक्रोश है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम खमकुआ के तत्कालीन सेल्समैन रामस्वरूप आदिवासी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला था जिसकी जांच आज तक पूरी नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक राशन वितरण से जुड़ी समस्याओं को लेकर लगातार परेशान था और कई बार खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगा चुका था।

ग्रामीणों ने मांग की है कि सुसाइड नोट, राशन वितरण प्रणाली, पीओएस मशीन की तकनीकी गड़बड़ियों और विभागीय लापरवाही की संयुक्त जांच कराई जाए।

आखिर चार माह का राशन कहां हुआ गायब: ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले चार माह से ग्राम खमकुआ की उचित मूल्य दुकान पर गरीब परिवारों को राशन नहीं मिला है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि मार्च से सितंबर के बीच समिति को कितना राशन आवंटित हुआ, कितना वेयरहाउस से उठाया गया और वह आखिर कहां गया।

ग्रामीणों ने मांग की है कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के रिकॉर्ड, वेयरहाउस के बिल-वाउचर, परिवहन पर्चियां, आवंटन आदेश और पावती रजिस्टर का मिलान कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए। ग्रामीणों ने पंचायत स्तर पर बैठक कर प्रस्ताव पारित किया है कि जब तक मार्च से सितंबर तक के राशन वितरण की जांच नहीं हो जाती और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक कई ग्रामीण सितंबर माह का राशन लेने भी नहीं जाएंगे। पंचायत की बैठक का लिखित पंचनामा और प्रस्ताव भी ज्ञापन के साथ प्रशासन को सौंपा गया है। आदिवासी समाज ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिवस के भीतर जांच टीम गठित कर कार्रवाई शुरू नहीं की गई तो तहसील कार्यालय का घेराव, धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम किया जाएगा। समाज का कहना है कि गरीब आदिवासियों के हक का राशन गायब होना और एक सेल्समैन की संदिग्ध मौत दोनों गंभीर विषय हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 13 कर्मचारियों के बीच कार्यों का विभाजन

मण्डला, समय जगत। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मण्डला द्वारा 2 सितंबर 2026 को जारी आदेश के तहत कार्यालयीन कार्यों के सुचारू संचालन के लिए 13 कर्मचारियों के बीच विभिन्न कार्यों का कार्य-विभाजन किया गया है। आदेश के अनुसार मुख्य लिपिक राजेन्द्र पाल को मुख्य लिपिक के दायित्व के साथ सामान्य शिकायतों का कार्य सौंपा गया है। सहायक ग्रेड-1 विनयतोष मरावी को लेखा एवं स्थापना, जबकि लेखापाल संत राम मरावी को विधि एवं सीएम हेल्पलाइन का दायित्व दिया गया है। इसी तरह सहायक ग्रेड-2 महेन्द्र श्रीवास को मान्यता, अनुदान, पाठ्य पुस्तक एवं बैठक सूचना संबंधी कार्य, के.एल. मरकाम को एनएसएसएमएस, क्रीड़ा एवं भण्डार तथा जगदीश चौधरी को छात्रवृत्ति एवं स्कूटी वितरण का कार्य सौंपा गया है। सहायक ग्रेड-3 हनीफ खान को आवक-जावक, मानव अधिकार, जनगणना, निर्वाचन एवं मदरसा शिक्षा, देवेन्द्र दुबे को समग्र शिक्षा एवं साइकिल वितरण, शैलेन्द्र तिवारी को जनसुनवाई एवं टीएल रेडक्रास तथा लोकेश कुम्हले को मॉडल स्कूल स्थापना का दायित्व दिया गया है। वहीं के.के. झारिया को विभिन्न परीक्षाओं, एपीजे अब्दुल कलाम छात्रवृत्ति, लैपटॉप एवं सम्मान समारोह, अमित कुमार उइके को समग्र शिक्षा लेखा, पेंशन एवं आईएफएमआईएस तथा सुखदेव पदम को विविध एवं विधानसभा संबंधी कार्य सौंपे गए हैं। आदेश में संबंधित शाखाओं की नस्तियां निर्धारित कर्मचारियों को उपलब्ध कराने तथा नवीन प्रभार संबंधी नस्तियों का आदान-प्रदान तीन दिवस के भीतर कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। वहीं यह जानकारी में आया है कि 2 सितंबर 2026 के कार्य विभाग के आदेश का पालन आज तक नहीं हो सका ना ही नये प्रभार प्राप्त कर्मचारियों द्वारा नया प्रभार नहीं गया जिससे विदित होता है कि यह कार्य विभाग महज़ दिखावा है।

इनका कहना है

प्रभार की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही नियमानुसार कर्मचारियों को प्रभार सौंपा जाएगा। इसके बाद उसी अनुरूप कार्यालयीन कार्य संपादित किए जाएंगे।

श्रीमती मुन्नी बरकडे
जिला शिक्षा अधिकारी मण्डला

रतलाम विधानसभा में मंडल कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी का सार्वजनिक जीवन है गौरवपूर्ण : मंत्री चेतन्य काश्यप

रतलाम, समय जगत। लोक सेवक के रूप में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर रतलाम विधानसभा में मंडल कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रदेश शासन के मंत्री चेतन्य काश्यप ने मुखर्जी मंडल एवं अंबेडकर मंडल की कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण के मोदी के 25 वर्ष हर भारतीय के लिए गौरवपूर्ण है। मोदी ने हर कार्य से देश का गौरव बढ़ाया है। कार्यशाला के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, जिला महामंत्री जयवंत कोठारी, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी क्रांति जोशी, जिला कोषाध्यक्ष पवन सोमानी, जिला मंत्री अनुज शर्मा, सोश्यल मीडिया संयोजक तन्मय त्रिवेदी, मंडल महामंत्री विवेक शर्मा एवं भावना गुर्जर मंचासीन रहे। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित ने की। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल देश ही नहीं पूरे विश्व के लिए अनुपम उदाहरण है। 2014 के पहले का भारत और 2026 का विकासशील समृद्धशाली देश सबके सामने है। मोदीजी विकसित भारत 2047 का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास की गंगा बह रही है। रतलाम में निवेश क्षेत्र से औद्योगिक विकास और रोजगार की क्रांति होने वाली है। श्री काश्यप ने सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक सहभागिता का आव्हान किया। मंडल प्रभारी क्रांति जोशी ने अभियान के कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिलाध्यक्ष श्री उपाध्याय ने पार्टी कार्यो को लेकर संबोधित किया। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित ने दिया। संचालन विवेक शर्मा ने किया। आभार भावना गुर्जर ने माना। मुखर्जी मंडल के बाद अंबेडकर मंडल की कार्यशाला को कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप ने संबोधित किया। कार्यशाला में पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंग पुरोहित, जिला महामंत्री जयवंत कोठारी, मंडल प्रभारी निलेश बाफना, एमआईसी सदस्य भगतसिंह भदौरिया एवं मंडल महामंत्री संदीप मौर्य मंचासीन रहे।

संक्षिप्त समाचार

जान से मारने की धमकी मामले में सनातनी गौ भक्तों ने दिया ज्ञापन

अमझेरा। प्रसिद्ध सन्त कमल किशोर नागर को विगत दिनों जान से मारने की धमकी भरा पत्र भूरा डाबरा गौशाला में मिला जिसके बाद से सन्त नागर जी के भक्तों में आक्रोश देखा जा रहा है। अमझेरा पुलिस थाने पर सनातनी ग्रामीण एवं गौ भक्तों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन थाना प्रभारी राजू मकवाना को दिया। । जिसमे बताया कि झाबुआ जिले में स्थित प्रसिद्ध गो शाला भूरा डाबरा में जन्माष्टमी के दिन एक धमकी भरा पत्र मिला है जिसमें सन्त नागर जी एवं उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। ज्ञापन में मांग की गई कि शीघ्र ही पत्र भेजकर धमकी देने वाले का पता करके उस पर सख्त कार्यवाही की जाए। पूज्यनीय सन्त को धमकी देने से समस्त हिन्दू समाज आहत है। इस दौरान जनपद सदस्य नेहा दीक्षित, विजय दीक्षित, रवि मुकाती, शुभम दीक्षित, अशोक कुशवाह, भुवान कुशवाह, सोनू रघुवंशी, अर्जुन गामड़ एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रायसेन जिले में आबकारी विभाग द्वारा चलाया गया विशेष अभियान

समय जगत, औवेदुल्लागंज। सागर जिले में विगत दिनों शराब दुकानों से अवैध एवं अमानक शराब के विक्रय का मामला सामने आने के बाद रायसेन जिले में आबकारी विभाग ने सतर्कता बढ़ाते हुए विशेष जांच अभियान शुरू किया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए रायसेन कलेक्टर ने आबकारी विभाग को जिले की मदिरा दुकानों की सघन जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देश के बाद आबकारी विभाग द्वारा चार टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने जिले के चार आबकारी वृत्तों में संचालित 66 मदिरा दुकानों की विस्तृत एवं गहन जांच शुरू की है। जांच के दौरान दुकानों पर उपलब्ध मदिरा के वैध एवं मानक होने के साथ-साथ उसके स्रोत की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों द्वारा संदेह होने की स्थिति में मदिरा दुकानों से सैंपल लिए जा रहे हैं, जिन्हें रासायनिक परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। इसके अलावा बोतलों पर लगे होलोग्राम को स्कैन कर उनकी भी जांच की जा रही है, ताकि अवैध अथवा नकली शराब की किसी भी संभावना का पता लगाया जा सके।

शिक्षा व्यवस्था सुधार के प्रयास सराहनीय शिक्षकों की समस्याओं का हो समाधान

मण्डला, समय जगत। जिले की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे द्वारा किए जा रहे प्रयासों को ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने स्वागत योग्य बताया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डी.के. सिंगौर ने कहा कि आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोचिंग, पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराने तथा विद्यालय भवनों की व्यवस्था सुधारने की दिशा में किए जा रहे प्रयास सकारात्मक हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था सुधार के साथ शिक्षकों के हितों और उनकी समस्याओं पर भी न्यायपूर्ण ढंग से विचार किया जाना आवश्यक है। डी.के. सिंगौर ने कहा कि एसोसिएशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के हितों का हमेशा समर्थन करता रहा है। प्रत्येक विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक और अध्ययन के अनुकूल वातावरण होना जरूरी है। लेकिन पिछले वर्षों में स्थानांतरण एवं पदस्थापना से जुड़े मामलों के प्रभावी निराकरण नहीं होने से स्थिति जटिल हुई है। वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की स्थानांतरण प्रक्रिया में अतिशेष शिक्षकों के स्थानांतरण, पति-पत्नी समायोजन, महिला शिक्षकों तथा गंभीर बीमारी से जुड़े प्रकरणों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिए जाने की बात उन्होंने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज नहीं होने और कुछ मामलों में पर्याप्त परीक्षण के अभाव में लिए गए निर्णयों का असर दूरस्थ विद्यालयों पर पड़ा है। कई विद्यालय शिक्षक विहीन हुए हैं। कुछ स्थानों पर संकुल प्राचार्यों ने वैकल्पिक व्यवस्था बनाकर शिक्षण कार्य जारी रखने का प्रयास किया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान आवश्यक है।

समायोजन पूरा होने तक चरणबद्ध व्यवस्था की मांग-एसोसिएशन ने अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया के बीच संलग्नीकरण पर कार्यरत शिक्षकों के आदेश अचानक निरस्त किए जाने पर भी चिंता जताई है। सिंगौर के अनुसार कई विद्यालयों में वर्षों से संलग्न शिक्षकों के माध्यम से शिक्षण व्यवस्था संचालित हो रही है। यदि समायोजन पूरा होने से पहले इन व्यवस्थाओं को समाप्त किया गया तो कई विद्यालयों में पुनः शिक्षकों की कमी पैदा हो सकती है। उन्होंने अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की कार्रवाई पूर्ण होने तक चरणबद्ध एवं व्यावहारिक व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है।

एसोसिएशन ने जिले की स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए ट्राइबल विभाग के पुराने कैडर की स्थिति के अनुरूप वर्ष 2022 में बनाई गई अतिशेष संबंधी नीति को शिक्षा विभाग की वर्तमान अतिशेष नीति से समन्वित कर कार्यवाही करने का सुझाव दिया है। एसोसिएशन का मानना है कि इससे विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकता और शिक्षकों की वर्तमान पदस्थापना को ध्यान में रखते हुए अधिक व्यावहारिक समाधान निकाला जा सकता है। सिंगौर ने कहा कि विद्यार्थियों के हित सर्वोपरि हैं, लेकिन पूर्व वर्षों की प्रशासनिक कमियों, गलत आंकड़ों और अव्यवस्थित निर्णयों का खामियाजा शिक्षकों को नहीं भुगतना चाहिए।

श्री अखंड ज्ञान आश्रम में दिव्य चातुर्मास महोत्सव के तहत कठोपनिषद स्वाध्याय एवं श्रीमद् भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु

रतलाम। स्वामी ज्ञानानंद मार्ग, सैलाना बस स्टैंड स्थित श्री अखंड ज्ञान आश्रम में आयोजित दिव्य चातुर्मास महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को निर्वाणी अखाड़ा पीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी श्री श्री 1008 विशोकानंद जी भारती के सानिध्य में प्रातःकाल कठोपनिषद का स्वाध्याय एवं सायंकाल श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हुआ। कथा एवं प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्म एवं अध्यात्म का लाभ लिया। प्रवचन में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद जी भारती ने कहा कि लोग कहते हैं कि भारत विश्व गुरु है, लेकिन भारत केवल विश्व गुरु ही नहीं, बल्कि सर्वज्ञ गुरु है। भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा ने संसार को जीवन के सत्य का मार्ग दिखाया है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा देवराज इंद्र के मान-मर्दन का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि इंद्र वृष्टि के माध्यम से पृथ्वी को संपन्न बनाने का कार्य करते हैं, लेकिन जब अहंकार उत्पन्न होता है तो भगवान उसका मर्दन कर धर्म और सत्य की स्थापना करते हैं। उन्होंने कहा कि सांसारिक टोने-टोटके अथवा बाहरी उपायों से मनुष्य न तो सदा स्वस्थ रह सकता है और न ही अमर हो सकता है। वास्तविक शांति और स्थायी सुख आत्मज्ञान, तप और ईश्वर की शरण में जाने से प्राप्त होता है। रामायण के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन में मर्यादा और धर्म सर्वोपरि रहे। रावण द्वारा सीता को वहीं रख लेने के प्रस्ताव को भगवान श्रीराम ने अस्वीकार करते हुए कहा कि वे माता सीता को सम्मानपूर्वक वापस लेकर आएंगे। इसी प्रकार रामेश्वर स्थापना के प्रसंग में हनुमान जी द्वारा शिवलिंग लाने और उससे जुड़े प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने भगवान की लीलाओं और उनके आध्यात्मिक संदेश को समझाया। स्वामी जी ने कहा कि तप के माध्यम से व्यक्ति अपने अंतःकरण की मलिनता और वासनाओं को शांत कर सकता है। तप ही वह साधन है, जिसके द्वारा तमोगुण और रजोगुण को शुद्ध कर सतोगुण में परिवर्तित किया जा सकता है।

नालियों के गंदे पानी से वार्ड क्रमांक 4 की सड़क बनी मुसीबत

जूते-मोजे गीले कर स्कूल जाने को मजबूर नन्हे छात्र, जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

समय जगत औवेदुलागंज। नगर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित महावीर कॉलोनी में नालियों का गंदा पानी सड़क पर जमा होने से स्थानीय रहवासियों के साथ-साथ स्कूली छात्र-छात्राओं को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जलभराव की स्थिति इतनी खराब है कि स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। इस मार्ग पर द एमिटी स्कूल एवं चाणक्य पब्लिक स्कूल भी संचालित हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इस मार्ग से स्कूल आते-जाते हैं। सड़क पर गंदा पानी जमा होने के कारण बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। कई नन्हे छात्र अपने जूते-मोजे गंदे पानी में भिगोकर स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। इससे उनके जूते-कपड़े खराब होने के साथ ही संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार, नालियों की नियमित सफाई नहीं होने और जल निकासी की उचित व्यवस्था के अभाव में यह समस्या लगातार बनी हुई है। बताया जा रहा है कि एक मकान के निर्माण कार्य के चलते नाली में मलबा जमा हो गया है, जिसके कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है और गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है।

इनका कहना है

मकान के निर्माण कार्य के कारण नाली में मलबा जमा हो गया है, जिससे पानी की निकासी बाधित होकर सड़क पर पानी भर रहा है। इससे लोगों को आने-जाने में असुविधा हो रही है। नगर परिषद को इस समस्या की ओर तत्काल ध्यान देकर समाधान कराना चाहिए।

डॉ. भूपेंद्र नागर, मंडल अध्यक्ष
भाजपा

दो वर्षीय नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन जितेन्द्र सोलंकी बने महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष

समय जगत, सारंगपुर। नगर की एकमात्र सामाजिक एवं धार्मिक संस्था महादेव मित्र मंडल का 37 वां स्थापना दिवस बुधवार को विभिन्न कायक्रमों के साथ बाबा वटकेश्वर महादेव का अभिषेक कर बडे हर्षोल्लास के सथ मनाया गया। गांधीचौक स्थित वटकेश्वर महादेव मंदिर में मंडल के सदस्यों ने बाबा वटकेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया। साथ ही तारागंज स्थित श्रीपति एग्रीफ्रेंट कंपनी मे अलग अलग सत्रों मे कार्यक्रम आयोजित किए गए।सर्वप्रथम मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद एवं संगठन मंत्री दिनेश सिसोदिया सहित अन्य सदस्यों ने बाबा महाकाल की पुजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गीत भजन का आयोजन कर सचिव श्री पुष्पद ने पूरे वर्ष भर मे आयोजित कार्यक्रमों के प्रतिवेदन को विस्तार से बताया साथ ही कोषाध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार ने आय व्यय का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। खेल सत्र में मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें आंखों पर पट्टी बांध कर कन्हैया ने मटकी फोड़ी, साथ ही अन्य खेल भी आयोजित किए गए। साथ ही मंडल के वरिष्ठ परामर्श गण अशोक साहू, समंदर सिह बैस लोकेश सोलंकी महेश पाटीदार, अरुण जेन रामेश्वर पुष्पद भुपेन्द्र जोशी एल एन त्रिकार मनोहर सोनी माखनलाल पुष्पद गोपाल वैध संतोष मीणा कमल पुष्पद वेभव पुष्पद कमलेश टेटवाल सतीश राठोर कमल राठोर गुंजन सोनी अनिल जेन रमेश पुष्पद प्रकाश पुरी अखलेश राठोर सहित अन्य सदस्यों ने अपने अपने विचार साझा किए। साथ ही मंडल के संगठन मंत्री दिनेश सिंह सिसोदिया ने महादेव मित्र मंडल के सन 1990 से 2026 तक के अविस्मरणीय कार्यो को विस्तार से बताया साथ ही संगठन के सदस्यों को अनुशासन तथा संगठन की रीति नीति का पाठ पढ़ाते हुए महादेव मित्र मंडल द्वारा सनातन धर्म के लिए किए गए कार्यो को बताते हुए सदस्यों से आने वाले वर्षों में सनातन की रक्षा के सूत्र को विस्तार से बताया।

विधायक के निर्देशन में लगातार जारी है अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई

समय जगत, इटारसी। विधायक के निर्देशन में शहर को अतिक्रमण मुक्त, व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा चलाया जा रहा अभियान लगातार जारी है। बाजार क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका अमले द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री सुरेखा जाटव स्वयं फायर वाहन लेकर बाजार क्षेत्र में पहुंचीं। नावेल्टी रेस्टोरेंट के सामने स्थित कपड़ा बाजार में फायर वाहन को अंदर ले जाकर मार्ग की स्थिति का परीक्षण किया गया, लेकिन सड़क एवं मार्ग पर किए गए अतिक्रमण के कारण फायर गाड़ी अंदर तक नहीं जा सकी। फायर वाहन के बाजार के अंदर नहीं पहुंच पाने की स्थिति को नगर पालिका प्रशासन ने गंभीरता से लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड को घटनास्थल तक पहुंचने में एक-एक मिनट महत्वपूर्ण होता है। अतिक्रमण के कारण यदि फायर वाहन ही अंदर नहीं पहुंच पाए तो किसी भी आगजनी अथवा आकस्मिक घटना के समय गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जयस्तंभ चौक पर फल ठेले जप्त, 2,600 की चालानी कार्रवाई: अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत जयस्तंभ चौक के पास सड़क एवं सार्वजनिक स्थान पर लगाए गए फल ठेलों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। नगर पालिका अमले द्वारा फल ठेले जप्त किए गए तथा संबंधितों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए ?2,600 की चालानी राशि वसूल की गई।

जप्त फल जरूरतमंदों और गौशाला को वितरित: कार्रवाई के दौरान जप्त किए गए फलों को खराब होने देने के बजाय नगर पालिका द्वारा मानवीय पहल करते हुए वृद्धाश्रम, मुस्कान संस्था एवं श्रीजी गौशाला में वितरित किया गया। नगर पालिका प्रशासन ने फल विक्रेताओं, हाथ ठेला संचालकों, दुकानदारों एवं व्यापारियों से स्पष्ट अपील की है कि वे निर्धारित स्थान पर ही व्यवसाय करें तथा सड़क, फुटपाथ एवं सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमण कर बाधित न करें। नगर पालिका द्वारा बाजार क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

इटारसी में आठ माह से वार्ड 30 है प्रतिनिधित्वविहीन

समय जगत, इटारसी। कांग्रेस नेता अधिवक्ता रमेश साहू ने नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 30 का उपचुनाव स्थगित किए जाने पर शासन और प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्षद स्वर्गीय धर्मदास मिहानी के निधन को लगभग आठ माह बीत चुके हैं, लेकिन वार्ड की जनता को अब तक नया निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं मिल पाया है। यह जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का गंभीर हनन है। रमेश के साहू ने कहा, मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 37 के अनुसार पार्षद का पद रिक्त होते ही शासन को राज्य निर्वाचन आयोग को तत्काल सूचित कर रिक्त पद भरने की प्रक्रिया प्रारंभ करनी चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 243-ZA के अंतर्गत नगर पालिका चुनावों के संचालन की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोग की है। इसके बावजूद आठ माह तक चुनाव नहीं कराया गया और अब घोषित उपचुनाव को भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। यह कानून की मंशा के विरुद्ध और शासन की घोर प्रशासनिक विफलता है। एडवोकेट साहू ने कहा कि कानून-व्यवस्था, बारिश और त्योहारों का हवाला देकर चुनाव टालना स्वीकार्य नहीं है। ये परिस्थितियां पहले से ज्ञात थीं और चुनाव कार्यक्रम घोषित करते समय प्रशासन को इनका आकलन करना चाहिए था। यदि प्रशासन एक वार्ड का चुनाव भी समय पर नहीं करा सकता, तो उसकी कार्यक्षमता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कांग्रेस नेता अधिवक्ता रमेश साहू ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग तत्काल नई चुनाव तारीख घोषित नहीं करता है तो संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में रिट याचिका प्रस्तुत की जाएगी। न्यायालय से समयबद्ध उपचुनाव कराने, आठ माह की देरी की जांच कराने और इसके लिए जिम्मेदार शासन एवं निर्वाचन अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी अधिकारी द्वारा जानबूझकर चुनाव प्रक्रिया में विलंब करने, कर्तव्य की उपेक्षा करने अथवा राजनीतिक दबाव में कार्य करने के प्रमाण सामने आते हैं, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानून के अनुसार विभागीय कार्रवाई और मुकदमा दर्ज कराने की मांग भी की जाएगी। रमेश साहू ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को वार्ड क्रमांक 30 में हार का डर सता रहा है, इसलिए प्रशासनिक कारणों की आड़ लेकर चुनाव से बचने का प्रयास किया जा रहा है।